www.epaper.azadsipahi.in

09 अक्टूबर, 2025
कार्तिक, कृष्ण पक्ष, तृतीया
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
गुरुवार, वर्ष 10, अंक 347

*

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

एमएलए बनने के लिए कितना गिरोगी ज्योति : पवन सिंह

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of : Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHARM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

हृदयम हार्ट क्लिनिक
उपलब्ध सुविधाएँ -
• ईसीजी • इको-कार्डियोग्राफी
• टीएमटी • हॉस्पीटल मॉनिटरिंग
यहाँ हृदय संबंधित सभी रोगों का उचित परामर्श तथा उपचार उपलब्ध है जैसे :
• हार्ट फेलियर • हाई कॉलेस्ट्रॉल
• हार्ट अटैक • हार्ट एरिदमिया
• हार्ट ब्लॉक • पाल्पीटेशन
• हाइपरटेंशन • दिल का छेद,

डॉ साकेत कुमार
हृदय रोग विशेषज्ञ
एम.बी.बी.एस. (एमयू.), एम.डी. (पीएचसीएच, पटना) डी.एम. कार्डियोलॉजी (आईपीजीएमईआर, कोलकाता)
वयस्क एवं बाल हृदय चिकित्सक
सलाहकार हृदय रोग विशेषज्ञ
पल्स हॉस्पिटल, रांची
हृदयम हार्ट क्लिनिक
डॉ. जे शरण लेन, रिम्स मेडिकल चौक के पास, बरियातू, झारखंड-834009
समय : सुबह 09:30 से सायं 06:00 बजे तक
8002882735, 8100360617, 8573987365

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery KG - I
Nursery KG - II
ADMISSION OPEN

Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

अमानवीय: पांच घंटे तक एंबुलेंस का इंतजार, महिला तड़प कर मर गयी, आयी न एंबुलेंस

- 5 से 10 बजे तक लगाया 108 नंबर पर फोन, मिला तो बस छलावा
- भांजी ने कहा, अगर डीसी उठा लेतीं फोन, तो बच जाती मामी की जान, 12 बार लगाया कॉल
- पत्नी के मरने के बाद बोला घायल पति अब नहीं कराऊंगा अपना इलाज

अंजुम/ सुधाकर

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला सदर अस्पताल में बुधवार सुबह एंबुलेंस के इंतजार में एक महिला की तड़प-तड़प कर मौत हो गयी। लगातार पांच घंटे तक 108 नंबर पर फोन लगाने के बाद भी एंबुलेंस नहीं मिली। आखिरकार घायल महिला ने दम तोड़ दिया। बात इतने पर ही खत्म नहीं होती। मृतका की भांजी कल्याणी कुमारी ने मदद की गुहार लगाने के लिए गुमला की उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित को लगातार 12 बार कॉल लगाया। आदत के अनुसार उपायुक्त ने न तो कल्याणी का फोन रिसीव किया, न ही उसके नंबर पर कॉल बैक आया।

दुर्घटना में पति-पत्नी और बच्ची हुई थीं घायल: चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत टिन टांगर निवासी विनय रौतिया अपनी पत्नी कलावती देवी और डेढ़ वर्षीय बेटी वर्षा कुमारी के साथ मंगलवार को इंद मेला देखने केमटे गांव गये थे। वहां से बुधवार की सुबह चार बजे तीनों बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। इसी बीच कांसीर के समीप पीछे से एक मारुति वैन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घटना में पति-पत्नी दोनों को गंभीर चोट लगी। वहीं, बच्ची को भी हल्की चोट लगी। टक्कर में वैन का अगला हिस्से का नंबर प्लेट सड़क पर ही गिर गया, जिसे रायडीह पुलिस ने जब्त कर लिया है। स्थानीय लोगों की मदद से बुधवार की सुबह पांच बजे तीनों को सदर अस्पताल लाया गया। वहां इलाज के बाद गंभीर स्थिति देखते हुए डॉक्टर ने दोनों पति-पत्नी को रांची के रिम्स रेफर कर दिया।

सुबह 5 से 10 बजे तक लगाया 108 कॉल सेंटर में फोन: रेफर करने के बाद परिजन सुबह पांच बजे से लगातार 108 नंबर पर फोन कर एंबुलेंस भेजने की गुहार लगाते रहे। कभी 15 मिनट तो कभी आधा घंटा, तो कभी एक घंटा बोलकर उन्हें लगातार छलावा दिया जाने लगा। अंततः सुबह 10 बजे घायल महिला की तड़प-तड़पकर मौत हो गयी।

गुमला में स्वास्थ्य सेवा का हाल

उपायुक्त को 12 बार कॉल लगाया

कॉल सेंटर 108 पर लगातार फोन करने के बाद जब परिजन को लगने लगा कि शायद वह समय रहते एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं कर पायेंगे, तो बड़ी उम्मीद के साथ मृतका की भांजी कल्याणी कुमारी ने गुमला उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित को फोन लगाना शुरू किया। उपायुक्त को 8:32 से लेकर 8:42 बजे तक कुल 12 कॉल लगाये। कल्याणी कुमारी को पूरा भरोसा था कि उपायुक्त उसका फोन उठा लेंगी तो एंबुलेंस की व्यवस्था हो जायेगी। उसके मामा-मामी की जान बच जायेगी। लेकिन उनका कॉल बैक भी नहीं आया। जब उपायुक्त के तरफ से भी कोई जवाब नहीं आया, तो तो थक-हार कर पूरा परिवार चुप बैठ गया।

पति ने इलाज कराने से कर दिया था मना

एंबुलेंस नहीं आने के कारण पत्नी की मौत से विनय रौतिया काफी आहत हुए। अपने इलाज के लिए रिम्स जाने से उन्होंने साफ इंकार कर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने इलाज कराने से भी इंकार कर दिया। बाद में समझाने के बाद गुमला के सदर अस्पताल में ही इलाज कराने को तैयार हुए, जहां अभी वह भर्ती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार को दी राहत

सारंडा के 31,468.25 हेक्टेयर क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने की दी अनुमति

- सेल और अन्य वैध माइनिंग लीज वाले इलाकों को अभयारण्य के प्रभाव क्षेत्र से बाहर रखने का आदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/रांची। सारंडा को वन्य जीव अभयारण्य घोषित करने पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने सारंडा के 31,468.25 हेक्टेयर क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने की अनुमति दे दी है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया है कि सेल और अन्य वैध माइनिंग लीज वाले इलाकों को अभयारण्य के प्रभाव क्षेत्र से बाहर रखा जायेगा। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने राज्य सरकार को एक सप्ताह के भीतर इस संबंध में शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है।

एनजीटी के निर्देश का पालन नहीं हुआ, मामला कोर्ट पहुंचा

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने 12 जुलाई 2022 को सारंडा में वन्य जीव अभयारण्य बनाने का निर्देश दिया था। एनजीटी ने सारंडा के 400 वर्ग किमी क्षेत्र को ही अभयारण्य बनाने का निर्देश दिया था। जब राज्य सरकार की ओर से इस निर्देश का पालन नहीं किया गया, तब मामला सुप्रीम कोर्ट में चला गया। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को हलफनामा दायर करने को कहा। इसके बाद 29 अप्रैल को सरकार की ओर से हलफनामा दायर किया गया। वन विभाग की ओर से दायर हलफनामा में बताया गया कि राज्य सरकार 31468.25 हेक्टेयर के एनजीटी के मूल प्रस्ताव की जगह 57519.41 हेक्टेयर क्षेत्र को वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित करने का प्रस्ताव किया है। 13.06 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ससांगदाबुरु संरक्षित रिजर्व क्षेत्र के रूप में अधिसूचित करने का प्रस्ताव किया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में चला गया, जहां बुधवार को सुनवाई हुई।

अभयारण्य बनाने के पक्षधर नहीं विभाग: बताते चलें कि एनजीटी ने 12 जुलाई 2022 को सारंडा में वन्य जीव अभयारण्य बनाने का निर्देश दिया था। वन एवं पर्यावरण विभाग ने पूरे सारंडा वन क्षेत्र को वन्य जीव अभयारण्य घोषित करने को लेकर खान-भूतत्व और उद्योग विभाग से मंतव्य मांगा था। ये दोनों विभाग पूरे वन क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने के पक्ष में नहीं हैं। इन विभागों का कहना है कि पूरे वन क्षेत्र को अभयारण्य बनाना राज्य के लिए नुकसानदेह होगा। कैबिनेट के लिए तैयार प्रस्ताव में वित्त विभाग ने भी इन दोनों विभागों की राय पर सहमति जतायी है। कहा है कि ऐसा होने से माइनिंग रॉयल्टी की संभावना भविष्य में और जटिल हो जायेगी। इन विभागों का कहना है कि सरकार राज्यहित में बीच का कोई रास्ता निकाले।

शहीद पुलिस कर्मियों के बच्चों के लिए रांची में बनेगा आवासीय विद्यालय : हेमंत सोरेन

- मुख्यमंत्री से शहीद आरक्षी सुनील कुमार राम और संतन कुमार मेहता के परिजनों ने की मुलाकात
- दोनों के परिजनों को सम्मान राशि के रूप में 1.10 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को उनके आवासीय कार्यालय में पलामू जिला बल के शहीद आरक्षी सुनील कुमार राम और संतन कुमार मेहता के परिजनों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने दोनों शहीद आरक्षी के परिजनों को सम्मान राशि के रूप में 1.10 करोड़ रुपये (स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत) की वित्तीय सहायता राशि का चेक सौंपा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड हमेशा अपने शहीदों का ऋणी रहेगा। राज्य सरकार सदैव शहीदों के परिजनों के साथ खड़ी है। शहीद पुलिस कर्मियों के बच्चों के लिए रांची में आवासीय विद्यालय बनाया जायेगा।

झारखंड हमेशा अपने शहीदों का ऋणी रहेगा: मुख्यमंत्री ने शहीद जवान के परिजनों से सहानुभूति पूर्वक आत्मीयता के साथ बात-चीत की। उनकी पारिवारिक स्थिति की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने शहीद परिजनों के दर्द को बांटा। उन्होंने शहीद के परिजनों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि राज्य सरकार सदैव आपके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने दोनों शहीद आरक्षी जवान के मां, पिता, पत्नी, बच्चे, भाई सहित अन्य परिजनों से बात की तथा पीड़ित परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शहीद आरक्षी सुनील कुमार राम और संतन कुमार मेहता ने राज्यवासियों की सेवा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है, उनकी शहादत को नमन करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार शहीद परिवार की पीड़ा को गहराई से समझती है। झारखंड हमेशा अपने शहीदों का ऋणी रहेगा। जो सम्मान राशि औपको दी जा रही है उसका बेहतर उपयोग करते हुए आप अपने बच्चों को सकारात्मक दिशा प्रदान करने का कार्य करें ताकि उनके बेहतर भविष्य का निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।

अधिकारियों को लाभ देने का दिया निर्देश: मौके पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शहीद के परिजनों को मिलने वाले सभी प्रकार के लाभ उन्हें शीघ्र प्रदान किये जायें। अधिकारियों ने बताया कि दोनों शहीदों की पत्नी स्नातक पास हैं। पुलिस विभाग के नियम के अनुसार दोनों को क्लर्क की नौकरी दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परिजनों को पेंशन सहित अन्य सेवांत लाभों से जोड़ें। अधिकारियों ने बताया कि इसकी भी प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है।

ये थे मौजूद: इस मौके पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर के अलावा डीजीपी अनुराग गुप्ता, पलामू एसपी रिष्मा रमेशन, उप महाप्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक रांची अंचल मनोज कुमार, एजीएम रीना कुमारी, मुख्य प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक विकास कुमार पांडेय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

शहीदों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शहीद जवानों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने के लिए अलग से एक आवासीय विद्यालय रांची में बनायेगी। यह विद्यालय निजी विद्यालयों के तर्ज पर संचालित किये जायेंगे, जहां बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि विद्यालय निर्माण के लिए झारखंड जगुआर में चार एकड़ भूमि चिन्हित कर ली गयी है। यह विद्यालय पुलिस विभाग द्वारा चलाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हमारे पुलिस विभाग के जवानों एवं कर्मियों के लिए एक अस्पताल भी बनाने पर विचार कर रही है जल्द एक बेहतर कार्य योजना बनाते अस्पताल निर्माण कार्य को मूर्त रूप दिया जायेगा।

हिम्मत और धैर्य के साथ परिवार को आगे बढ़ाते रहें

हेमंत सोरेन ने शहीद के परिजनों से कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि आप शहीद परिवार के सदस्यों का मनोबल बढ़ा रहे। हमारी सरकार आपलोगों के दुःख-दर्द को गहराई से महसूस करती है। हमारी सरकार शहीदों के सम्मान में उनके परिजनों को हरसंभव मदद करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दें तथा हिम्मत और धैर्य के साथ मजबूत होकर परिवार को आगे बढ़ाते रहें, चुनौतियों से घबराएं नहीं जब आपको जरूरत हो आप पुलिस विभाग के वरीय पदाधिकारियों से निसंकोच भेंट करें, आपकी पीड़ा को कम करने का प्रयास पदाधिकारियों द्वारा किया जायेगा।

अब भारत घुसकर मारता है, कांग्रेस बताये किसके दबाव में 2008 में कार्रवाई नहीं की: नरेंद्र मोदी

- प्रधानमंत्री दो दिन के लिए मुंबई दौरे पर पहुंचे, नवी मुंबई हवाई अड्डा समेत कई योजनाओं का किया उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दो दिन के दौरे पर मुंबई पहुंचे। मोदी ने यहां नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले फेज का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, जीएसटी रिफॉर्म और विकसित भारत पर बात की। साथ ही कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2008 में आतंकियों ने मुंबई शहर को बड़े हमले के लिए चुना। अब तब की कांग्रेस सरकार ने कमजोरी का संदेश दिया। आतंकियों के सामने घुटने टेके। कांग्रेस बताये किसके दबाव में 2008 में कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस को बताना होगा कि वह कौन था जिसने विदेशी दबाव में फैसला लिया और मुंबई व देश की भावना से खिलवाड़ किया। उन्होंने कहा कि हमारे लिए देश और देशवासियों की सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। आज का भारत दमदार जवाब देता है, घर में घुसकर मारता है। यह ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने देखा है।

दरअसल, प्रधानमंत्री 30 सितंबर को मनमोहन सरकार में गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम के बयान का जिक्र कर रहे थे। चिदंबरम ने कहा था कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के बाद उनके मन में भी बदला लेने का विचार आया था, लेकिन उस वक्त की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया। प्रधानमंत्री ने बगैर उनका नाम लिये कांग्रेस पर निशाना साधा।

गरीबों का सशक्तीकरण आज देश की प्राथमिकता: प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब हो, मिडिल क्लास हो, इनका सशक्तीकरण आज देश की प्राथमिकता है। इन परिवारों को सुविधा-सम्मान देना उनका सामर्थ्य बढ़ाता है। जीएसटी रिफॉर्म से जो चीजें सस्ती हुईं, उससे भी देश का सामर्थ्य बढ़ा है। बाजार के आंकड़े बताते हैं, इस बार नवरात्रि में बिक्री के कई साल के रिकॉर्ड टूटे। मेरा आग्रह है कि गर्व से कहो हम स्वदेशी हैं, स्वदेशी को अपनायें। हर घर-बाजार का यही मंत्र होना चाहिये।

महाराष्ट्र के किसानों को मिलेगा इंटरनेशनल मार्केट

मोदी ने कहा कि नवी मुंबई एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में विकसित भारत की झलक है। कमल के फूल जैसा आकार है। यानी संस्कृति का प्रतीक है। महाराष्ट्र के किसान यूरोप से जुड़ जायेंगे। जिससे उनकी उपज इंटरनेशनल मार्केट में पहुंचेगी। निवेश बढ़ेगा, नये उद्योग और कारखाने लगेंगे। जब सपने को सिद्ध करने का संकल्प और इच्छा शक्ति हो तो नतीजे भी मिलते हैं।

केमिस्ट्री का नोबेल जापान अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों को

स्टॉकहोम। इस साल केमिस्ट्री का नोबेल पुरस्कार सुसुमु कितागावा (जापान), रिचर्ड रॉबसन (ऑस्ट्रेलिया) और उमर एम. याघी (अमेरिका) को मिला है। बुधवार को इसका ऐलान किया। इन्होंने ऐसे एटम बनाये हैं, जिनमें बड़े-बड़े खाली हिस्से होते हैं, जिनसे गैस और अन्य रासायनिक पदार्थ आसानी से गुजर सकते हैं।

पाकिस्तान को चार दिन में धूल चटायी: वायुसेना प्रमुख

- वायुसेना दिवस पर हिंडन एयरबेस पर हुआ कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय वायुसेना का 93वां वायुसेना दिवस गाजियाबाद के हिंडन स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर मनाया गया। इस मौके पर एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने शत्रु पर सिर्फ चार दिनों में विजय प्राप्त की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारा प्रदर्शन, हमें पेशेवर गौरव से भर देता है। ऑपरेशन सिंदूर इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि सावधानी के साथ योजना बनाकर, अनुशासन के साथ ट्रेनिंग और दृढ़ निश्चय के साथ क्या हासिल किया जा सकता है। स्वदेशी हथियारों ने दुश्मन के इलाके में अंदर तक सटीक प्रहार किये। इससे पहले वायुसेना के विमानों ने शानदार करतब दिखाये। विमानों से तिरंगा लहराया गया। इस साल वायुसेना दिवस की थीम 'सक्षम, सशक्त, आत्मनिर्भर' है। यह दिवस ऑपरेशन सिंधु के वीर योद्धाओं को समर्पित है। इस मौके पर वायुसेना के साहस और शौर्य के लिए 97 वीरता पुरस्कार प्रदान किये गये।

पीएम ने भी वायुसेना दिवस की बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायुसेना दिवस की बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि वायुसेना के सभी वॉरियर्स और उनके परिवारों को एयरफोर्स डे की बहुत बधाई। भारतीय वायुसेना अपनी बहादुरी, अनुशासन और सटीकता के लिए जानी जाती है। वायुसेना आसमान में सुरक्षा में अहम भूमिका अदा करती है। प्राकृतिक आपदाओं में भी उनका अहम रोल होता है। उनकी प्रतिबद्धता, पेशेवर अंदाज और अदम्य साहस पर भारतीयों को गर्व है।

न्यूज रील्स

सुप्रीम कोर्ट बोला, यूएन भारत में शोरूम खोल कर सर्टिफिकेट बांट रहा

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) की ओर से भारत में प्रवासियों को शरणार्थी कार्ड जारी करने पर आपत्ति जतायी। जस्टिस सूर्य कांत ने कहा कि यूएनएचसीआर ने यहां एक शोरूम खोल रखा है और सर्टिफिकेट बांट रहा है। सुप्रीम कोर्ट 2013 से भारत में रह रहे सूडान के एक व्यक्ति की हिरासत से बचने के लिए अंतरिम संरक्षण की याचिका सुन रहा था। व्यक्ति का दावा है कि उसकी पत्नी और दो बच्चे हैं, जिन्हें यूएनएचसीआर ने शरणार्थी कार्ड जारी किया है। वह ऑस्ट्रेलिया में शरण चाहते हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि शरणार्थी कार्ड पाने वाले लोगों को विदेशों रजिस्ट्रेशन कार्यालय और मानवाधिकार मंत्रालय अलग तरीके से देखते हैं। कार्ड पाने की प्रक्रिया सालों तक चलती है और इसमें जांच होती है। इस पर न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि वे इस पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहते, लेकिन यह एक गंभीर मामला है। कोर्ट ने याचिका खारिज की और कहा कि व्यक्ति को ऑस्ट्रेलिया जाने का प्रयास करना चाहिये और उन्होंने याचिकाकर्ता को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से अतिरिक्त सुरक्षा के आदेश लेने की अनुमति दी।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

झारखंड कांग्रेस में फिर सुलगी असंतोष की आग

■ बिना सदस्य बने ही कई लोगों को बनाया गया पार्टी का जिला अध्यक्ष
■ जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद कई जिलों में बगावत की स्थिति
■ कम होने का नाम नहीं ले रहा है कोडरमा से शुरू हुआ विवाद

आजाद सिपाही विशेष

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस की झारखंड इकाई एक बार फिर विवादों में फंस गयी है। झारखंड के कांग्रेस के भीतर बगावत की नयी आग सुलग उठी है। यह आग जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के कारण सुलगी है। पार्टी ने तीन दिन पहले झारखंड के 25 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी की गयी सूची में 20 जिलों में नये चेहरों को जिला अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि पांच जिलों में पुराने अध्यक्षों को ही रिपीट किया गया है। कांग्रेस आलाकमान द्वारा सूची जारी करने के बाद हंगामा मच गया है। पार्टी की कोडरमा, देवघर, धनबाद, हजारीबाग और लातेहार इकाइयों में बगावत खुल कर सामने आ गयी है। कहीं कांग्रेसी इस्तीफा दे रहे हैं, तो कहीं आत्मदाह करने तक की चेतावनी दी गयी है। अंतर्कलह और नाराजगी का आलम यह है कि प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष तक की बात लोग नहीं सुन रहे हैं। इतना ही नहीं, कई पुराने कांग्रेसी तो पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ राहुल गांधी तक की सांगठनिक क्षमता पर अंगुली उठाने लगे हैं। चुनावी नजरिये से झारखंड में कांग्रेस की स्थिति सुधर रही है, लेकिन इस नयी बगावत ने उसकी संभावनाओं पर सवालिया निशान लगा दिया है। पार्टी के भीतर सवाल खड़े किये जा रहे हैं। इसका सीधा असर पार्टी के समर्पित नेताओं-कार्यकर्ताओं पर पड़ रहा है। क्या है झारखंड कांग्रेस का नया विवाद और क्या हो सकता है इसका असर, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के संपादक राकेश सिंह।**

राकेश सिंह
संपादक

झारखंड कांग्रेस अपने संगठन विस्तार के पहले चरण में ही अंतर्कलह में फंस गयी है। कांग्रेस के सभी 25 सांगठनिक जिला अध्यक्षों की सूची जारी होने के बाद पार्टी अंतर्कलह से जूझ रही है। दरअसल पार्टी आलाकमान ने जब जिला अध्यक्षों की सूची जारी की, तो इसमें कई त्रुटियां देखने को मिलीं। विपक्ष के साथ पार्टी के लोग भी आलाकमान पर आरोप लगा रहे हैं कि पार्टी ने अयोग्य व्यक्ति को जिला अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। ऐसे में अब कई जिलों के जिलाध्यक्षों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जो सदस्य भी नहीं, वे बन गये जिला अध्यक्ष

कांग्रेस ने कई ऐसे जिला अध्यक्षों को नियुक्त किया है, जो हाल ही में पार्टी में जुड़े हैं या उन्होंने पार्टी की सदस्यता तक नहीं ली है। कोडरमा, देवघर, लातेहार, चतरा ऐसे जिले हैं, जिनके जिला अध्यक्षों पर आरोप हैं कि वे हाल के दिनों में ही पार्टी में आये हैं या सदस्य भी नहीं हैं। कोडरमा में कई कार्यकर्ताओं ने इन्हें स्लीपर सेल बताया है।

कोडरमा से शुरू हुई बगावत

झारखंड कांग्रेस में बगावत का सिलसिला कोडरमा से शुरू हुआ। वहां प्रकाश रजक को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। रजक की नियुक्ति के बाद पार्टी की पारदर्शिता की नीति पर सवाल उठने लगे हैं। कई कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पार्टी वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा देती है, लेकिन अब उसी स्थान पर वोट की प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई। आरोप है कि एक विधायक और कुछ कांग्रेसियों की मिलीभगत से आलाकमान को गुमराह करके छह महीने पहले कांग्रेस में शामिल हुए प्रकाश रजक को जिला अध्यक्ष बना दिया गया।

देवघर में भी अंतर्कलह

संथाल की राजनीतिक भूमि देवघर में तो कांग्रेस की हालत सियासी रस्साकशी का रूप ले चुकी है। जिला में मुकुंद दास के नये कांग्रेस जिलाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण करते ही पार्टी के भीतर मौन विद्रोह की बू आने लगी है। पार्टी के पुराने नेता और कार्यकर्ता नियुक्ति की पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं। दूसरी ओर पूर्व जिलाध्यक्ष के समर्थक मानते हैं कि मुकुंद दास की ताजपोशी कांग्रेस आलाकमान का सोच-समझ कर लिया गया निर्णय है। उनका तर्क है कि जो लोग संगठन में अनुशासन से अधिक व्यक्तिगत आकांक्षा को तरजीह देते हैं, वहीं इस फैसले से असंतुष्ट हैं। वहीं कुछ कार्यकर्ता ऑफ कैमरा फुसफुसाते नजर आये कि ये चुनाव निष्पक्ष नहीं, निर्देशित था। दिल्ली की मर्जी चली, देवघर की नहीं।

धनबाद में भी नियुक्ति पर संग्राम

कोयलांचल के केंद्र धनबाद में कांग्रेस जिला अध्यक्ष के रूप में संतोष सिंह की दुबारा ताजपोशी के साथ ही पार्टी में संग्राम शुरू हो गया है। एक ओर जहां समर्थक इसे संगठन को मजबूत करने का कदम बता रहे हैं, वहीं विरोधी धड़ा खुलकर इसके खिलाफ सामने आ गया है। बरवाअड्डा स्थित अपना ढाबा प्रांगण में विरोधी धड़े ने बैठक कर प्रस्ताव पारित किया और पार्टी हाइकमान को अपनी नाराजगी से अवगत कराने की बात कही। धनबाद प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष पप्पू पासवान की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई प्रखंड और नगर अध्यक्षों सहित दर्जनों पदाधिकारी मौजूद रहे। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि नवमनोनीत जिलाध्यक्ष संतोष सिंह अतीत में भाजपा के साथ मिलीभगत कर चुके हैं और लोकसभा और विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों को हराने का काम किया है। कार्यकर्ताओं का कहना था कि ऐसे नेता को दोबारा जिलाध्यक्ष बनाना पार्टी के लिए आत्मघाती साबित होगा। बैठक में कई नेताओं ने कहा कि संतोष सिंह धनबाद में भाजपा का स्लीपर सेल बनकर काम करते रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने न केवल प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी से सीधे मुलाकात करने का निर्णय लिया, बल्कि बड़ी संख्या में दिल्ली जाकर पार्टी मुख्यालय के बाहर सत्याग्रह करने की भी योजना बनायी है। नेताओं ने कहा कि धनबाद को प्रयोगशाला बना दिया गया है, जिसे कार्यकर्ता अब बर्दाश्त नहीं करेंगे।

हजारीबाग में कांग्रेसियों ने दी आत्मदाह की चेतावनी

इधर हजारीबाग के एक दर्जन से अधिक कांग्रेसियों ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर करते हुए राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर जेपी पटेल को जिला अध्यक्ष बनाने का विरोध किया है और इस फैसले को बदलने का आग्रह किया है। उन्होंने ऐसा नहीं होने की स्थिति में आत्मदाह करने तक की बात कही है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि जिला अध्यक्ष को लेकर जो नियम बनाये गये थे, हजारीबाग में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने उसे तोड़ दिया है। नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा से आकर एक नेता सांसद का चुनाव भी लड़े और विधायक का भी। इसके बाद जिलाध्यक्ष के लिए शुरू हुई कार्रवाई में भी इन्हें ही बिना आवेदन किये जिला अध्यक्ष बना दिया गया है। नेताओं ने लिखा है कि उन्हें ऐसा निर्णय मंजूर नहीं है।

लातेहार कांग्रेस में भी असंतोष

लातेहार में कामेश्वर यादव को जिला अध्यक्ष बनाया गया है, लेकिन यह फैसला नक्सली पृष्ठभूमि, जातिगत असंतुलन और विवादित नियुक्तियों को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी चर्चा का विषय बन गयी है। कामेश्वर यादव मनिका थाना कांड संख्या 07/2009 के नामजद अभियुक्त रह चुके हैं। इस घटना के बाद उन पर नक्सलियों से संपर्क और सहयोग करने के गंभीर आरोप लगे थे। अब उसी व्यक्ति का कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल में जिला अध्यक्ष बनना, संगठन की नीति और दिशा पर कई प्रश्न खड़े कर रहा है।

अंदरूनी कलह और कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी

कांग्रेस के अंदरखाने कलह के बीच कई जिलों में कार्यकर्ताओं ने नाराज होकर पार्टी भी छोड़ दी है, जिनमें रामगढ़ जैसे जिले भी शामिल हैं। वहीं कोडरमा में पार्टी की बैठक में कार्यकर्ताओं का विरोध भी देखने को मिला। इस विरोध पर झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता कमल ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस एक बड़ी पार्टी है। अगर पार्टी के अंदर कोई नाराजगी हो रही है, तो पार्टी इस पर ध्यान देगी और पहल कर अच्छे लोगों को रखा जायेगा। बहरहाल अब देखना होगा कि कांग्रेस अपनी अंतर्कलह से कैसे निकलती है और पार्टी के बीच सब कुछ कैसे सामान्य कर पाती है।

विवादित बयानों में फंसे प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी

दूसरी ओर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि आलाकमान का निर्णय सर्वमान्य है। अगर इन चीजों में कुछ त्रुटि हुई है, तो पार्टी इसमें सुधार करेगी। वहीं कांग्रेस के सह प्रभारी श्रीबेला प्रसाद ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य इस पूरी प्रक्रिया में पर्यवेक्षक थे और सभी के सुझाव लेने के बाद ही ये नियुक्तियां हुई हैं। जब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने नियुक्ति की है, तो ऐसे प्रश्न नहीं उठने चाहिए। हालांकि पार्टी बिना सदस्यता वाले लोगों को अध्यक्ष बनाये जाने के मामलों की जांच की है और वहां सुधार करने के उपायों पर चर्चा कर रही है।

एमएलए बनने के लिए कितना गिरोगी ज्योति : पवन सिंह

ज्योति के पिता लखनऊ आये, कहा- मेरी बेटी को विधायक बना दो, उसके बाद छोड़ना है, तो छोड़ देना : पवन सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ। पवन सिंह और ज्योति सिंह विवाद के बाद पहली बार पवन सिंह सामने आये हैं। पवन सिंह ने कहा है कि, 'फैमिली की जो भी बात होती है कमरे में होती है कैमरे पर नहीं। मैं यह कहना चाहता हूं ज्योति जी ये अपनापन चुनाव से 6 या 4 महीने पहले क्यों नहीं दिखा। ये चुनाव से 1 महीने पहले ही क्यों दिखा। विधायक बनने के लिए आप कितना गिर सकती हो'। एक्टर ने कहा कि, मुझे गाड़ी में फोन आया कि घर पर ऐसे-ऐसे हो गया है। मैंने ज्योति का ड्रामा लाइव भी देखा। मैंने धनंजय से कहा कि देख लेना मैडम को कोई दिक्कत ना हो। मैं रातभर गाड़ी में सोता रहा। मैडम जब जाने लगीं तो धनंजय उन्हें छोड़ने गये। पवन सिंह ने कहा कि, 'ज्योति जी के पिता जी रामबाबू लखनऊ आये। उन्होंने मुझसे कहा कि मेरी बेटी को विधायक बना दो उसके बाद छोड़ना है तो छोड़ देना। मैंने उन्हें मना कर दिया। मैंने कहा मैं ये नहीं कर सकता हूं। उन्होंने कहा कि हमारा मामला कोर्ट में 3-4 साल से चल रहा है। आज ही अपनापन क्यों दिखा?... ये कौन सा अपनापन है, इसे हम राजनीति ही बोल सकते हैं कि मुझे परेशान करना है।

पवन सिंह को मिली वाई कैटेगरी सुरक्षा

भोजपुरी एक्टर पवन सिंह पहले 'राइज एंड फॉल' और अब अपनी दूसरी पत्नी ज्योति सिंह के कारण सुर्खियों में छाए हुए हैं। बीते कुछ दिनों से चल रहे हंगामे के बीच अब उन्हें वाई कैटगरी की सुरक्षा मुहैया करायी गयी है। अब उनके साथ हमेशा 11 सीआरपीएफ जवान तैनात रहेंगे। दरअसल, बीते दिनों उनकी पत्नी ज्योति सिंह, पवन सिंह से मिलने लखनऊ फ्लैट पर पहुंची थीं, जहां पर हाईवोल्टेज ड्रामा हुआ था। वहां पत्नी फूट-फूटकर रोई थीं। उन्होंने पवन सिंह पर कई आरोप लगाये थे। कहा था कि उन्हें घर में जाने नहीं दिया जा रहा है और उनके लिए पुलिस बुलवायी गयी है। साथ ही उन्होंने एक्टर पर और भी कई गंभीर आरोप लगाये थे। ज्योति सिंह ने इसका पूरा वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था।

पवन सिंह को सुरक्षा मिल गयी और मेरी सुरक्षा का क्या: ज्योति सिंह

पवन सिंह और ज्योति सिंह के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। बुधवार को ज्योति सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पवन सिंह के आरोपों पर जवाब दिया है। साथ ही पवन सिंह के दो बड़े झूठ भी गिनाये और पावर स्टार पर गंभीर आरोप भी लगाये। ज्योति ने कहा, 'पवन सिंह कहते हैं कि मैं बच्चे के लिए तरस रहा हूं। मैं पूछना चाहती हूं कि बच्चा चाहिए था तो मुझे दवा क्यों खिलाते थे। वो मुझे दवा देते थे तो मैं उन्हें टोकती थी। वो मुझे टॉर्चर करते थे। मैं एक बार इतनी परेशान हो गयी थी कि नींद की ज्यादा गोलियां खाकर सुसाइड की कोशिश की थी।' ज्योति ने ये भी कहा, 'मैं पीएम मोदी, सीएम योगी, अमित शाह से हाथ जोड़कर अनुरोध करती हूं। पवन जी को सुरक्षा मिल गयी और मेरी सुरक्षा का क्या। पवन सिंह के फैंस लगातार मुझे धमकियां दे रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था। हाथ जोड़कर कहती हूं मोदी जी मेरा सिंदूर भी बचा लें।'

मांझी-चिराग का प्रेशर पॉलिटिक्स कितना कारगर : एनडीए में 'अपनी डफली और अपना राग' का सिलसिला काव्यात्मक अंदाज में शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए में अपनी डफली और अपना राग का सिलसिला काव्यात्मक अंदाज में शुरू हुआ है। इसके सूत्रधार बने हैं। लोजपा आर के मुखिया चिराग पासवान और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा नेता जीतन राम मांझी। दोनों नेताओं ने अपने अपने भावुक और काव्यात्मक अंदाज का सहारा लेते हुए रहस्यमय ढंग से अपनी बात रखी है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बुधवार को भाजपा के साथ सीट बंटवारे को लेकर चल रही खींचतान के बीच एक पिता की बातों का हवाला देते हुए पोस्ट किया। इसे सीधे तौर पर बिहार विधानसभा चुनावों के लिए सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सीट समझौते की घोषणा में कथित तौर पर देरी से जोड़कर देखा जा रहा है।

पापा हमेशा कहा करते थे 'जुर्म करो मत, जुर्म सहो मत': चिराग

हालांकि, चिराग ने भाजपा के साथ मतभेद के दावों पर कई सवालों का जवाब देने से परहेज किया है, लेकिन उन्होंने लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के संस्थापक और अपने दिवंगत पिता रामविलास पासवान को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते हुए एक दिलचस्प कैप्शन पोस्ट किया। लोजपा (रामविलास) प्रमुख ने एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में कहा कि पापा हमेशा कहा करते थे कि जुर्म करो मत, जुर्म सहो मत। जीना है तो मरना सीखो, कदम-कदम पर लड़ना सीखो। चिराग ने पटना हवाई अड्डे पर मीडियाकर्मियों को दिये अपने जवाब से इन अफवाहों को और हवा दे दी। उन्होंने कहा कि एनडीए में सीटों के बंटवारे पर बातचीत अभी शुरूआती दौर में है और सही समय पर जानकारी साझा की जायेगी।

सीट बंटवारे पर खींचतान

एनडीए, जिसने अभी तक बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए सीट बंटवारे और उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, पटना में लगातार मंथन कर रहा है। कथित तौर पर, भाजपा और जदयू दोनों 103-103 सीटों पर चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) 15 से 18 सीटों की मांग कर रही है, जबकि भाजपा कथित तौर पर केवल 7 से 8 सीटें ही देने को तैयार है। चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास पासवान) ने 40 से 50 सीटें मांगी हैं, लेकिन भाजपा का प्रस्ताव लगभग 20 सीटों का है। मंगलवार को, भाजपा के बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने विभिन्न सहयोगी दलों की प्रतिस्पर्धी मांगों के बीच एनडीए के सीटों के हिस्से पर चिराग के साथ बातचीत की। सूत्रों के अनुसार, एक निश्चित संख्या में सीटों की मांग के अलावा, पासवान की पार्टी अपनी संभावनाओं के अनुकूल माने जाने वाले निर्वाचन क्षेत्रों में भी रुचि रखती है। उसने 2024 में जीती गयी पांच लोकसभा सीटों में से प्रत्येक में दो विधानसभा सीटों का अनुरोध किया है। बिहार में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच, एनडीए के भीतर राजनीतिक तनाव उभरने लगा है।

अपमानित महसूस कर रहा हूं: मांझी

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि वह अपमानित महसूस कर रहे हैं क्योंकि उनके लोगों की लंबे समय से उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर उनकी पार्टी को कम से कम 15 सीटें नहीं मिलीं, तो वह आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। मांझी ने कहा कि अगर हमें 15 सीटें नहीं मिलीं, तो हम चुनाव नहीं लड़ेंगे। मैं अपमानित महसूस कर रहा हूं, और हमारे लोगों की उपेक्षा की गयी है। हमने हमेशा एनडीए का समर्थन किया है। यह सुनिश्चित करना उनका कर्तव्य है कि हमारा सम्मान हो। मांझी ने एक्स पर प्रतीकात्मक संदेश भी पोस्ट किया। हो न्याय अगर तो आधा दो, अगर उसमें भी कोई बाधा हो, दो दे दो केवल 15 ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम, हम वही खुशी से खायेंगे, परिवार पे आसी ना उठायेंगे। इस पोस्ट के जरिये, मांझी यह संकेत दे रहे हैं कि थोड़ा सा भी न्याय, या राजनीतिक रूप से कहें तो, सीटों का मामूली हिस्सा भी उनकी पार्टी को सहजता से स्वीकार हो जायेगा। हालांकि, वे यह भी चेतावनी देते हैं कि निष्पक्षता उनके समर्थकों या समुदाय को नुकसान पहुंचाने की कीमत पर नहीं आनी चाहिए।

हम केवल मान्यता प्राप्त सीटों की मांग कर रहे हैं

बाद में एक बयान में, जीतन राम मांझी ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि सीटों के बंटवारे को लेकर हमारी तरफ से कोई विवाद नहीं है। हम केवल मान्यता प्राप्त सीटों की मांग कर रहे हैं ताकि हमारी पार्टी को विधानसभा में आधिकारिक दर्जा मिल सके। अगर हम एक भी सीट पर चुनाव नहीं भी लड़ते हैं, तो भी हम एनडीए के साथ बने रहेंगे। मांझी और पासवान के बीच कविता का आदान-प्रदान सोशल मीडिया के नाटकों से कहीं आगे जाता है। दोनों नेता एनडीए के भीतर दलित-केंद्रित दलों के प्रमुख हैं, और दोनों अपनी सौदेबाजी की ताकत बढ़ाने की होड़ में हैं। मांझी का बयान ऐसे नाजुक समय पर आया है, जब एनडीए के बिहार सहयोगी नामांकन से पहले सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने की कोशिश में लगे हैं। सियासी जानकार मानते हैं कि दोनों दलित नेताओं की ऐसी काव्यात्मक मांग से स्वाभाविक है कि अमित शाह और धर्मेंद्र प्रधान जैसे नेता खुश तो नहीं ही होंगे!

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.9 °c	21.4 °c
सूर्यास्त (आज) :		17.30 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.43 बजे

आज से जेसोवा का दिवाली मेला गुलजार रहेगा मोरहाबादी मैदान

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे मेले का उद्घाटन

- सुनहरी परंपराओं के 25वें साल का जश्न मनायेगा जेसोवा
- हर शाम अलग रंग के होंगे मनोरंजक कार्यक्रम
- बच्चों के बेबी शो और फैशन शो की बात ही क्या
- कला, संस्कृति और खरीदारी का बेजोड़ संगम होगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मोरहाबादी मैदान गुरुवार से आइएएस ऑफिसर्स वाइब्स एसोसिएशन जेसोवा के दिवाली मेले से गुलजार रहेगा। बतौर मुख्य अतिथि सीएम हेमंत सोरेन मेले का उद्घाटन करेंगे। साथ ही जेसोवा के 25वें साल का जश्न भी शुरू हो जायेगा। फिजा में परंपरागत स्वाद, कला और संस्कृति से झारखंडी माटी की खुशबू बिखरेगी। मेले के हजार रंग सब के मन भायेगा। साज-सज्जा और खाने पीने के साथ मनोरंजक और शिक्षाप्रद कार्यक्रमों के क्या कहने। रोबोटिक्स स्टॉलों का अलग ही आकर्षण रहेगा। राजधानी की गलियों के स्वाद, राज्य के हर कोने के अनोखे व्यंजन और प्रसिद्ध रेनाउंड रेस्टोरेंट्स के डिशेज स्वाद बिखेरने को तैयार है। कुकिंग करने वाली प्रतिभाशाली महिलाओं को भी मंच देने की अच्छी पहल की गयी है। मेले में बेहतरीन होम डेकोर आइटम्स से लेकर फर्नीचर तक मिलेगा। नृत्य-गीत के रंगारंग कार्यक्रम तो होंगे ही, बच्चों के बेबी शो और फैशन शो सहित विविध प्रतियोगिताएं 11 अक्तूबर दिन के 12 बजे से होगी। स्वाद, संस्कृति, शॉपिंग के आनंद मेले में देर शाम तक छाया रहेगा।

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की सकारात्मक पहल : एसोसिएशन

जेसोवा दिवाली मेला सिर्फ एक मेला नहीं है, बल्कि झारखंड की आत्मा, परंपरा और गौरव का उत्सव भी है। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में सकारात्मक पहल है। यह एक पहल है आर्थिक सशक्तिकरण की, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाने की और समाज को आगे बढ़ाने की दिशा में बढ़ता कदम है।

मेले के होंगे रंग हजार : जेसोवा के दिवाली मेले के रंग हजार होंगे। झारखंड के बेहतरीन हैंडलूम आइटम्स, देश के अलग-अलग राज्यों के बेहतरीन पोशाक जैसे बनारसी सिल्क, कश्मीरी साड़ियां से लेकर लखनऊ की चिकनकारी सहित आभूषण मन मोहेगा। घर साज-सज्जा के डेकोरेशन प्रोडक्ट्स के तो क्या ही कहने, और भी बहुत कुछ मिलेगा मोरहाबादी मैदान में।

विभागों के स्टालों पर मिलेगी जानकारी : मेले में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के भी स्टाल लगाये जा रहे हैं, जहां राज्य सरकार की ओर से आम लोगों के लिए चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। साथ ही लाभुक इन योजनाओं से किस प्रकार जुड़ सकते हैं, इससे भी उन्हें अवगत कराया जायेगा। सरकारी बैंकों के स्टॉल भी रहेंगे। जहां बैंकों की ओर से दिये जा रहे विभिन्न प्रकार के लोन आदि के बारे में जानकारी दी जायेगी।

छोटू राम का आरोप, विशेष समुदाय के लोग कर रहे उसकी जमीन पर कब्जा

दलित हिंदुओं को अब अपनी जमीन भी नसीब नहीं हो रही : अमर कुमार बाउरी

- पीड़ित परिवार से मुलाकात के समय कब्जा कर रहे लोगों ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष के साथ की बहस
- मौके पर पुलिस ने बीच-बचाव कर मामले को सुलझाने की कोशिश की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बुधवार को भाजपा नेता अमर कुमार बाउरी, छोटू राम से मिलने कांटा टोली स्थित चांदनी मैदान पहुंचे। वहां उन्होंने छोटू राम से मुलाकात की। बाउरी ने कहा कि झारखंड के दलित हिंदुओं को अब अपनी जमीन भी नसीब नहीं हो पा रही है, क्योंकि खुद को अल्पसंख्यक कहने वाले मुस्लिम अब झारखंड में लैंड जिहाद के माध्यम से दलितों की जमीन लूट रहे हैं। उनका कहना है कि अब तो राजधानी रांची भी इससे अछूता नहीं है। इस दौरान मौके पर जब पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी चांदनी मैदान पहुंचे तो 28 सितंबर को जबरन कब्जा कर छोटू राम की जमीन पर जेसीबी चलाने वाले लोगों ने बहस की। अमर बाउरी ने कहा कि छोटू राम के परिवार पर नजर रखने के लिए, दबंगों ने उनके घर पर सीसीटीवी कैमरा लगवा दिया और उनकी निजता को खत्म कर दिया है। कहा कि खुद को जमीन का नया मालिक बताने वाला झारखंड पुलिस में कार्यरत है और

अपने ताकत के बल पर जबरदस्ती कब्जा कर रखा है। अमर कुमार बाउरी जब पीड़ित परिवार से मिले तो, छोटू राम और परिवारवालों ने सारी बातें विस्तार से बतायीं। उन्होंने बताया कि वे लोग यहां कई वर्षों से रह रहे हैं। लेकिन वक्त के साथ कई दलित हिंदुओं ने यहां से पलायन कर लिया है। अब वे एकमात्र दलित परिवार बच गये हैं। लेकिन अब दबंग उनके परिवार को धमकी दे रहे हैं और जबरदस्ती उसकी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। बाउरी ने कहा कि मेरे और पुलिस प्रशासन के समक्ष ही दबंग छोटू राम पर दबाव बना रहे थे। जब कि छोटू राम अपनी बातों पर अडिग रहे। वहीं पुलिस प्रशासन ने दोनों पक्षों को समझा बुझाकर कर मामले को शांत करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि यह पूरा मामला जांच का विषय है और जब तक पूरे मामले की जांच नहीं हो जाती तब तक जहां किसी प्रकार का कोई भी कार्य न किया जाये। वहीं मौके पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने रांची उपायुक्त से फोन पर बात कर पूरे मामले की जानकारी दी और इस मामले पर त्वरित कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि जामताड़ा का चिरुडीह में दलित को बेघर करने का मामला हो या फिर पलामू के मुरुमातु में महादलित परिवार को घर से बेघर करने का मामला ऐसी कई घटनाएं झारखंड में अब आम हो चुकी हैं। एक तरफ सरकार दलित, वंचित, शोषित का सरकार होने का दावा करती है वहीं दूसरी तरफ लैंड जिहाद मामले पर सरकार के तरफ से कोई बयान या कार्रवाई नहीं की जाती।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

- **मेष** — कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।
- **वृष** — चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।
- **मिथुन** — आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्ययोजनाओं के प्रति रूचि बढ़ेगी।
- **कर्क** — काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।
- **सिंह** — कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।
- **कन्या** — आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।
- **तुला** — समसामयिक प्रयास सफल, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।
- **वृश्चिक** — बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।
- **धनु** — आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।
- **मकर** — नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।
- **कुंभ** — रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।
- **मीन** — किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

बाबूलाल ने झारखंड में प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री पर उठाये सवाल

स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव से जांच की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को प्रधान सचिव स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग को पत्र लिखा है। राज्य में प्रतिबंधित दवाओं और कफ सिरप की अवैध बिक्री के बढ़ते कारोबार को लेकर गंभीर आरोप सामने आये हैं। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग को भेजे गये एक पत्र में झारखंड में औषधि नियंत्रण तंत्र की लापरवाही और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत पर उच्च स्तरीय जांच की मांग की गयी है। पत्र में कहा गया है कि गत वर्ष गुजरात पुलिस की सूचना पर धनबाद के बरवाअड्डा क्षेत्र से प्रतिबंधित कफ सिरप फेंसिडिल का बड़ा भंडारण झारखंड पुलिस ने जब्त किया था। यह सर्वविदित है कि इस सिरप का प्रयोग नशे के रूप में किया जाता है, फिर भी राज्य में इसकी बिक्री जारी रही। मामले की जांच सीआइडी को सौंपी गयी, लेकिन चौदह महीने बीत जाने के बाद भी किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं

की गयी। इसे प्रशासनिक शिथिलता बताया गया है, जो नशे के फैलते जाल को मौन स्वीकृति देती प्रतीत होती है। झारखंड उच्च न्यायालय में लंबित जनहित याचिका अरुण कुमार दुबे बनाम राज्य सरकार में भी आरोप लगाया गया है कि राज्य में नकली और नशीली दवाओं की आपूर्ति सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से की गयी। याचिका में 11 फरवरी 2022 की तीन-सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट का उल्लेख है, जिसमें तत्कालीन संयुक्त निदेशक सुरेंद्र प्रसाद, ड्रग कंट्रोलर ऋतु सहाय और विशेष सचिव चंद्र किशोर उरांव के नाम शामिल हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि एमएस विश्वनाथ फार्मास्यूटिकल पर छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने जानबूझकर अवरोध उत्पन्न किया और कार्रवाई में विलंब किया, जिससे लगभग 1.5 करोड़ रुपये मूल्य की नकली कोडीन आधारित सिरप में से 1 करोड़ रुपये की दवाएं लखनऊ और वाराणसी के बाजारों में बेची जा चुकी थी। यह रिपोर्ट तीन वर्षों से विभागीय अभिलेखों में दबायी गयी है और उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिन अधिकारियों पर मिलीभगत का संदेह है, उनमें से एक को हाल ही में प्रोन्नति दी गयी है। इसे प्रशासनिक शुचिता और जवाबदेही के सिद्धांतों के विपरीत बताया गया है।

इस पूरे प्रकरण में मांग की गयी है कि 11 फरवरी 2022 की जांच समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाये, उसकी अनुशंसाओं पर तत्काल कार्रवाई हो और मामले की जांच इडी एवं एसीबी जैसी एजेंसियों से करवाई जाये साथ ही ड्रग कंट्रोलर कार्यालय का स्वतंत्र ऑडिट करने और संदिग्ध अधिकारियों को जांच पूरी होने तक जिम्मेदारी से मुक्त करने की सिफारिश की गयी है। पत्र में कहा गया है कि प्रतिबंधित और नशीली दवाओं का अवैध व्यापार अब राज्य की सीमाओं से आगे बढ़कर अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का रूप ले चुका है। यह न केवल जनस्वास्थ्य बल्कि युवाओं के भविष्य के लिए भी गंभीर खतरा है। पत्र में सरकार से आग्रह किया गया है कि वह इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पारदर्शी और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करें तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें।

कोलकाता पुलिस ने 2.5 करोड़ की ठगी करने वाले शातिर को जामताड़ा से किया गिरफ्तार

साइबर अपराधियों की बंधन बैंक के अधिकारी करते थे मदद

आजाद सिपाही संवाददाता

जामताड़ा। कोलकाता साइबर पुलिस ने मंगलवार देर शाम जामताड़ा जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के नामूपाड़ा मोहल्ले से 2.5 करोड़ की साइबर ठगी के मामले में गिरोह के एक शातिर को दबोचा है। कोलकाता पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी मुरारी मंडल है और इस ठगी के मामले में उसके साथ कई अन्य अपराधी शामिल हैं।

कोलकाता साइबर अपराध शाखा के इंस्पेक्टर गौतम सरकार ने बताया कि इस गैंग ने सुनियोजित तरीके से ठगी के इस धंधे में बंधन बैंक के पांच अधिकारियों को शामिल कर कई खाताधारकों को ब्योरा हासिल कर तकरीबन 2.5 करोड़ रुपये की ठगी की है। इन पैसों का ट्रांजेक्शन इन अपराधियों ने अलग-अलग 97 बैंक खातों के जरिए की है। गैंग में कई लोग शामिल हैं, गैंग का मुख्य सरगना समीर बताया जा

रहा है, जोकि अब तक पुलिस की पहुंच से दूर है। कोलकाता पुलिस मुरारी को गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर बुधवार को अपने साथ कोलकाता ले गयी।

इंस्पेक्टर गौतम सरकार ने बताया कि इसी साल 23 जुलाई को कोलकाता स्थित बंधन बैंक मेन ब्रांच के अधिकारी बसंत बंदानी की शिकायत पर यह मामला बिधान नगर थाने में दर्ज किया गया था। जांच के दौरान इन शातिरों द्वारा बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से ठगी की बात सामने आयी थी। जामताड़ा के बंधन बैंक का अधिकारी शुभम कुमार 2.5 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी मामलों में शामिल था। शुभम समेत झारखंड के अलग-अलग जिलों के बंधन बैंक से जुड़े पांच बैंक अधिकारी इसमें शामिल थे। शुभम कुमार समेत इन पांचों के खिलाफ कोलकाता के बिधान नगर साइबर थाने में इनके खिलाफ केस नंबर 8425 दर्ज किया गया।

कोलकाता साइबर पुलिस ने 11 अगस्त को शुभम को जामताड़ा से ट्रांजिट रिमांड पर लिया और जब सभी आरोपी से पूछताछ शुरू हुई तो कई सनसनीखेज खुलासे हुए। पश्चिम बंगाल साइबर अपराध शाखा ने कोलकाता स्थित निजी क्षेत्र के बंधन बैंक के पांच वरिष्ठ अधिकारियों को ग्राहकों की जानकारी भारी रकम के बदले साइबर ठगी जालसाजों को बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तार किये गये लोगों में झारखंड की हजारीबाग शाखा के मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ), जामताड़ा शाखा के सीआरओ, धनबाद की सरायढेला शाखा के सेल्स मैनेजर, कोलकाता की मेटियाब्रुज शाखा के सीआरओ और सेल्स मैनेजर शामिल हैं।

ग्राहकों को बीमा पॉलिसी व फिक्स्ड डिपॉजिट करवाने की बात कह लेते थे डिटेल्स : पुलिस ने दावा किया है कि गिरफ्तार किये गये लोग कोर बैंकिंग सिस्टम से जानकारी इकट्ठा कर साइबर ठगों को मुहैया कराते थे। इसके अलावा ये ग्राहकों को वाट्स-एप, एसएमएस या कॉल करके उनकी केवाइसी अधूरी बताकर और जानकारी मांगते थे।

ग्राहकों को फिक्स्ड डिपॉजिट व बीमा पॉलिसी का लालच दिया जाता था। इस तरह से उन्होंने कई ग्राहकों की गुप्त जानकारी एकत्रित की। साइबर अपराध शाखा को जांच के दौरान एक के बाद एक सनसनीखेज जानकारी मिली। उसके आधार पर शुक्रवार को अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया।

जनसुनवाई के बाद टोकीसूद कोल ब्लॉक 2 के शुरू होने का रास्ता साफ

- जनसुनवाई में ग्रामीणों के सवालों का अधिकारियों ने दिया जवाब
- ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी प्राइवेट लिमिटेड मुंबई करेगी उत्खनन का कार्य

संतोष कुमार

पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातू प्रखंड अंतर्गत ग्राम टोकीसूद के महुआ टोला में ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी प्राइवेट लिमिटेड मुंबई के द्वारा टोकीसूद टू नाम से कोयले की खदान खोली जानी है। इसके लिए बुधवार को टोकीसूद के महुआ टोला में ही पर्यावरणीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता अपर समाहर्ता रामगढ़ गीतांजलि ने की एवं संचालन झारखंड प्रदूषण नियंत्रण परिषद के चंदन कुमार ने की। मौके पर पतरातू सीओ मनोज कुमार चौरसिया, पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, प्रमुख कौशल्या देवी, मुखिया पानो देवी, पंसस अजय

सिंह एवं सुनीता देवी, उप मुखिया उज्वल सिंह, पूर्व मुखिया गंगाधर महतो कोल कंपनी के इडी प्रभात सिन्हा एवं सीइओ रेवती रमण श्रीवास्तव आदि मुख्य रूप से शामिल थे। जनसुनवाई शुरू होने के बाद विभिन्न दलों के नेता विस्थापित ग्रामीणों ने कंपनी खुलने से होने वाले पर्यावरण के नुकसान सहित मुआवजा, नौकरी आदि के समाधान के लिए कंपनी के प्रतिनिधियों से कई प्रश्नों के उत्तर देने के लिए अपील की। सभी प्रश्न समाप्त होने के बाद कोल कंपनी के सीइओ रेवती रमण श्रीवास्तव ने सभी प्रश्नों का संतोषजनक उतर देते कहा कि आसपास के क्षेत्र में खनन के कारण पर्यावरण में प्रभाव नौकरियों के सृजन, परियोजना से विस्थापित होने वाले लोगों को क्या सुविधा दी जायेगी और कंपनी सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को कैसे सुनिश्चित करने की योजना बन रही है। मौके पर राजा राम प्रजापति बंधन गंझू, देवनारायण मुंडा, महेंद्र महतो, हरिदास साव, किशोर महतो, रामेश्वर महतो, रमेश सिंह सहित महुआटोला, नकटीटोला, टेरपा आदि गांव के सैकड़ों लोग शामिल थे। पर्यावरण जनसुनवाई के दौरान पतरातू पुलिस चारों तरफ से सुरक्षा को लेकर जगह-जगह पर चौकस रही। इस दौरान पुलिस इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता सहित सशस्त्र बल मौजूद थे।

स्वास्थ्य विभाग पर प्रतुल शाहदेव का आरोप

टेंडर में जान बूझकर रखी जाती हैं कठिन शर्तें

- जिसके कारण लोकल कंपनिया नहीं ले पातीं भाग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने बुधवार को प्रदेश मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा निकाले गये टेंडर पर बड़ा प्रश्न चिह्न खड़ा करते हुए इसे 50 करोड़ का घोटाला करार दिया।

प्रतुल ने कहा कि सिविल सर्जन सह सीएमओ रांची के कार्यालय के द्वारा नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं अन्य तकनीकी स्टाफ के लिए इ टेंडर संख्या 4374, दिनांक 20 सितंबर, 2025 को निकाला गया। इस टेंडर में ऐसी शर्तों को डाला गया जिससे झारखंड की कोई स्थानीय कंपनी हिस्सा ही नहीं ले पायेगी। प्रतुल ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री आदिवासी

मूलवासी और झारखंडियत की बात करते हैं। लेकिन इस टेंडर के जरिए बिहार की ब्लैकलिस्टेड कंपनी को काम देने का षड्यंत्र किया जा रहा है।

प्रतुल ने कहा कि इससे पूर्व जब इसी सिविल सर्जन के कार्यालय ने 2022 में जब टेंडर निकला था तो उस समय की अर्हता और अभी की अर्हता में लगभग 5 गुण का इजाफा कर दिया गया है। यह सिर्फ बिहार की एक विशेष ब्लैक लिस्टेड कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया। प्रतुल ने कहा कि इसी टेंडर में 2022 में सिक्योरिटी मनी (इएमडी) चार लाख रुपये रखा गया था। इस वर्ष उसे 15 लाख कर दिया गया। 2022 में टेंडर की अर्हता में सिंगल वर्क आर्डर का वैल्यू 3 करोड़ था। 3 वर्षों में इस बार इसे 15 करोड़ कर दिया गया है। इसीआर की कॉपी 300 लोगों की आवश्यकता थी। इस वर्ष इसे 1500 कर दिया गया है। 2022 में निकाले गये टेंडर में पिछले तीन वित्तीय वर्ष का कंपनी का एवरेज टर्नओवर 5 करोड़ होने की आवश्यकता थी। इस बार इसे 5 गुना बढ़कर 25 करोड़ कर दिया गया है। जिस कंपनी को ये टेंडर देने की कोशिश की जा रही है, उसे झारखंड के प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ने डिबार किया है। लेकिन टेंडर में ब्लैकलिस्टेड कॉलम में सिर्फ यह लिखकर डाल दिया गया है कि जिस कंपनी को ब्लैक लिस्ट किया गया है वह एक अंडरटेकिंग देगी।

प्रतुल ने कहा कि इन सारी चीजों से स्पष्ट है कि टेंडर को इस रूप में बनाया गया है कि झारखंड की किसी स्थानीय कंपनी को कोई लाभ न हो। बिहार की एक विवादास्पद ब्लैकलिस्टेड कंपनी को टेंडर देने के लिए अर्हता को बदल गया है क्योंकि यही इन सारी अर्हताओं को पूरा करती है। अब वह कंपनी मनमाने रेट पर टेंडर डालेगी और कमीशन ऊपर से नीचे तक सब जगह बंटेगा। प्रतुल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस पूरे मुद्दे को सरकार और एसीबी के सामने भी ले जायेगी।

राष्ट्रपति के हाथों दिवाकर आनंद हुए सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

चलकुशा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत चौबे जिला हजारीबाग निवासी दिवाकर आनंद को राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार 2022-2023 को देखते हुए न्यू दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मू के हाथों सम्मानित किया गया। दिवाकर आनंद ने डोरंडा कॉलेज रांची में पीजी अर्थशास्त्र विभाग के एन एस एस के कैडेट स्वयंसेवक रहते हुए। ब्लड डोनेशन, बच्चों को मुफ्त में शिक्षा उपलब्ध कराना, नशामुक्त के प्रति लोगों को जागरूक करना पौधरोपण, स्वच्छता अभियान जैसे अन्य कार्यों के प्रतीक कार्य कर चुका है। जिसे देखते हुए सम्मानित किया गया है।

भूमि विवाद को लेकर मारपीट, पति-पत्नी घायल

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के कपका गांव में भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट में पति पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गये। इस बाबत सीताराम मंडल पिता लोचन महतो ग्राम कपका निवासी ने थाना में लिखित आवेदन दिया। आवेदन में लिखा कि मैं और मेरी पत्नी बबीता देवी अपने जमीन पर काम कर रहे थे, इसी दौरान गांव के ही प्रकाश महतो पिता लोचन महतो, प्रेमदीप मंडल, पंकज मंडल दोनों पिता प्रकाश महतो, कैलसा देवी पति प्रकाश महतो, प्रेमदीप की पत्नी अपने हाथों में लाठी और टांगी लेकर आये और बोले जमीन पर काम क्यों कर रहा है। हमने कहा कि मेरा जमीन है उसको बराबर कर रहे हैं। इतने पर उक्त सभी लोगों ने भद्दी-भद्दी गालियां देने लगे और इट फेंक कर मारने लगे। इसी दौरान प्रकाश महतो अपने हाथ में टांगी लिया था उससे मेरे सर पर वार कर दिया और लहुलुहान हो कर गिर पड़ा। इतने में मेरी पत्नी बबीता देवी बचाने पहुंची तो उसे भी टांगी से मारकर लहुलुहान कर दिया। अगल बगल के लोग जब बचाने दौड़े तो प्रेमदीप मंडल ने मेरी पत्नी की गले से सोने का चेन खिंच लिया। आवेदन में लिखा कि प्रेमदीप मंडल ब्राउन शुगर बेचने और साइबर अपराध में लिप्त है। आवेदन मिलने पर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

ग्रिजली पब्लिक स्कूल में महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनायी गयी

कोडरमा (आजाद सिपाही)। गुमो, सतपुलिया स्थित ग्रिजली पब्लिक स्कूल में महर्षि वाल्मीकि की जयंती श्रद्धाभाव के साथ मनायी गयी। शुरुआत विद्यालय की प्राचार्या नीरजा, एकेडमिक कोऑर्डिनेटर साकेंद्र कुमार, सीसीए कोऑर्डिनेटर गुरजीत कौर, सीसीए प्रभारी प्रदीप सुरीन, शिक्षक-शिक्षिकाएं और बच्चों ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिससे महर्षि वाल्मीकि के जीवन और उनके योगदान को नये तरीके से प्रस्तुत किया गया। संचालन पांचवी कक्षा की निरीहा जैन ने किया। पांचवी कक्षा की सुहानी और आठवीं कक्षा की काव्या ने महर्षि वाल्मीकि पर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए कविता पेश की। दोनों छात्राओं ने अपनी कविताओं में महर्षि वाल्मीकि के जीवन, उनके आदर्शों और रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना के बारे में भावपूर्ण शब्दों में व्यक्त किया। आठवीं कक्षा के आरव ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के जरिये बच्चों को महर्षि वाल्मीकि की जीवन के बारे में विस्तार से बताया। उनके प्रेजेंटेशन में महर्षि वाल्मीकि के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं, उनके योगदान और रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना के बारे में जानकारी दी गयी। अभिराज, अभिनव कुमार ने महर्षि वाल्मीकि की भूमिका निभाई और उनके जीवन को नाटकीय रूप में प्रस्तुत किया। उनके रोल प्ले ने दर्शकों को महर्षि वाल्मीकि के जीवन और उनके आदर्शों के बारे में जानने का अवसर प्रदान किया। इसे सफल बनाने में मिडिल सेक्शन के छात्रों और शिक्षकों ने योगदान दिया। इनमें संयोजक साकेंदर कुमार, संयोजिका - गुरजीत कौर, शिक्षक काशीनाथ कुमार, प्रदीप सुरीन, रतन पांडे, सूरज कुमार, चंदन कुमार, अविनाश कुमार, मुकेश कुमार कुशवाहा, मुकेश कुमार साव, दीपक कुमार, रश्मि सूद, चैताली घोष, सोनी गुप्ता, एकेडमिक सहकर्मी रोहित कुमार सिंह और अर्चना सिन्हा आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

केरेडारी में बच्चे एक महीने बाद काली पट्टी लगा कर पहुंचे स्कूल

केरेडारी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय सायल के बच्चे पूरे एक महीने बाद 8 अक्टूबर को दायां हाथ में काली पट्टी बांध कर स्कूल पहुंचे। बच्चे पिछले 10 सितंबर 2025 से लेकर 7 अक्टूबर 2025 तक स्कूल परिसर के जमीन पर अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग को लेकर स्कूल नहीं आ रहे थे। बुधवार को स्कूल के छात्र छात्राओं ने दायां हाथ में काली पट्टी बांध कर सरकार के नियम कानून के विरुद्ध करते हुए स्कूल परिसर में दाखिल हुए। इस दौरान छात्र छात्राओं ने कहा कि प्रार्थना करने और खेलने के लिए ग्राउंड नहीं है। जो भी जमीन है गांव के भू माफिया द्वारा कब्जा कर लिया गया है। जिसका खाता नंबर 78 प्लॉट नंबर 45 है। ग्राम सायल के स्कूल परिसर के जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर स्कूल के छात्र छात्राओं और अभिभावकों द्वारा काफी संघर्ष किया जा रहा है, इस संदर्भ में सायल गांव निवासी रंजीत यादव ने कहा कि छात्र-छात्राओं के खेलने और प्रार्थना करने के लिए स्कूल परिसर का जमीन है उस पर अतिक्रमण कर लिया गया है। स्कूल परिसर के जमीन पर हाईवा वाहन व मोटरसाइकिल खड़ी कर दी जाती है, जबकि यह ग्रामीणों के आवागमन के लिए का सड़क है। उक्त मामले पर रांची उच्च न्यायालय में अर्जी दाखिल की गयी है जिस पर सुनवाई होनी है।

हजारीबाग केंद्रीय कारा में जेलर समेत कई कर्मियों पर गिरी गाज

जेलर और पांच वार्डन निलंबित, छह पूर्व सैनिक कक्षपालों की सेवा समाप्त

सुरक्षा व्यवस्था बढ़ी, हर आने जाने वालों की हो रही जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग सेंट्रल जेल में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल और कार्रवाई करते हुए जेलर दिनेश वर्मा समेत कुल 6 लोगों को निलंबित किया, जबकि छ संविदा पर नियुक्त कक्षपाल को सेवामुक्त किया गया है। जेल से जुड़े एक पूर्व सिपाही अशोक शर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूर्व सिपाही को पुलिस की एक टीम ने बिहार के जहानाबाद से हिरासत में लिया था और उससे देर तक पूछताछ की गयी। इसके अलावा, जेल में अपनी सेवाएं दे रहे छह भूतपूर्व सैनिकों को भी उनकी नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई जेल आइजी के निर्देश पर की गयी है। सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह कदम तब उठाया गया, जब जेल के अंदर से लगातार अनियमितताओं की शिकायतें मिलने लगीं। कार्रवाई के बाद जेल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से हाई अलर्ट मोड पर रखा गया है। अब जेल के अंदर जाने से पहले किसी को भी चाहे अधिकारी हो या कर्मी मोबाइल फोन, हेडफोन या स्मार्टवॉच जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट लेकर प्रवेश की अनुमति नहीं है। प्रवेश द्वार पर प्रशासन ने विशेष कैनोपी बनाकर हर आने-जाने वाले की गहन जांच शुरू कर दी है। जेल प्रशासन ने कैदियों से मिलने आने वाले परिजनों की जांच को लेकर भी सख्ती बढ़ा दी है। अब खाने के टिफिन, कपड़े, दवा या किसी भी वस्तु को जेल में भेजने से पहले पूरी तरह स्कैन और मैनुअल जांच की जा रही है। किसी भी वस्तु के अंदर से मोबाइल या सिम कार्ड जैसी चीज न घुसे, इस पर पूरी चौकसी बरती जा रही है। मोबाइल नेटवर्क जैमर सिस्टम अब पूरी तरह से चालू कर दिया गया है। हालांकि इससे आसपास के इलाकों में मोबाइल नेटवर्क प्रभावित हो रहा है, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से इसे प्राथमिकता दी गयी है। जेल के अंदर अब किसी भी बंदी या कर्मी के मोबाइल इस्तेमाल की संभावना लगभग खत्म कर दी गयी है। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में गिरफ्तार विनय कुमार सिंह, जो निलंबित आइएएस विनय चौबे के करीबी माने जाते हैं, ने जेल के अंदर की अव्यवस्थाओं को लेकर झारखंड सरकार को एसएमएस के जरिए सूचना दी थी। इस खुलासे के बाद पूरे जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। जांच में पाया गया कि कुछ जेल कर्मी बंदियों से सांठगांठ कर उन्हें अनुचित सुविधाएं मुहैया करा रहे थे। जेल आईजी ने मंगलवार को देर शाम बड़ी कार्रवाई करते हुए एक जेलर, तीन उच्च कक्षपाल, दो कक्षपाल को सस्पेंड कर दिया, जबकि संविदा पर कार्यरत छह भूतपूर्व सैनिक कक्षपालों की सेवा समाप्त कर दी गयी। इन सभी पर जेल में अव्यवस्था फैलाने और विशेष बंदियों को सुविधा देने का आरोप है। अब हर गतिविधि पर सीसीटीवी कैमरों से चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने नियंत्रण कक्ष से लेकर बैरक तक हर कोने में निगरानी की व्यवस्था मजबूत कर दी है। उन्होंने कहा सुरक्षा सर्वोपरि है, जेल के अनुशासन में किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होगा। जिन भूतपूर्व सैनिक कक्षपाल का संविदा समाप्त किया गया, उनमें श्याम नंदन सिंह, किशोर कुमार गिरी, पंकज प्रसाद मेहता, मनोज रजवार, संतोष कुमार समेत एक अन्य भूतपूर्व सैनिक कक्षपाल शामिल हैं।

शराब और प्रतिबंधित पान मसाला विक्रेताओं के खिलाफ जांच अभियान

नियमों का उल्लंघन पर दुकानदारों के विरुद्ध हुई कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। आगामी त्योहारों और बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रखते हुए जिले में विधि-व्यवस्था संधारण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश पर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा सघन अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत अवैध रूप से शराब की बिक्री, भंडारण और सेवन कराने वाले होटलों और प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर कड़ी कार्रवाई की गयी। इसके अलावा जिले में प्रतिबंधित पान मसालों की बिक्री पर निगरानी रखते हुए संबंधित दुकानों की जांच की गयी। नियमों का उल्लंघन पाये जाने पर दुकानदारों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गयी है। उपायुक्त ऋतुराज ने स्पष्ट कहा है कि जिले में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने सभी होटल संचालकों, दुकानदारों और आमजनों से अपील किया कि वे प्रशासन को सहयोग करें और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाना या प्रशासन को दें। जिला प्रशासन की ओर से यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित वातावरण में चुनाव प्रक्रिया और त्योहार संपन्न हो सके।

बिरहोर कॉलोनी वार्ड दो का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। झुमरीतिलैया नगर परिषद अंतर्गत वार्ड सं दो स्थित बिरहोर कॉलोनी में वर्षों से मुख्यधारा से वंचित बिरहोर जनजाति और उनके परिवारों के सर्वांगीण विकास को लेकर जिला प्रशासन ठोस पहल कर रहा है। इसी क्रम में बुधवार को उपायुक्त ऋतुराज ने बिरहोर मोहल्ला का दौरा कर विकास कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। बता दें कि उपायुक्त की पहल पर पूर्व में विशेष शिविर का आयोजन हुआ था, जिसमें बिरहोर परिवारों को राज्य और केंद्र सरकार की विभिन्न महत्त्वाकांक्षी योजनाओं से जोड़ा गया। इसका उद्देश्य इन वंचित समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें सामाजिक, आर्थिक, बुनियादी सुविधाओं से युक्त करना है। इस दौरान उपायुक्त ने निम्न बिंदुओं पर कार्यों की स्थिति की समीक्षा की और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये, जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत आवास निर्माण, आधार कार्ड और राशन कार्ड निर्माण की प्रगति, बैंक खाता खोलने की व्यवस्था, पेबर्स ब्लॉक से सड़क निर्माण, आंगनबाड़ी सेवाओं अंतर्गत पोषण सखी द्वारा गर्भवती महिलाएं, प्रसूतायें, बच्चों को टीकाकरण और पोषण सुविधा, जन्म प्रमाण पत्र निर्गत करना, सोलर पैनल द्वारा बिजली व्यवस्था, चबूतरा निर्माण, स्ट्रीट लाइट की स्थापना शामिल है। उपायुक्त ऋतुराज ने सोलर लाइट, चबूतरा, स्ट्रीट लाइट के कार्यों का स्थलीय मुआयना भी किया और संबंधित अधिकारियों को इन कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिरहोर समुदाय जैसे पारंपरिक और वंचित जनजातीय समूहों का विकास प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। मौके पर उप विकास आयुक्त रवि जैन, नगर परिषद प्रशासक अंकित गुप्ता, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नीतीश कुमार निशांत आदि उपस्थित थे।

छठ घाटों की सफाई नगर निगम के लिए है बड़ी चुनौती, कई तालाबों के जल हो गये हैं दूषित

छठ महापर्व में बचे हैं मात्र 20 दिन, अभियान चला शहर के छठ घाटों की करनी पड़ेगी सफाई

दीपक सिंह

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। लोक आस्था का महापर्व छठ स्वच्छता का पालन करते हुए सूर्यदेव को अर्घ्य और छठी मैया की पूजा की जाती हैं। हजारीबाग में भी इस पर्व की आस्था और उल्लास देखने योग्य होती है, जहां सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु झीलों, तालाबों और नदियों के किनारे व्रत रखते हैं और डूबते-उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। लेकिन इस वर्ष छठ पर्व की तैयारियों में नगर निगम के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गयी है। महज कुछ ही दिन शेष रहने के बावजूद हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के लगभग 15 से अधिक छठ घाटों की स्थिति बेहद दयनीय बनी हुई है। कई तालाबों का पानी गंदा हो चुका है, घाटों के किनारों पर कीचड़, कचरा और जलकुंभी का जमाव देखा जा रहा है। नगर निगम ने सफाई कार्य की शुरुआत तो कर दी है, लेकिन समय से पहले सभी घाटों को स्वच्छ और उपयुक्त बनाना अभी भी एक कठिन कार्य बना हुआ है। हाल ही में दुर्गा पूजा के दौरान बड़ी संख्या में मूर्तियों और पूजा सामग्रियों का तालाबों में विसर्जन किया गया, जिससे जल दूषित हो गया है। इसके साथ ही लगातार बारिश ने घाटों की स्थिति को और खराब कर दिया है।

सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि सूर्योपासना का महापर्व छठ नजदीक है और हजारीबाग नगर निगम को तत्काल छठ घाटों की समुचित साफ-सफाई, शहर और छठ घाट मार्ग के स्ट्रीट लाइट की व्यवस्थित करने में तत्परता दिखाना चाहिए। ताकि छठ व्रतियों को किसी भी प्रकार की कोई तकलीफ ना हो। नगर निगम के द्वारा पर्याप्त मात्रा में चेंजिंग रूम बनाया जाए जिससे महिलाओं को सुविधा हो।

सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि नगर निगम को जल्द से जल्द सभी छठ घाटों की सफाई पूर्ण करनी चाहिए। नगर निगम यदि सफाई कार्य समय पर पूरा नहीं करता है तो हमारी टीम भी विभिन्न घाटों की सफाई करेंगी। ताकि व्रतियों को किसी तरह की असुविधा न हो। हमारी टीम पूर्ण सतर्कता के साथ तैयार रहेगी।

नगर आयुक्त योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि निगम ने छठ घाटों की सफाई प्रारंभ कर दी है। उन्होंने कहा कि झील घाट में गुरुवार सुबह 9 बजे से स्पेशल ड्राइव चलाया जायेगा, जिसमें 100 से अधिक सफाईकर्मी एक साथ घाट की सफाई करेंगे। हरवेस्टिंग मशीनों के माध्यम से जलकुंभी और अपशिष्ट निकाले जा रहे हैं, जबकि कई घाटों पर मैनपावर से सफाई हो रही है। हम छठ पर्व से पहले सभी प्रमुख घाटों को साफ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

समाजसेवी मनोज गुप्ता ने कहा कि हजारीबाग शहर में छठ पर्व बड़ी आस्था के साथ मनाया जाता है। लंबे समय तक हुई बारिश के कारण तालाबों और झीलों में गंदगी भर गयी है, घास-झाड़ियां उग आयी हैं। अब मौसम साफ हो गया है और लोग घाटों की सफाई में जुटे हैं। नगर निगम को चाहिए कि वह बड़े स्तर पर सफाई अभियान चलाए ताकि श्रद्धालु स्वच्छ वातावरण में पूजा कर सकें।

विधायक रोशन लाल चौधरी ने त्रिपक्षीय वार्ता को लेकर उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

केरेडारी (आजाद सिपाही)। सीसीएल की चंद्रगुप्त कोल माइंस परियोजना से प्रभावित परिवारों की समस्याओं के समाधान हेतु त्रिपक्षीय वार्ता आयोजित करने के संबंध में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने हजारीबाग उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए विस्थापित प्रभावित परिवारों के समस्या को जल्द समाधान करने की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से विधायक रोशन लाल चौधरी ने उपयुक्त हजारीबाग को कहा है कि हजारीबाग और चतरा जिले के केरेडारी और टंडवा प्रखंड में संचालित चंद्रगुप्त कोल माइंस परियोजना के कारण अनेक ग्रामीण परिवारों का विस्थापन और आजीविका संकट उत्पन्न हुआ है। परियोजना क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा कई बार शिकायत प्राप्त हुआ है कि कंपनी भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, पुनर्वास और रोजगार से संबंधित प्रक्रियाओं में पारदर्शिता नहीं बरत रही है। जिसके वजह से मुआवजा की दरें और भुगतान की प्रक्रिया स्पष्ट नहीं है, पुनर्वास स्थल का निर्माण अधूरा है, रोजगार गारंटी और सामाजिक प्रभाव आकलन की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई है। ग्राम सभा की सहमति लिए बिना परियोजना विस्तार की कार्रवाई हो रही है। पर्यावरण मानकों का पालन नहीं हो रहा है जिससे क्षेत्र में धूल, शोर और जल प्रदूषण बढ़ रहा है। जिसके वजह से विस्थापित परिवारों में दिन-ब-दिन रोष बढ़ता जा रहा है। ऐसे ही अन्य समस्याओं को समाधान को लेकर विस्थापित परिवार के सदस्यों के साथ जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन और सीसीएल प्रबंधन का एक त्रिपक्षीय वार्ता का आयोजन किया जाये जिसमें भूमि अधिग्रहण, वास्तविक स्थिति और मुआवजा निर्धारण, रोजगार गारंटी और पुनर्वास कॉलोनी स्थित, पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन की समीक्षा, विस्थापित प्रभावित परिवारों की प्राथमिक आवश्यकताओं जैसे जल, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था सहित अन्य विषयों पर निर्णय लिया जा सके। इस विषय में हजारीबाग उपयुक्त ने विधायक रोशन लाल चौधरी से जल्द से जल्द त्रिपक्षीय वार्ता करवाने की बात कही है।

भराजो और टाटीझरिया पंचायत भवन में पेंशनधारियों का हुआ आधार सीडींग

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। टाटीझरिया प्रखंड के भराजो और टाटीझरिया पंचायत भवन में बुधवार को वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन और दिव्यांग पेंशन के लिए विशेष कैंप लगाकर आधार सिडींग कार्यक्रम आयोजित किया गया। वृद्धा पेंशन के लिए लाभुकों को अपना आधार कार्ड, बैंक पासबूक और मोबाइल नंबर और विधवा पेंशन के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र के साथ आधार कार्ड, बैंक पासबूक और मोबाइल, दिव्यांग पेंशन के लिए दिव्यांग प्रमाणपत्र उपर्युक्त प्रमाण पत्र से आधार सीडींग हुआ। टाटीझरिया मुखिया सुरेश यादव और भराजो मुखिया स्वास्तिका कुमारी ने बताया कि प्रखंड कार्यालय से मिली लाभुकों के सुची के लोगों का आधार सीडींग करना था। सभी लाभुकों का आधार सीडींग होने पर पेंशन सुचारू रूप से मिलते रहेगा। आधार सीडींग को सफल बनाने में पंचायत सेवक अर्जुन प्रसाद, अनीता कुमारी, मुखिया प्रतिनिधि भराजो उपेंद्र पांडेय, उपमुखिया कौलेश्वर कुमार, रोहित कुमार, दिनेश कुमार, राजेश कुमार, रघुनंदन प्रसाद सभी आंगनबाड़ी सेविका शामिल थी।

युवक की मौत के बाद ग्रामीणों ने सड़क की जाम

दारू /हजारीबाग (आजाद सिपाही)। दारू थाना क्षेत्र के शिवानी नदी पर निमोणाधीन मेडकुरी पुल और उससे जुड़ी अधूरी सड़क अब हादसों का केंद्र बन गयी है। अधूरी सड़क पर बिखरी गिट्टी और सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में बीते 14 दिनों में 11 सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। मंगलवार को जमुवारी गांव के 26 वर्षीय युवक राहुल कुमार की मौत के बाद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने एनएच-522 को कई घंटों तक जाम कर दिया। जानकारी के अनुसार, राहुल बीते सप्ताह बाइक से गुजरते वक्त सड़क पर बिखरी गिट्टी के कारण फिसलकर गिर गया था। गंभीर रूप से घायल होने पर उसे रांची रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। राहुल अपने परिवार का इकलौता कमाऊ सदस्य था। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने बुधवार सुबह जोनिया मोड़ (दीपू चौक) पर शव रखकर सड़क जाम कर दिया। लोगों ने ठेकेदार और प्रशासन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाये। उनका कहना है कि पुल और सड़क का काम वर्षों से अधूरा है, न कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया है और न ही सुरक्षा संकेत। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दो सप्ताह में दो लोगों की मौत और कई घायल हो चुके हैं, फिर भी प्रशासन मूकदर्शक बना है। सूचना पाकर दारू थाना प्रभारी इकबाल हुसैन और अंचल अधिकारी राम बालक कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि मृतक के परिवार को सरकारी सहायता दी जायेगी और ठेकेदार की भूमिका की जांच कर कार्रवाई की जायेगी। ग्रामीणों ने अधूरे निर्माण को पूरा करने, चेतावनी बोर्ड व लाइट लगाने और मुआवजा देने की मांग की है।

बड़कागांव में शरद पूर्णिमा और वाल्मीकि जयंती मनी

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव प्रखंड में मंगलवार को शरद पूर्णिमा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से पीएम श्री मध्य विद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शरद पूर्णिमा के साथ-साथ रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयंती भी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनायी गयी। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला सह शारीरिक प्रमुख पिंटू सोनी ने किया, जबकि संचालन ललन कुमार ने किया। इस अवसर पर खंड कार्यवाहक भरत कुमार, अंकित कुमार, शुभम कुमार, खंड व्यवस्था प्रमुख सूरज कुमार, खंड सेवा प्रमुख सचिन कुमार, पीयूष कुमार, पवन कुमार और विकास कुमार सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन, उनके आदर्शों और रामायण की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। साथ ही शरद पूर्णिमा के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर भी चर्चा की गयी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत के साथ हुआ।

विशेष आकलन परीक्षा का आयोजन 13 से

कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिले में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में शिक्षा विभाग द्वारा निरंतर बेहतर कार्य किया जा रहा है। जिले के सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राएं हमेशा से माध्यमिक और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते आ रहे हैं। इसी क्रम को आगे बढ़ाने हेतु उपायुक्त कोडरमा की पहल पर माध्यमिक और इंटरमीडिएट कक्षा (संकाय - विज्ञान) में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए जिला स्तरीय विशेष आकलन परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। यह 13 से 17 सितंबर तक आयोजित होगा। उपायुक्त द्वारा परीक्षा आयोजन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। उन्होंने निर्देश दिया है कि कोडरमा जिले के सभी माध्यमिक और इंटरमीडिएट विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाध्यापक अपने-अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को सूचित कर परीक्षा में सम्मिलित कराना सुनिश्चित करें। परीक्षा का आयोजन प्रतिदिन अपराह्न 12 बजे से 03:15 बजे तक एक ही पाली में किया जायेगा।

शहीद पुलिस उपाधीक्षक विनय भारती के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन

चतरा (आजाद सिपाही)। शहीद पुलिस उपाधीक्षक के शहादत दिवस पर आज श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक सहित कई वरीय प्रशासनिक अधिकारी, डीएसपी मुख्यालय, एसडीपीओ, अंचलाधिकारी और सदर थाना प्रभारी समेत पुलिस बल के जवान उपस्थित थे। सभी ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और श्रद्धांजलि दी। ज्ञात हो कि 8 अक्टूबर 2005 को कुंदा थाना क्षेत्र के बनियाडीह पहाड़ी पर नक्सलियों द्वारा बिछाए गये जाल में ड्यूटी के दौरान पुलिस उपाधीक्षक विनय भारती वीरगति को प्राप्त हुए थे। इस घटना में कई अन्य सुरक्षाकर्मी भी शहीद हुए थे। राज्य पुलिस बल द्वारा उस दिन दिखाए गए साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को आज भी पूरे झारखंड में श्रद्धापूर्वक याद किया जाता है। उपायुक्त कीर्तिश्री ने शहीद पुलिस उपाधीक्षक विनय भारती को नमन करते हुए कहा कि शहीद विनय भारती ने उग्रवाद के विरुद्ध अभियान में सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि राज्य को नक्सल आतंक से मुक्त कराने में पुलिस बल के अनेक अधिकारियों और जवानों ने अमूल्य योगदान दिया है। शहीद विनय भारती का बलिदान इसी श्रृंखला की एक ऐतिहासिक मिसाल है। झारखंड पुलिस उनके अदम्य साहस को नमन करती है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में नक्सलवाद लगभग समाप्ति की ओर है और शेष सक्रिय उग्रवादियों से अपील की गयी कि वे सरकार की सरेंडर नीति का लाभ उठाते हुए मुख्यधारा में शामिल हों।

वन्य प्राणी सप्ताह को लेकर वन विभाग ने छात्रों के साथ निकाली प्रभात फेरी

हंटरगंज/चतरा (आजाद सिपाही)। चतरा उत्तरी वन प्रमंडल की ओर से बुधवार को वन्य प्राणी सप्ताह के तहत हंटरगंज वन प्रक्षेत्र के रामनारायण प्लस टू उच्च विद्यालय हंटरगंज और कुलेश्वरी विद्यापीठ विद्यालय के बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली। रैली की शुरुआत खेल मैदान से किया गया, जो पूरे मैदान का भ्रमण करते हुए पुनः विद्यालय कार्यालय तक गयी। इसके माध्यम से लोगों को वन्य जीवों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। सुबह उक्त विद्यालय के बच्चों ने यह ज्ञान हमें फैलाना है अपने क्षेत्र से नशा को भगाना है आदि स्लोगन करते हुए चले। मौके पर वन विभाग के वनपाल विवेक कुमार, नरेश प्रजापति ने बताया कि प्रति वर्ष दो से आठ अक्तूबर तक वन्य प्राणी सप्ताह मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वन्य जीवों की महत्ता लोगों को समझाना है। हम सभी को वन्य जीवों की रक्षा करनी चाहिए। वन संपदा हम सभी के आवश्यकताओं के सभी चीजों की पूर्ति करती है। इस दौरान अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध और अफीम के दुष्प्रभाव और इसके कानूनी परिणामों के संबंध में जन जागरुकता अभियान भी चलाया गया। अभियान के दौरान छात्रों को अफीम की अवैध खेती से होने वाले सामाजिक और कानूनी नुकसान के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही, अफीम के स्थान पर उगाई जा सकने वाली नकदी फसलों की जानकारी भी दी गयी, अपने आसपास और अभिभावक को जागरूक करने की शपथ दिलायी गयी। मौके पर विद्यालय प्रधानाध्यापक अनूप कुमार, अध्यक्ष अशोक यादव, शिक्षक विनय कुमार, उमेश कुमार, प्रभारी वनपाल विवेक कुमार, नरेश प्रजापति, वनरक्षी मुकेश दास, राजीव रंजन स्कूली बच्चे और वन कर्मी मौजूद थे।

रामगढ़ में रामविलास पासवान की पुण्यतिथि मनी

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के लोजपा रामगढ़ जिला अध्यक्ष केवल पासवान के आवासीय कार्यालय में दलित सेना के संस्थापक पद्म भूषण से सम्मानित स्वर्गीय रामविलास पासवान की 5वीं पुण्यतिथि मनायी गयी। मौके पर जिलाध्यक्ष केवल पासवान और जिला प्रधान महासचिव आशीष गुप्ता ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। केवल पासवान ने उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, रामविलास पासवान भारतीय राजनीतिक के एक ऐसे चमकते सितारे थे, जिन्होंने दलित, पिछड़े और वंचित अल्पसंख्यक वर्गों की आवाज को सांसद के उच्चतम मंच तक पहुंचाया। वे एक दूरदर्शि नेता थे, जिन्होंने हमेशा सामाजिक न्याय, सामनता और विकाश के लिए संघर्ष किया। उनका जीवन हमें यह सीखता है की सच्ची नेतृत्व क्षमता जाती, वर्ग और सीमा की मोहताज नहीं होता, वे एक ऐसे नेता थे जो सभी दलों के बीच सम्मानित थे और हर सरकार में जनहित और दलितों पिछड़ों और अल्पसंख्यक के मुधों को मजबूती से रखते थे। जिला के कार्यकर्ताओं ने भारत सरकार से यह मांग करती है कि लोजपा और दलित सेना के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान को भारत रत्न दे। मौके पर संस्कृति प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष प्रशांत कुमार, निर्मल महतो, सूरज सिंह, गौरव सोनकर, ऋषि कुमार, रिशु कुमार, सागर कुमार, उदय कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

छठ महापर्व को लेकर सयाल दामोदर नदी घाटों का किया गया निरीक्षण

उरीमारी (आजाद सिपाही)। आगामी छठ महापर्व को लेकर सयाल के सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोगों ने बुधवार को सयाल स्थित दामोदर नदी के सभी घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान घाटों की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक सुधार कार्यों के लिए विचार – विमर्श किया। वहीं छठ पूजा को लेकर साफ – सफाई और रोशनी की विद्युत व्यवस्था पर चर्चा की गयी। साथ ही छठ महापर्व को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी लोगों से सहयोग करने का अपील किया। मौके पर समाजसेवी बीरेंद्र पासवान, सत्येन्द्र यादव, अर्जुन सिंह, संजय शर्मा, अनूप कुमार उर्फ पिंटू सिंह, राजीव सिन्हा, कविन कुमार, शशि दुसाध, दीपू सिंह, गणेश यादव, दीपक, उदय, प्रदीप मास्टर, राजा, छोटन आदि मौजूद थे।

छावनी परिषद ने छठ घाटों पर सफाई अभियान की शुरुआत की

छठ वर्तियों को नहीं होगी कोई परेशानी, विधि व्यवस्था रहेगा दुरुस्त : अनंत प्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। छावनी परिषद क्षेत्र के सभी छठ घाटों की साफ - सफाई अभियान शुरू कर दी गयी है। छावनी परिषद रामगढ़ के अधिशासी अधिकारी अनंत आकाश के निर्देश पर सफाई इंस्पेक्टर नितिन ठाकुर के नेतृत्व में घाटों की सफाई शुरू करायी गयी है। इधर छावनी परिषद अधिशासी अधिकारी अनंत प्रकाश ने कहा कि छठ व्रतियों को कोई परेशानी नहीं हो। इसके लिए साफ सफाई अभियान शुरू कराया गया है। दूसरी ओर आजसू नेता नीरज मंडल ने कहा कि आप सभी लोग जिस तरह से प्रत्येक दिन हर एक गली मोहल्ला में साफ सफाई करते हैं। वह प्रशंसा के पात्र हैं श्री मंडल ने अधिशासी अधिकारी से आग्रह किया कि छठ महापर्व से पूर्व सभी छठ घाटों का और विशेष कर दामोदर नदी, बिजुलिया तालाब, हर हरी नदी, जहां छठ वर्तियों के साथ-श्रद्धालु वृहद रूप में शामिल होते हैं वहां नियमित रूप से साफ - सफाई और आने जाने वाली मार्ग में पोल में लाइट लगवाई जाये। साथ ही खराब लाइट को अभिलम्ब ठीक किया जाये। ताकि किसी भी तरह की कोई समस्या का सामना छठ व्रतियों या श्रद्धालुओं को ना हो सके। मौके पर सुपर वाइजर नव रंजन राम, लाल बाबू राम, भोला राम, गुलचंद राम, बिट्टू राम, भरत राम, भीमा राम, अनिल राम, प्रेम नायक, शेखर राम और सफाई कर्मी में लव राम, सन्नी राम, मिठू राम, कार्तिक कुमार, जीनू राम, प्रदीप राम, सिकंदर राम, राजा कुमार, नीरज राम, रंजीत राम, अजय राम, सफाई कर्मी मौजुद थे।

उप विकास आयुक्त ने किया सीएचसी और मनरेगा योजनाओं का निरीक्षण

गवर्नमेंट टूल रूम आइटीआइ गोला में 59 प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण पत्र का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

गोला। रामगढ़ के उपविकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने बुधवार को गोला प्रखंड क्षेत्र में संचालित योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान नावाडीह पंचायत में मनरेगा के अंतर्गत की गयी बागवानी और डीएमएफटी मद से बने चार किलोमीटर पीसीसी पथ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण में अनियमितता पाये जाने पर पथ के संवेदक को जमकर फटकार लगायी। उप विकास आयुक्त ने सड़क मापी कर निर्माण में सुधार लाने का निर्देश दिया। इसके बाद गवर्नमेंट टूल रूम आइटीआइ गोला में पीएम विश्वकर्मा के द्वारा टेरा-कोटा के कोर्स कर रहे 59 प्रशिक्षुओं के बीच उन्होंने प्रमाण-पत्र का वितरण किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने विस्तार से ओपीडी, फामेर्सी, स्टोर रूम, कॉल्ड चैन, परिवार नियोजन केंद्र, लेबर रूम, लैब, एक्स-रे, महिला वार्ड, आपातकालीन वार्ड, साइन बोर्ड सहित अन्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यरत डॉक्टर अन्य कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मौके पर बीडीओ डॉक्टर सुधा वर्मा, चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर आशुतोष त्रिपाठी, डॉ राजीव रंजन, मुनेश्वर कुमार, मनोज कुमार, एहसान, अब्दुल्ला, अतुल सौरभ, महेश गुप्ता आदि थे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

पतरातू (आजाद सिपाही)। पीवीयूएनएल के सीएसआर विभाग के द्वारा बुधवार को पतरातु बस्ती दुर्गा मंडप परिसर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें डॉ काजल, डॉ वसुधा, डॉ अमर सिंह गिल और डॉ शिरीन के द्वारा स्वास्थ्य जांच किया गया। यह शिविर । शिविर में 310 महिला, पुरुष और बच्चे ने अपने स्वास्थ्य की जांच करायी। जिन मरीजों को दवा की आवश्यकता थी उन्हें निशुल्क दवाएं भी उपलब्ध करायी गयी। इसके अतिरिक्त शिविर में लोगों का बीपी, डायबिटीज आदि की जांच भी की गयी। इस दौरान शिविर में पहुंचे पीवीयूएनएल स्वास्थ्य विभाग के सीएमओ डॉ तन्मय मिश्रा ने शिविर में व्यवस्था को देखा। मौके पर मुखिया गिरजेश कुमार सहित दर्जनों गणमान्य लोग शामिल थे।

श्री गुरु नानक स्कूल की छात्रा ने राज्यस्तरीय शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता में मचायी धूम

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। 6 अक्टूबर को रांची के धुर्वा में झारखंड सरकार द्वारा विकसित भारत अभियान के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता 2025-26 में श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल की दसवीं कक्षा की छात्रा धन्वी कौशल ने एकल शास्त्रीय गायन, 12वीं कला की छात्रा प्रियांशु कुमारी ने एकल द्विआयामी चित्रांकन प्रतियोगिता में भाग लिया। अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के द्वारा धन्वी ने श्रोताओं को मुग्ध कर दिया और इस प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रियांशु कुमारी ने भी सुंदर चित्रांकन द्वारा निर्णायक मंडल की वाहवाही बटोरी। इस कला उत्सव में झारखंड के विभिन्न राज्यों के अनेक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। कड़ी प्रतिस्पर्धा के मध्य धन्वी कौशल ने अपने शास्त्रीय गायन में निपुण होने का परिचय देते हुए सुंदर गायन प्रस्तुत किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के पहले इस प्रतियोगिता का प्रथम चरण अर्थात जिला स्तरीय प्रतियोगिता रामगढ़ के बुनियादी विद्यालय में आयोजित किया गया था। जिसमें रामगढ़ के विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया था। धन्वी ने अपने गायन से सबको पर पछाड़ते हुए जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उसके बाद उन्हें रांची के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित किया गया था। विद्यालय के संगीत शिक्षक मनोज पाठक के मार्गदर्शन में अपनी कला का प्रदर्शन कर-के धन्वी कौशल ने सबका मन मोह लिया। धन्वी की इस सफलता पर संपूर्ण विद्यालय परिवार गौरवान्वित अनुभव कर रहा है। धन्वी की सफलता पर विद्यालय की ओर से बधाई और शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह ने धन्वी के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि संगीत साधना है। धन्वी एक मेधावी छात्रा है और वह पढ़ाई के साथ-साथ संगीत में भी रुचि रखती है। उन्होंने प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। सभी विद्यार्थियों को धन्वी से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने भीतर छिपे हुए गुण को निखारने का प्रयास करना चाहिए। विद्यालय विद्यार्थियों को हर प्रकार की सुविधाएं प्रदान करता है, वह चाहे खेल हो, संगीत हो या अन्य क्षेत्र। वहीं, गुरुद्वारा प्रबंधन समिति और विद्यालय प्रबंधन समिति के द्वारा भी धन्वी कौशल की इस उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं प्रदान की गयी।

सीआइएल की सैंपलिंग और बैंक गारंटी नीति के खिलाफ कोयला व्यापारियों में आक्रोश

झारखंड कोल ट्रेडर्स ट्रस्ट ने कोलियरियों से कोयला उठाव कार्य को बंद करने का लिया निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

कुजू। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआइएल) द्वारा ई-ऑक्शन कोयला बिक्री के लिए लागू नयी सैंपलिंग और बैंक गारंटी नियम के खिलाफ तमाम कोयला व्यापारियों, सप्लायर, ट्रांसपोर्टर और ट्रक मालिकों के बीच भारी आक्रोश है। कोयला व्यापारी और कोयला व्यवसाय से जुड़े तमाम कारोबारी उक्त नीति के लागू किये जाने के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। व्यापारियों का कहना है कि सैंपलिंग और बैंक गारंटी नीति के थोपे जाने से कोयला व्यवसाय, जो पूर्व से ही लगभग नाजुक स्थिति में है। साथ ही, अस्तित्व समाप्त होने के कगार पर आ चुका है। इस संदर्भ में बुधवार को कुजू स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में झारखंड कोल ट्रेडर्स ट्रस्ट की आपात बैठक बुलायी गयी। जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष काशीनाथ महतो ने की। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से आगामी 12 अक्टूबर तक सीसीएल के किसी भी कोलियरी से कोयल का उठाव रोकने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय का उल्लंघन करने वाले कोयला व्यवसायियों पर पांच हजार रुपया आर्थिक दंड लगाने का निर्णय लिया गया। इधर, बैठक में लिए निर्णय के बाद विभिन्न कोलियरियों में पहुंचे ट्रकों को वापस बुला लिया गया। वहीं, ट्रस्ट ने गत दिन सीसीएल सीएमडी के नाम ज्ञापन पत्र डीटी चंद्रशेखर तिवारी को सौंपा गया। मुलाकात के दौरान चंद्रशेखर तिवारी द्वारा उक्त मामले को लेकर ट्रस्ट को सीआईएल मुख्यालय कोलकाता जाने की सलाह दी गयी। बैठक में सचिव राजेश प्रसाद, कोषाध्यक्ष अवधेश कुमार, हरेंद्र सिंह, धनंजय सिंह, केडी तिवारी, मुकेश अगरिया, प्रमोद पांडे, आलोक पांडे, विजय साव, संदीप गुप्ता, सुनील बंसल, अजय राणा, तापेश्वर महतो समेत काफी संख्या में कोयला से जुड़े लोग शामिल रहे।

ताश के पत्तों पर जमकर किस्मत की आजमाइश कर रहे हैं युवक

मांडू (आजाद सिपाही)। मांडू थाना क्षेत्र के कई इलाकों में जुआ चलने से इसमें अधिकांश युवा शामिल होकर अपने भविष्य को बर्बाद कर रहे हैं। साथ ही घर की जमा पूंजी हारने के बाद उक्त युवक अपराध की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से जुए के खेल पर रोक लगाने की मांग की है। दिवाली पर जुआ खेलने की कुप्रथा आज भी जारी है। मांडू क्षेत्र के ग्राम मांडू डीह, मांडू चट्टी, हेसागढ़ा, पुंडी, तोयरा, बलसगरा आदि के अधिकांश लोग राजी रोटी के लिए दिहाड़ी मजदूरी का काम करते हैं। कमाई करने के बाद वे जब घर वापस आते हैं तो गांव में जुए की प्रवृत्ति के भागीदार बनकर अपनी कमाई को लुटा बैठते हैं। मांडू डीह और मांडू चट्टी के जंगल झाड़ियों में युवक रात्रि में ताश की गड्डियां फेंटते हुए अनेक को देखा जा सकता है। जुए के कारोबार में कई लोग उधार देने का कार्य करने के लिए भी लगे रहते हैं। उनके द्वारा हारने पर मनमाने ब्याज दर पर कर्ज दिया जाता है। कर्ज लेकर जुआ खेलने से कर्ज के बोझ से अनेक परिवार दबकर परेशान हो रहे हैं। सबसे अहम बात तो यह है कि हारने के बाद युवा अपने घरों का सामान तक बेचने लगते हैं और इससे भी काम नहीं चल पाने से चोरी आदि की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस के हाथ लगे अपराधी सभी नाबालिग थे। लोगों ने बताया कि उनके द्वारा कई बार जुआड़ियों को मना करने का प्रयास किया गया पर मानने के बजाय वे विवाद पर आमादा हो जाते हैं।

बंटवारे का हिस्सा लेने दुकान पहुंचे बुजुर्ग की भतीजे ने कर दी पिटाई

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। शहर के प्रतिष्ठित दुकान सीमा एजेंसी के बंटवारे को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। इस दुकान को बनाने वाले बुजुर्ग बसंत जैन की उनके भतीजे सुमित जैन ने संपत्ति के विवाद को लेकर ही पिटाई कर दी। मारपीट के दौरान कालेश्वर यादव नामक व्यक्ति ने भी उन्हें बुरी तरह पीटा। इस मामले में बसंत जैन रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। उन्होंने पुलिस को बताया कि सीमा एजेंसी दुकान तीन भाइयों का संयुक्त व्यापार था। इसमें पदम कुमार जैन, विमल कुमार जैन भी उनके साथ थे। बाद में उन दोनों भाइयों ने मिलकर बसंत जैन को अलग कर दिया। लेकिन यह भी कहा कि दुकान के बंटवारे में एक हिस्से के बराबर उन्हें हक दिया जाएगा। एक हिस्सा 31 मई तक बसंत जैन को देने का वादा किया गया था। लेकिन काफी लंबा वक्त बीत जाने के बाद बसंत जैन जब सीमा एजेंसी दुकान में गए तो सुमित जैन और कौलेश्वर कुमार यादव ने मिलकर उन्हें बुरी तरह पीटा। इस पिटाई के बाद उनकी हालत खराब हो गयी है। मारपीट के इस मामले में सुमित जैन ने भी रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह अपनी पत्नी सिद्धि जैन और कालेश्वर यादव के साथ दुकान में बैठे थे। इसी दौरान आशीष जैन और बसंत जैन वहां पहुंचे उन लोगों ने तीनों लोगों के साथ मारपीट की। यहां तक की सिद्धि जैन के साथ बदसलूकी भी की। उन्होंने पुलिस को बताया कि आशीष जैन के द्वारा सीमा एजेंसी दुकान में गबन किया गया था। हिसाब में एक करोड रुपये आशीष जैन से उन्हें लेने थे। उन लोगों ने तत्काल एक लाख और बाद में 60 लाख रुपये नगद और सामान के रुपये में दिये। शेष रकम दुकान के दस्तावेज के हस्तांतरण के बाद दिया जाना था। लेकिन उन लोगों ने एक लाख रुपए हर महीने रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस इस मामले में भी जांच कर रही है।

छत से गिरकर अधेड़ की मौत

हंटरगंज/चतरा(आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के उरैली गांव निवासी 50 वर्षीय मोहन पासवान की मौत बुधवार की अगले सुबह रांची के रिम्स अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में हो गयी। जानकारी के अनुसार मृतक मंगलवार को रात में खाना खाकर छत पर सोने चला गया। इसी दौरान रात में शौच के लिए छत से नीचे उतरते के दौरान सीढ़ी से पैर फिसल कर गिर गया। जिसके कारण सिर पर गंभीर चोटें आयी थी। परिजनों ने उन्हें आनन - फानन में गया के कल्याण हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। रिम्स ले जाने के क्रम में हंटरगंज में तबीयत और बिगड़ गयी। तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में मातम छा गया।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–खुली निविदा सूचना सं. : एस–टी/सोन/ई–खुली निविदा/25–26/10, दिनांक 30.09.2025

मंडल रेल प्रबन्धक (सिंगनल एवं दूर संचार)/सोनपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। ई–निविदा की अंतिम तिथि 30.10.2025 को 12.00 बजे तक निर्धारित है। ई–निविदा संबंधी एवं निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाइट www.ireps.gov.in पर किया जा सकता है।

ई–निविदा सं. : एस & टी/सोन./ई–खुली निविदा 25–26 /10, कार्य का नाम (मंद सं. सहित) : सोनुपर मंडल के विभिन्न अनुभागों में इंजीनियरिंग कार्य अर्थात टीटीआर, एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यू. सीएमएससी, टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएस सी, डब्ल्यूएमएस और टीटीआर (एफएस) और टीबीएसआर (एच–बीम), आईएसडी, टीबीआर (टी–आउट), टीडब्ल्यूएसईजे, टीबीआर और टीएफआर कार्य के संबंध में सहयोगी एसएंडटी कार्य का प्रावधान। अनुमानित लागत (रु. में) : ₹2,90,56,535.26, बयाने की राशि (रू. में) : ₹2,95,300/–, निविदा प्रपत्र की कीमत अप्रतिदेय (रु. में) : ₹0.00/–, समापन अवधि : एल.ओ.ए. जारी होने की तिथि से 09 (नौ) माह तक।

उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। दिनांक 30.09.2025 को अपलोड की दिया गया है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार–किसी भी निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदा दाता का इसमें कोई दावा मान्य नहीं होगा। निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मंडल सिंगनल एवं दूरसंचार इंजिनियर/
पूमरे/सोनपुर
पीआर/1106/एसईई/एस एण्ड टी/टी/25–26/44

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा नोटिस सं.–36 ऑफ 2025–26/खुला/इंजीनियरिंग, डीडीयू।

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/डी.डी.यू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकी दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोकनिर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड मिलिटरी इंजीनियर सर्विस लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम एवं लोकेशन:निविदा सं.–14–डीडीयू–व.मं.इंजी.–III–25–26, एडीईएन/जपला के अंतर्गत जपला में आरपीएफ के लिए 30 बिस्तरों वाले बैरक का निर्माण। कार्य का अनुमानित लागत: ₹1,95,61,759.32, धरोहर राशि : 2,47,800/–,

कार्य का नाम एवं लोकेशन:निविदा सं.–15 –डीडीयू–व.मं.इंजी.–III–25–26, बीडी सेक्शन में सीआरओ के रोकथाम हेतु सोन नगर से अंकोरहा तक चारदीवारी का प्रावधान। कार्य का अनुमानित लागत: ₹3,65,98,201.95 धरोहर राशि : 3,33,000/–,

ई– निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 31.10.2025, Up-to 12:00 hrs. बेवसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी : www.ireps.gov.in

नोट : विवाद की स्थिति में अंग्रेज़ी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक /
पूमरे/पं दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/1101/डीडीयू/अभिं./टी/25–26/36

AFFIDAVIT

I, Birasmuni Devi Wife of Aghanu Ram Kisan Resident of Veer Kuwartoli Palkot, P.S. Palkot, District -Gumla, Jharkhand- 835220. do hereby solemnly affirm and declare as follows: 1.That I am an Indian Citizen. 2. I am residing at my aforesaid address. 3. That my actual name is Birasmuni Devi has been entered in my Voter ID, Ration Card being No 202801042075 & Bank Account at Bank of India Palkot Branch being A/c No 493010510021135 & BPL Card being A/c No 340301100816/5853. 4. That my name Birasmani Devi has been entered in my Adhar Card by mistake being Adhar No 8816 2182 9002. 5. That I will be known by my actual name Birasmuni Devi for ever and every where & I will do my Signature & all work in my actual name. Which shall be published in Gazette Paper. 6. That need of the affidavit for my Actual name Declaration i.e. Birasmuni Devi for which this affidavit is being sworn by me. 7. That above statements true and genuine. If any found untrue I shall be responsible.

Sl. No-47, Date- 07.10.2025

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्न कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सं.: पूमरे–मुप्रअ–नि–द–ईपीसी–02 –25–26, कार्य का नाम : पूर्व मध्य रेल के धनबाद मंडल के अन्तर्गत ईपीसी मोड पर सोननगर–अंडाल तीसरी और चौथी लाईन परियोजना में कोडरमा डेटोर सेक्शन में Ch.157.920 से Ch.184 (सुरंगों को छोड़कर) तक डीएफसीसी लोडिंग के लिए नई डबल लाइन ट्रैक के निर्माण के लिए वायाडक्ट्स आरओआर/आरएफओ, प्रमुख पुल, छोटे पुल, पशु ओवरपास, आरओबी, आरयूबी/एलएचएस, अर्थवर्क, ब्लैकेटिंग, बिल्डिंग आदि और अन्य संबंधित कार्यों के निर्माण के लिए आरएफपी। अंकलित मूल्य (रु०): ₹29,98,93,39,324.87; निविदा प्रपत्र का लागत (रु.) : ₹0.00, अग्रधन राशि : ₹2,00,00,000/– ; कार्य पूर्ण करने की अवधि : 1280 दिन, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 12.01.2026, 12.00 बजे।

ऐसी ई– निविदाओं के तहत डाक/ कोरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल निविदा अस्वीकार्य होगा तथा उसके बारे में बिना किसी विचार के तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज सहित की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। द्रष्टव्य: निविदा सूचना में किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाने पर अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट http://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/
दक्षिण/पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना
पीआर/1103/कॉन/एस/एमएचएक्स/कॉन/टी/25–26/48

कड़ी निगरानी हो

दवाओं के उत्पादन में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है। करीब 200 देशों में यहां से दवाएं निर्यात होती हैं और जेनेरिक दवाएं सबसे ज्यादा यहीं बनती हैं। इन उपलब्धियों के बीच राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप की वजह से बच्चों की मौत शर्मनाक है। इससे स्पष्ट है कि इस फील्ड में जिस तरह की निगरानी, मानक और सुरक्षा उपायों की जरूरत है, उसमें कोताही बरती जा रही है।

घटना के बाद एक्शन : तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप के नमूने में 48.6% डाइ एथिलीन ग्लाइकॉल (डीइजी) मिला है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार इसकी मात्रा 0.10% से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह एक खतरनाक इंडस्ट्रियल केमिकल है, जिसका इस्तेमाल गाड़ियों और मशीनों में होता है। इसकी वजह से पीड़ित बच्चों की किडनी फेल हो गयी। घटना सामने आने के बाद कार्रवाई का दौर जारी है। दवाएं वापस ली गयी हैं, केस दर्ज हुआ है और नैशनल रेगुलेटर अथॉरिटी सीडीएससीओ ने कई राज्यों में जांच की है।

पुरानी गलतियां : सवाल है कि पिछली गलतियों से क्या सीखा गया? भारत में बने कफ सिरप पहले भी सवालों में आ चुके हैं। 2022 में गाम्बिया में कई बच्चों की मौत के बाद डब्ल्यूएचओ ने एक भारतीय कंपनी के कफ सिरप को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसके बाद भी कई और जगहों से इसी तरह की शिकायत आयी।

तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप के नमूने में 48.6% डाइ एथिलीन ग्लाइकॉल (डीइजी) मिला है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार इसकी मात्रा 0.10% से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह एक खतरनाक इंडस्ट्रियल केमिकल है, जिसका इस्तेमाल गाड़ियों और मशीनों में होता है।

मानक से नीचे: भारत के फार्मास्युटिकल मार्केट का आकार लगभग 60 अरब डॉलर है। इसका बड़ा हिस्सा छोटी कंपनियों के पास है। सीडीएससीओ ने इस साल अप्रैल की अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ज्यादातर छोटी और मझोली कंपनियों की दवाएं जांच में तयशुदा मानक से कमतर पायी गयी। इस जांच में 68% एमएसएमइ फेल हो गयी थीं। इससे पहले, जब केंद्रीय एजेंसी ने 2023 में जांच की, तब भी 65% कंपनियों की दवाएं सब-स्टैंडर्ड मिली थीं।

जांच में तेजी : सरकार का अनुमान है कि इस साल देश का दवा निर्यात 30 अरब डॉलर को पार कर जायेगा। वहीं, 2030 तक फार्मा मार्केट के 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। लेकिन, इसके साथ चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। दवाओं की जांच और निगरानी अभी तक की कमजोर कड़ी साबित हुई है। रिसोर्स और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है। केंद्रीय और राज्य की नियामक एजेंसियों को ज्यादा बेहतर तालमेल के साथ और ज्यादा तेजी से काम करने की जरूरत है, क्योंकि यह मामला केवल इकॉनमी या देश की छवि ही नहीं, अनमोल जिंदगियों से जुड़ा है।

अभिमत आजाद सिपाही

भारत का संगठित घरेलू वस्त्र बाजार लगभग 142 से 145 बिलियन डॉलर का है और जब हम इसमें बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्र को शामिल करते हैं, तो यह 155 से 160 बिलियन डॉलर के करीब हो जाता है। करों की दर को युक्ति संगत बनाने जैसे अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की शुरूआत के साथ एवं फाइबर-तटस्थ व्यवस्था को अपना कर निर्माता अब बचत का लाभ सीधे खरीददारों को दे सकते हैं।

जीएसटी 2.0 वस्त्र उद्योग के पूर्ण परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है

गिरीराज सिंह

1 जुलाई, 2017 को भारत में दशकों का सबसे साहसिक आर्थिक सुधार हुआ। मानसून की उस एक सुबह, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने 17 अलग-अलग करों और 13 उपकरों को एक एकीकृत ढांचे के साथ बदल दिया, जिससे मूल रूप से देश की राजकोषीय संरचना को नया आकार मिला। यह केवल एक कर सुधार नहीं था, यह एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की ओर भारत की साहसिक यात्रा की शुरूआत थी। आठ साल बाद अब यह परिवर्तन किसी असाधारण घटना से कम नहीं लगता है। कर संग्रह 2017-2018 के 7.19 लाख करोड़ रुपये से तीन गुना बढ़कर 2024- 2025 में 22.08 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ तीन गुना हो गया है। इसके साथ ही करदाताओं का आधार 65 लाख से दोगुना होकर 1.5 करोड़ हो गया है, जिससे लाखों लघु उद्यमों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल किया जा सका है। इस आधार पर आगे बढ़ते हुए, भारत ने अब 22 सितंबर, 2025 से अगली पीढ़ी के जीएसटी युग में प्रवेश कर लिया है, जिसमें इस प्रणाली को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्लैब में सुव्यवस्थित कर दिया गया है, साथ ही इसमें 40 प्रतिशत की स्लैब लग्जरी और डिमेरिट वस्तुओं के लिए रखी गयी है।

2,500 रुपये तक की कीमत वाले रेडीमेड कपड़ों पर भी केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा

घरों में दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएं, दवाओं और शिक्षा सामग्री की आपूर्ति पर 0 से 5 प्रतिशत के बीच कर लगने से परिवारों को अधिक बचत होगी, जबकि किसानों को ट्रैक्टरों, टायरों, कीटनाशकों और सिंचाई उपकरणों पर कम जीएसटी लगने से अधिक लाभ प्राप्त होगा जिससे इनपुट लागत में कमी आयेगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी। इसके साथ ही ऑटो सेक्टर को भी इससे बड़ी राहत मिली है क्योंकि स्कूटर और कारों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। अब 2,500 रुपये तक की कीमत वाले (पहले 1,000 रुपये) रेडीमेड कपड़ों पर भी केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। मैंने एक कॉलेज छात्र से बातचीत की और जब उससे कपड़ों के बारे में पूछा तो उसने कहा, 'अब त्योहारों की खरीदारी ने मेरी जेब पर पड़ने वाले बोझ को बहुत कम कर दिया है। अब उसी बजट से मैंने एक की बजाय दो ट्रेंडी शर्ट खरीदीं हैं। मुझे जीएसटी स्लैब के बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि अब कपड़े खरीदना अधिक सस्ता हो गया है।' इसके विपरीत, पान मसाला, तंबाकू, ऑनलाइन गेम्स, लग्जरी एसयूवी और कैसिनो जैसे लग्जरी और डिमेरिट सामान अब 40 प्रतिशत स्लैब के अंतर्गत आते हैं। इस सुधार ने 'फिट इंडिया, हेल्दी इंडिया' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए उत्तरदायी उपभोग को बढ़ावा दिया है, जो बचत का एक वास्तविक स्वरूप है और जैसे इन सुधारों से परिवारों, किसानों और उद्योगों को राहत मिलती है, वैसे ही ये हमारे वस्त्र क्षेत्र को भी नयी ताकत देते हैं।

जीएसटी 2.0 वस्त्र उद्योग के पूर्ण परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है, जो कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार उपलब्ध कराने वाला क्षेत्र है और आत्मनिर्भर भारत का एक जीवंत उदाहरण है।

जीएसटी 2.0, 350 बिलियन डॉलर के वस्त्र उद्योग को नयी ऊर्जा प्रदान कर रहा है : भारत में वस्त्र उद्योग बहुत बड़ा है, जो आजीविका और निर्यात दोनों को प्रभावित करता है। आज, इस उद्योग का आकार 179 बिलियन डॉलर है और यह 4.6 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है, जिनमें से अधिकांश महिलाएं हैं। अब सरकार का लक्ष्य 2030 तक इस उद्योग के आकार को लगभग दोगुना करके 350 बिलियन डॉलर करना है, जिससे देश भर के परिवारों के लिए रोजगार और आय के और भी अधिक और नये अवसर पैदा होंगे।

भारत का संगठित घरेलू वस्त्र बाजार लगभग 142 से 145 बिलियन डॉलर का है और जब हम इसमें बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्र को शामिल करते हैं, तो यह 155 से 160 बिलियन डॉलर के करीब हो जाता है। करों की दर को युक्ति संगत बनाने जैसे अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की शुरूआत के साथ एवं फाइबर-तटस्थ व्यवस्था को अपना कर निर्माता अब बचत का लाभ सीधे खरीददारों को दे सकते हैं। उपभोक्ताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए, जिनका 2047 तक भारत के लक्षित उपभोक्ता आधार का 60 प्रतिशत बनाने की उम्मीद है उनके लिए ये सुधार सबसे बड़ा लाभ लायेंगे। निम्न आय समूहों के साथ मिलकर, स्थानीय उद्योग को समर्थन देते हुए आवश्यक वस्त्रों के अधिक किफायती बनने से हर साल लगभग 8 से 10 बिलियन डॉलर की बचत होने का अनुमान है। ये सुधार कीमतों को कम करने से कहीं बढ़ कर है और यह सही मायनों में फैशन को और अधिक लोकप्रिय बनाने का प्रतिनिधित्व करता है। वस्त्र क्षेत्र के लिए जीएसटी 2.0 के सबसे बड़े बदलावों में से एक लंबे समय से चले आ रहे इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को ठीक करना है, जिसने मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र को कमजोर कर दिया था। इससे पहले, मानव निर्मित रेशों पर 18 प्रतिशत, सूत पर 12 प्रतिशत और कपड़ों पर केवल 5 प्रतिशत कर लगाया जाता था। इस संरचना ने कच्चे माल को तैयार उत्पादों की तुलना में महंगा बना दिया, जिससे कार्यशील पूंजी अवरुद्ध हो गयी और नया निवेश बाधित हुआ।

जीएसटी 2.0 में अब मानव निर्मित क्षेत्र में एक समान 5 प्रतिशत कर है, जो सही अर्थों में फाइबर तटस्थ इकोसिस्टम सृजित कर रहा है। लाखों एमएसएमइ के लिए, जो भारत के वस्त्र उद्योग का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा हैं, यह एक बड़ी राहत है। यह मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र के लिए वैश्विक केंद्र बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को मजबूत करता है और प्रतिवर्ष उत्पादित 22,000 मिलियन परिधानों को कम इनपुट लागत, बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा और अधिक बाजार मांग के साथ निर्मित करने में सक्षम बनाता है। यह सुधार न केवल कपड़ों को सस्ता बनाएगा और निर्यात को बढ़ावा देगा, बल्कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी मजबूत करेगा, जो हमारी विरासत और विकास दोनों को आगे बढ़ायेगा।

एक उदाहरण से इसे समझते हैं। इससे पहले सूरत में महिलाओं की सिलाई इकाई में मानव निर्मित फाइबर और धागे की लागत इतनी अधिक थी कि उनका लाभ मार्जिन कम हो जाता था और ऑर्डर अक्सर विदेशों में चले जाते थे। अब, जीएसटी 2.0 द्वारा करों को घटाकर एक समान 5 प्रतिशत करने के साथ, उनकी निवेश लागत कम हो गई है, वे अधिक ऑर्डर प्राप्त कर सकते हैं, उचित मजदूरी का भुगतान कर सकते हैं और यहां तक कि अपने व्यवसाय का विस्तार भी कर सकते हैं। इस तरह एक राष्ट्रीय सुधार सीधे आम श्रमिकों और परिवारों के जीवन को प्रभावित करता है।

यह लाभ यहीं खत्म नहीं होते। वाणिज्यिक माल वाहनों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत तथा लॉजिस्टिक्स सेवाओं पर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से वस्त्र आपूर्ति श्रृंखला में परिवहन लागत कम हो जाती है। यह सीधे तौर पर पीएम गति शक्ति और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति का सहयोग करता है और साथ ही वैश्विक बाजारों में भारतीय वस्त्र निर्यात को मजबूत बनाता है।

संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला की ओर से, मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को सरलता, निष्पक्षता और विकास की ओर ले जाने में उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। जीएसटी 2.0 हमारी सुधार यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और यह वर्ष 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर होने का रोडमैप निर्धारित करता है।

(लेखक 21वें केंद्रीय कपड़ा मंत्री हैं)

कोल्हान की खबरें

सरायकेला-खरसावां दौरे पर पहुंची सरकारी उपक्रम समिति

विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। झारखंड विधानसभा की सरकारी उपक्रम समिति ने सरायकेला-खरसावां जिले का दौरा कर विभागीय अधिकारियों संग बैठक की। बुधवार को बैठक मे विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। समिति ने हाथियों के प्रकोप से प्रभावित परिवारों को राहत व उपकरण देने, वन संरक्षण बढ़ाने तथा अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिये। वही उत्पाद विभाग को निर्धारित दर से अधिक राशि वसूलने की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने को कहा। आदित्यपुर क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए नगर निकाय व वन विभाग को समन्वय से काम करने, आयुष्मान भारत योजना के तहत सभी पात्रों को जोड़ने, ग्रामीण सड़कों पर भारी वाहनों की निगरानी तथा पशुधन योजना के लाभुकों को शीघ्र पशु वितरण के निर्देश दिए। समिति ने सभी विभागों को पारदर्शिता, जवाबदेही और आपसी समन्वय के साथ योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

मानसिक तनाव के कारण युवक ने पी कीटनाशक

मनोहरपुर (आजाद सिपाही)। जराइकेला थाना क्षेत्र के लाइलोर बाबू टोला निवासी 34 वर्षीय नंदलाल मुंडारी ने मानसिक तनाव के कारण कीटनाशक दवा पी ली। परिजनों द्वारा उसे गंभीर हालत में सीएचसी मनोहरपुर में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।परिजनों के अनुसार नंदलाल पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से अस्वस्थ था। चिकित्सकों के अनुसार युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है और लगातार निगरानी में रखा गया है।

झामुमो की बैठक में संगठन विस्तार और शहादत दिवस की तैयारी पर चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

मनोहरपुर। झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड स्तरीय बैठक मनोहरपुर वन विश्रामागार में प्रखंड अध्यक्ष रंजीत यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बुधवार को बैठक में संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने और आगामी कार्यक्रम रणनीति तय की गयी। बैठक में आगामी 14 अक्टूबर को गोइलकेरा हाट मैदान में जल, जंगल और जमीन आंदोलन के प्रणेता शहीद देवेंद्र मांझी के शहादत दिवस पर विराट श्रद्धांजलि सभा आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए गये। बैठक में वरिष्ठ नेता अशोक वर्मा, पंकज महतो, बंधना उरांव, किशोर कुमार खलखो, विनोद सिंह, इंदु हेम्ब्रोम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परविंदर सिंह ने संभाला पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस अध्यक्ष का पदभार

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। बिष्टूपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित समारोह में परविंदर सिंह ने पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। बुधवार को निवर्तमान अध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे ने अंगवस्त्र व बुके भेंट कर उनका स्वागत किया और पदभार सौंपा। समारोह में पूर्व सांसद डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू, पूर्व जिलाध्यक्ष रामाश्रय प्रसाद, रविन्द्र झा, प्रदेश महासचिव अजय सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। डॉ बलमुचू ने संगठन को पंचायत और बूथ स्तर तक मजबूत करने पर बल दिया।नव नियुक्त अध्यक्ष परविंदर सिंह ने सभी वरिष्ठ नेताओं से सहयोग का आश्वासन लिया और संगठन को नई ऊर्जा से आगे बढ़ाने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन संजय सिंह आजाद व ब्रजेंद्र तिवारी ने की।मौके पर अवधेश सिंह, अरूण कुमार सिंह, रजनीश सिंह, अमित श्रीवास्तव, राजीव मिश्र, डॉ परितोष सिंह, शिबु सिंह, चिन्ना राव, विश्वजीत जेना, मो आविद, संजय तिवारी, मनोज झा,प्रभात ठाकुर सहित सैकड़ो कांग्रेसी जिला कांग्रेस अध्यक्ष परविंदर सिंह का भव्य स्वागत किया।

गुवा अयस्क खान के सीजीएम कमल भास्कर बने छत्तीसगढ़ स्टील प्लांट के कार्यकारी निदेशक

गुवा (आजाद सिपाही)। गुवा अयस्क खान के मुख्य महाप्रबंधक कमल भास्कर को उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के लिए पदोन्नत कर छत्तीसगढ़ स्टील प्लांट का कार्यकारी निदेशक बनाया गया।कमल भास्कर गुवा खदान में उत्पादन क्षमता बढ़ाने और श्रमिकों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित कर उल्लेखनीय कार्य की है। उनकी पदोन्नति पर गुवा और बोकारो स्टील प्लांट यूनियनों ने खुशी व्यक्त की। मजदूर नेता राम पांडे (सीटू), रमेश गोप, मुकेश लाल (बीएमएस), समीर पाठक, विश्वजीत तांती और मनोज सिंह सहित कई नेताओं ने उन्हें कार्यकारी निदेशक बनने पर बधाई दी। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नारी शक्ति ने 60 समाजसेवी महिलाओं को किया सम्मानित

विजया मिलन सह महिला सम्मान समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बिस्टुपुर स्थित चैम्बर भवन में सामाजिक संस्था नारी शक्ति के तत्वावधान में विजया मिलन सह महिला सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की अध्यक्ष अपर्णा गुहा ने की। इस अवसर पर समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कला एवं अन्य क्षेत्रों में सक्रिय 60 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष मानव केडिया, उपाध्यक्ष अनिल मोदी, कांग्रेस जिला अध्यक्ष परविंदर सिंह, जिला परिषद सदस्य डॉ. परितोष सिंह, बंग बंधु महासचिव उत्तम गुहा, परसुडीह थाना प्रभारी अभिनाश कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अतिथियों ने नारी शक्ति द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा ऐसे आयोजन समाज में महिलाओं की भूमिका को पहचान देने का कार्य करती हैं।

अध्यक्ष अपर्णा गुहा ने कहा संस्था हर वर्ष इस आयोजन के माध्यम से उन महिलाओं को मंच देते हैं जो घरेलू जिम्मेदारियों के साथ-साथ समाज सेवा में भी अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। मौके पर देवांजलि रायचौधरी के द्वारा 'भवानी दयानी' गीत पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत की गयी। इसके अतिरिक्त अन्वेषा बरूआ, रत्ना पात्र एवं अनुशिखा दे ने एकल नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।समारोह के अंत में समाज हित में कार्य कर रही 60 महिलाओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ और उपस्थित जनसमूह ने इसे एक प्रेरणादायक पहल बताया।इस अवसर पर पूरबी घोष, शुभंकर चटर्जी, विजय खां, उत्थान मुखर्जी, प्रिंस सिंह, अशोक दत्ता, अजय मंडल सहित शहर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

महिला सशक्तिकरण पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

आजाद सिपाही संवाददाता

चक्रधरपुर। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के तत्वावधान में मनोहरपुर प्रखंड के मेदासाई में बुधवार से चार दिवसीय महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरूआत हुई। कार्यशाला का उद्घाटन डीपीएम धीरज प्रसाद और बीपीएम नरेश कुम्हार ने दीप प्रज्वलित कर किया। मास्टर ट्रेनर बिनीता गुप्ता और रीना दास ने महिलाओं को सामाजिक कुरीतियों जैसे घरेलू हिंसा, बाल विवाह, बाल श्रम, डायन प्रथा, मानव तस्करी और लिंग भेदभाव पर जागरूक किया। दर्जनों ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी वाली इस कार्यशाला का उद्देश्य उन्हें आत्मनिर्भर और समाज में जागरूक नेतृत्वकर्ता बनाना है।

गुआ डाकघर में 50 लाख के घोटाला मामले में उप डाकपाल गिरफ्तार

गुआ (आजाद सिपाही)। गुआ डाकघर में 50 लाख रुपये की फर्जी निकासी का एक मामला प्रकास में आया है। बुधवार को पुलिस ने तत्कालीन उप डाकपाल विकास चंद्र कुईला को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है उसने ग्राहकों की जमा पूंजी को ऑनलाइन जुआ और कसीनो ऐप्स पर खर्च कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार मामला बीते एक फरवरी 2023 से 19 जून 2025 के बीच का है। आरोपी ने 50,56,473 की गबन की। पुलिस जांच में सामने आया रकम को स्थानीय जुआ स्थलों में दांव पर लगाया गया था। पुलिस ने आरोपी के बैंक खातों में संदिग्ध लेनदेन पाए और टुंगरी स्थित उसके घर से उसे गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर ली। वरिष्ठ डाक अधीक्षक ने भरोसा दिलाया तीन माह के अंदर गबन की गयी राशि लौटायी जायेगी।

भाजपा की कार्यशाला में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान पर दिया जोर

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड भाजपा की ओर से आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान पर एक दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को हाई स्कूल के स्टेडियम में आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रूपू महतो ने की। कार्यशाला में प्रभारी राजकुमार मद्धेशिया एवं हरेंद्र कुमार द्विवेदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान में कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया। कहा कि अभियान को सफल बनाकर भारत अपनी बुलंदियों और उपलब्धियां को छूते हुए सदियों पुरानी अपने वासुदेव कुटुंबकम के आदर्श को स्थापित कर पूरे विश्व को प्रभावित कर सकेगा। कार्यशाला में महेंद्र सिंह, कृष्ण प्रसाद कुशवाहा, अमित कुमार, राजेश यादव, चंद्रमणि पाठक, नरेश सिंह, उपेंद्र गुप्ता आदि कार्यकर्ता शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने किया।

सतीश भगत बने सगमा के नये बीडीओ

सगमा/गढ़वा (आजाद सिपाही)। सगमा प्रखंड के नए बीडीओ सह सीओ के रूप में सतीश भगत ने पदभार ग्रहण किया। उन्होंने धुरकी प्रखंड के बीडीओ सह सीओ बिमल कुमार सिंह से औपचारिक रूप से प्रभार लिया। इसके बाद सतीश भगत ने प्रखंड एवं अंचल के सभी कर्मियों से परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि सगमा प्रखंड को जिले के विकसित प्रखंडों की श्रेणी में लाने के लिए सबको मिलजुलकर कार्य करना होगा। कहा कि विकास योजनाओं को धरातल पर उतारना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो वे सीधे उनसे संपर्क करें, प्राथमिकता के आधार पर उसका समाधान किया जाएगा। इस मौके पर प्रधान सहायक चोन्हास एक्का, रविरंजन कुमार, अजीत कुमार, सुरेंद्र कुमार सिंह, बीपीओ कुमार अभय, राजदेव सिंह, सूर्यदेव सिंह, प्रिया कुमारी, सुरेंद्र ठाकुर, मनोरंजन कुमार, सरोज कुमार और सतीश उरांव शामिल थे।

सिंदूर पीकर महिला ने किया आत्महत्या का प्रयास

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के कैलान मंगरदह टोला में मंगलवार की देर शाम आपसी विवाद के बाद एक महिला ने सिंदूर पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, शांति देवी ने पति अजय भुइंया से फोन पर हुई कहासुनी के बाद यह कदम उठाया। तबीयत बिगड़ने पर स्वजनों ने उसे तत्काल भवनाथपुर सीएचसी में भर्ती कराया, जहां डॉ इंद्रकिशोर विश्वकर्मा ने प्राथमिक उपचार किया। फिलहाल महिला की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। पता चला है कि अजय भुइंया की शादी इसी वर्ष हुई थी। शांति देवी दशहरा पर अपने मायके आई थी। फोन पर पति से विवाद के बाद उसने यह कदम उठाया।

दो दिव्यांगों को मिली ट्राई साइकिल

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को समाज कल्याण विभाग की ओर से दिए जाने वाले दो दिव्यांग जनों के बीच ट्राई साइकिल वितरण किया गया। गढ़वा पीएलभी सदस्यों के प्रयास से अकलवानी की जिरा मनी देवी और कुंभी के संतोष चौधरी को प्रखंड प्रमुख दीपमाला कुमारी, सीओ सह प्रभारी परियोजना पदाधिकारी यशवंत नायक द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सदस्यों और ग्रामीणों के बीच दोनों लाभुको को ट्राई साइकिल प्रदान किया गया। प्रखंड प्रमुख ने कहा कि गढ़वा डीएलएसए के सभी पीएलभी टीम भावना से कार्य करते हुए सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने में प्रयत्नशील रहते है। मौके पर पीएलभी संगीता सिन्हा, यशवंत मिश्रा, रामशंकर चौबे, उमाशंकर दुबे, जीतेन्द्र कुमार, दीपक कुमार, कन्हैया प्रजापति आदि उपस्थित थे।

रारो में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना को लेकर ग्राम सभा का हुआ आयोजन

डंडई (आजाद सिपाही)। प्रखंड के रारो पंचायत सचिवालय सभागार में बुधवार को मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मुखिया सुनीता देवी ने की। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए ग्राम सभा पंजी में अपने-अपने नाम दर्ज करवाए। इस दौरान पंचायत सचिव दीपक कुमार तिवारी ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के चयन प्रक्रिया और विभिन्न घटकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बताया कि इस योजना के अंतर्गत बकरा विकास योजना, गाय विकास योजना, कुक्कुट (मुर्गी) पालन योजना, सुकर (सुअर) पालन योजना सहित अन्य योजनाएं शामिल हैं। मुखिया सुनीता देवी ने इस योजना को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने ग्रामीणों से योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने और पशुपालन को एक सशक्त आजीविका का माध्यम बनाने की अपील की। ग्राम सभा में मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र ठाकुर, रारो उत्तरी बीडीसी अरविंद पासवान, दक्षिण बीडीसी तेज बहादुर सिंह, शकील अंसारी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कुरीतियों-अपराधों के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक

धुरकी/गढ़वा (आजाद सिपाही)। धुरकी थाना प्रभारी जनार्दन राउत ने बुधवार को 10+2 हाई स्कूल में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने नवम एवं दशम वर्ग के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए समाज में व्याप्त विभिन्न कुरीतियों और अपराधों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बच्चों को विशेष रूप से साइबर अपराध, दहेज प्रथा, नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करते समय अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए। किसी भी अनजान व्यक्ति को अपनी निजी जानकारी साझा न करें और किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। दहेज प्रथा और नशे की बुराई पर बोलते हुए कहा कि ये दोनों सामाजिक बुराइयां हैं जो परिवार और समाज को अंदर से कमजोर करती हैं। युवाओं को इनसे दूर रहना चाहिए और समाज में जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी उठानी चाहिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा पर भी जोर देते हुए कहा कि वाहन चलाते समय हेलमेट या सीट बेल्ट का प्रयोग करें और यातायात नियमों का पालन अवश्य करें। जनार्दन राउत ने छात्र-छात्राओं से कहा कि वे अपने जीवन में अनुशासन और ईमानदारी को अपनाएं ताकि समाज में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में पहचान बना सकें। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूल के छात्र भविष्य के राष्ट्र निर्माता हैं।

ट्रेलर की चपेट में आने से युवक की मौत

फूफा के घर से बाइक से लौटने के क्रम में हुआ हादसा

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग-343 पर स्थित खुदवा मोड़ के पास बुधवार की सुबह तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से 28 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी पहचान राजन सोनी के रूप में हुई है। वह अंबिकापुर का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, राजन सोनी अपने फुआ के घर से बाइक पर सवार होकर अंबिकापुर लौट रहा था। तभी सुबह 7.30 बजे रंका-अंबिकापुर मुख्य मार्ग के खुदवा मोड़ के पास विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रेलर ने उसे जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे वह सड़क पर गिर गया और ट्रेलर का पिछला चक्का उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। उधर, घटना की सूचना लोगों ने तुरंत विश्रामपुर पंचायत के समाजसेवी विवेक कुमार उर्फ छोटू सिंह को दी। उन्होंने तुरंत रंका थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह को घटना की जानकारी दी। खबर पाते ही थाना प्रभारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने ट्रेलर और बाइक को जब्त कर लिया। साथ ही मृतक के शव को कब्जे में लेकर थाना लाया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है। जैसे ही परिजन रंका थाना पहुंचेंगे, पुलिस पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेजेगी। वहीं, स्थानीय लोगों की मानें तो राष्ट्रीय राजमार्ग 343 के इस हिस्से पर अक्सर भारी वाहनों के तेज रफ्तार से गुजरने के कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की कि इस क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर और सावधानी संकेत बोर्ड लगाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों।

कांडी बाजार में अनियंत्रित हाइवा ने बाइक को मारी टक्कर, बीच-बचाव को पहुंची पुलिस पर हुआ हमला

कांडी (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के कांडी-मझिआंव मुख्य सड़क स्थित कांडी बाजार में मंगलवार की देर शाम एक अनियंत्रित हाइवा ने सड़क किनारे खड़ी बाइक को टक्कर मार दी। यही नहीं, हाइवा कुछ दूर तक बाइक को घसीटते हुए आगे ले गया, जिससे बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो मंझिआंव की ओर से आ रही तेज रफ्तार हाइवा के बाजार में घुसते ही अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए झुग्गी-झोपड़ियों और दुकानों से भागने लगे। इसकी सूचना मिलने पर कांडी थाना प्रभारी मोहम्मद अशफाक आलम पुलिस बल के साथ पेट्रोलिंग पर निकले और कांडी पेट्रोल पंप के पास हाइवा को रोकने की कोशिश की। लेकिन चालक तेज गति से वाहन लेकर आगे बढ़ गया। थाना गेट के पास पुलिस ने ब्रेकिंग लगाकर हाइवा को रोका। इस दौरान चालक आशिफ रजा जैसे ही वाहन से नीचे उतरा, लगभग 50 की संख्या में बाइक सवार युवकों ने उस पर हमला कर दिया। मौके पर मौजूद थाना प्रभारी और पुलिसकर्मियों ने उग्र भीड़ से चालक की जान बचाई। यह देख आक्रोशित लोगों ने पुलिस पर बी हमला कर दिया। उनपर पथराव और मारपीट की। यह देख स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए अतिरिक्त बल बुलाया गया। पुलिस ने मौके से 10 बाइक भी जब्त की। साथ ही कांडी थाना में 10 नामजद और 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना कांड संख्या 109/25 के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल क्षतिग्रस्त बाइक के मालिक की पहचान नहीं हो पाई है। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही मंझिआंव पुलिस के अवर निरीक्षक बृज कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और हाइवा को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

वीसी ने प्राचार्य, शिक्षकों एवं कर्मियों के साथ की चर्चा

गढ़वा (आजाद सिपाही)। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ) एमके सिंह ने 'कुलपति महाविद्यालय के द्वार' स्व-निर्धारित कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय परिसर में सिअथत वनांचल नर्सिंग महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों एवं गैर-शिक्षकों के साथ विचार विमर्श किया। कुलपति ने बीएससी नर्सिंग (सत्र 2025-28) के विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें परीक्षा परिणाम और पेशेवर जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरक सुझाव दिए। इस क्रम में वनांचल कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या प्रो (डॉ) मरियम्मा जकारिया एवं वनांचल स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या दिव्या तिरु ने कुलपति के साथ महाविद्यालय से संबंधित विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

डीसी ने किया मंडल कारा का औचक निरीक्षण

गढ़वा (आजाद सिपाही)। डीसी दिनेश कुमार यादव ने गढ़वा स्थित मंडल कारा का बुधवार को औचक निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने जेल के प्रत्येक वार्ड का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कैदियों से सीधे संवाद करते हुए उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं जैसे भोजन, पेयजल, कंबल एवं सोने की व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। डीसी ने मंडल कारा के अस्पताल वार्ड का भी निरीक्षण किया और वहां भर्ती कैदी मरीजों से उनका हालचाल जाना। इस दौरान जेल परिसर एवं सेल की साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक पाई गई। कैदियों ने डीसी को बताया कि उन्हें जेल प्रशासन द्वारा भोजन सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं संतोषजनक रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके बाद डीसी ने मंडल कारा के वीसी रूम, मुलाकाती कक्ष, लाइब्रेरी सहित अन्य तकनीकी एवं प्रशासनिक सुविधाओं की भी बारीकी से जांच की। निर्देश दिया कि कैदियों की रुचि के अनुरूप लाइब्रेरी में और अधिक प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद पुस्तकों को जोड़ा जाए, ताकि वे अपने सुधार एवं आत्म-विकास की दिशा में आगे बढ़ सकें। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा सह अधीक्षक मंडल कारा संजय कुमार, जेलर मेहसाद आलम सहित जेल प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

रामा साहू और मोरबे स्कूल की टीम बनी चैंपियन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिला स्तरीय कबड्डी खेल प्रतियोगिता में जिला के सभी प्रखंडों से आए छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता बालक और बालिका वर्गों में तीन आयु वर्गों अंडर-14, अंडर-17, और अंडर-19 के अंतर्गत किया गया। अंडर-19 (बालक वर्ग) में रामा साहू की टीम ने मझिआंव प्रखंड को, अंडर-19 (बालिका वर्ग) में बालिका विद्यालय भवनाथपुर की टीम ने भंडरिया प्रखंड को, जबकि अंडर-17 वर्ग के बालक-बालिका वर्ग में उत्क्रमित हाई स्कूल मोरबे की टीम ने दोनों वर्ग में सफलता पाई। बालक वर्ग में बिशुनपुरा प्रखंड को और बालिका वर्ग में चिनिया प्रखंड को हराकर चैंपियन बनी।

सुमित्रा देवी ने की छठ घाटों की सफाई-समतलीकरण की मांग

मझिआंव (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत क्षेत्र में छठ महापर्व को लेकर मझिआंव नगर पंचायत की निवर्तमान अध्यक्ष सुमित्रा देवी ने कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार को आवेदन देकर विशेष पहल की मांग की है। कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के सभी वार्डों में छठ घाट, तालाब, नदी किनारे एवं पहुंच पथ की साफ-सफाई और समतलीकरण कराया जाए। साथ ही घाटों की मजबूती, गंदगी की सफाई, टूटी सड़कों की मरम्मत और प्रकाश की व्यवस्था करने की आवश्यकता हैं।

'कॉफी विद एसडीएम' में छठ पूजा की तैयारियों की बनी रूपरेखा

छठ महापर्व स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से ही मनाया जायेगा : एसडीएम

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार के नियमित साप्ताहिक संवाद कार्यक्रम 'कॉफी विद एसडीएम' में बुधवार को क्षेत्र के विभिन्न छठ पूजा समितियों के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं और सुझाव रखे। ज्यादातर साफ-सफाई, प्रकाश एवं विधि व्यवस्था से जुड़े मामले आये। वहीं, मिले सुझावों के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी ने समय पर आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिया। बैठक में फ्रेंड्स क्लब, न्यू गोल्डन क्लब, बजरंगी क्लब, न्यू प्रिंस क्लब नगवां, जागृति युवा क्लब जोबरैया, सतबहिनी झरना समिति कांडी, सूर्यांश क्लब सहेजना, शिव क्लब करमडीह, छठ सेवा समिति पीएचईडी कॉलोनी सहेजना, स्टूडेंट क्लब, जयदेवी क्लब टंडवा, छठ पूजा समिति बाना, छठ पूजा समिति कल्याणपुर तथा भाष्कर पूजा समिति नगवां आदि के प्रतिनिधि शामिल हुए और अपने सुझावों को रखा। एसडीएम ने सभी समितियों को आश्वस्त किया कि प्रशासन की ओर से छठ पर्व को शांतिपूर्ण, स्वच्छ और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए हरसंभव व्यवस्था की जाएगी। कहा कि समितियां और प्रशासन परस्पर सहयोगी हैं और दोनों का सामूहिक लक्ष्य एक ही है कि गढ़वा में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ अच्छे माहौल में छठ पर्व मनाया जाए। कहा कि गढ़वा में छठ पर्व का आयोजन जिस भव्यता के साथ मनाया जाता है उसकी चर्चा झारखंड और बिहार में होती है। वहीं, पूर्व पार्षद एवं समाजसेवी जितेंद्र सिंहा ने कहा कि छठ पर्व की पारंपरिकता को बनाए रखना जरूरी है, इसलिए इस पवित्र महापर्व को मेला, डीजे और चकाचौंध से यथासंभव पृथक ही रखना होगा। फ्रेंड्स क्लब के अरुण जायसवाल एवं स्टूडेंट क्लब के विनोद जायसवाल ने दानरो नदी के किनारे स्थाई नालियों के निर्माण की बात रखी। उन्होंने दिवाली से पहले ही छठ घाटों की साफ सफाई करने का अनुरोध किया। टी ग्रुप के ब्रजेश उपाध्याय और जय देवी संघ के टिंकू गुप्ता ने ध्वनि विस्तारकों पर नियंत्रण रखने का सुझाव दिया। जबकि टिंकू गुप्ता के अलावा सतबहिनी झरना समिति के प्रतिनिधि नवल किशोर तिवारी, सूर्यांश क्लब के अभिषेक कुमार, नगवां के मणि शर्मा, दीपुआ मोहल्ला के पंकज कुमार, तरके के अक्षय कुमार, जोबरैया के जितेंद्र पाल, हनुमान नगर के नागेंद्र कुमार दुबे, बाना के राहुल चंद्रा आदि ने विभिन्न विधि व्यवस्था संबंधी विषयों को एसडीएम के समक्ष रखा, जिस पर उन्होंने आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिया।

दीपावली एवं छठ महापर्व में सफाई और रौशनी को लेकर कार्यपालक पदाधिकारी ने की बैठक

गढ़वा (आजाद सिपाही)। दीपावली एवं छठ महापर्व को देखते हुए नगर परिषद कार्यालय में कार्यपालक पदाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें नगर परिषद के सभी कर्मी, पदाधिकारी एवं प्रभारी उपस्थित रहे। इसमें निर्देश दिया कि शहर के सभी छठ घाटों की विशेष साफ-सफाई की जाए। इसके लिए प्रत्येक छठ घाट पर एक-एक सफाई सुपरवाइजर, राजस्व निरीक्षक एवं कनीय अभियंता को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी देखरेख में जेसीबी मशीन एवं सफाई कर्मियों की टीम तैनात कर घाटों की संपूर्ण सफाई कराई जाएगी। इसके अलावा दीपावली और छठ पर्व पर शहर की स्ट्रीट लाइट एवं पेपर लाइट की मरम्मत कराने का भी निर्देश दिया गया। पर्व को देखते हुए नगर परिषद ने सभी कर्मियों की छुट्टियां भी रद्द कर दी हैं। इस मौके पर नगर प्रबंधक ओमकार यादव, कनीय अभियंता संदीप कुमार, अभिषेक कुमार, भानु प्रताप, अमन चोरसिया, सेनेटरी सुपरवाइजर भूपेंद्र यादव, विद्युत अभियंता, दिव्या कुमारी, राजस्व निरीक्षक सौरव आनंद, रूपेश कुमार, पंकज टोप्पो, शहर के लाइट इंस्पेक्टर पंकज कुमार, सफाई प्रभारी रामानुज प्रसाद आदि उपस्थित थे।

आत्मनिर्भर भारत अभियान को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने लिया स्वदेशी अपनाने का संकल्प

हरिहरपुर (आजाद सिपाही)। हरिहरपुर भाजपा मंडल की ओर से मंगलवार को आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बिनोद बिहारी द्विवेदी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश किसान मोर्चा के कार्यकारिणी सदस्य एवं कार्यक्रम प्रभारी रामलला दूबे उपस्थित रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान पर कार्यकर्ताओं ने देश में निर्मित वस्तुओं के उपयोग और विदेशी सामानों के बहिष्कार का संकल्प लिया। कहा कि स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर ही देश को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने यह भी संकल्प लिया कि वर्ष 2047 तक देश को विश्वगुरु बनाने के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने में सक्रिय योगदान देंगे। बैठक में संतोष सिंह, निर्मल विश्वकर्मा, ईश्वरी मेहता, रामाकांत मेहता, राहुल सिंह, बिनोद प्रसाद (पूर्व मुखिया, कांडी), गोरख मेहता, बैजनाथ मिश्रा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छह पूजा से पहले सड़क मरम्मत की मांग

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। अरसली उतरी के ग्रामीणों ने बुधवार को बीडीओ नंदजी राम को लिखित आवेदन देकर बीते दिनों भारी बारिश से गड़ले टोला में क्षतिग्रस्त हुई सड़क और पुलिया को छठ महापर्व से पहले दुरुस्त कराने की मांग की है। ग्रामीण अभिषेक कुमार, अभिमन्यु कुमार, सतीश पासवान, मंटू कुमार, सूरज, चंदन विश्वकर्मा आदि ने आवेदन देकर बताया कि आजादी के 79 वर्ष बीत जाने के बाद भी हमारे टोले में न तो पक्की सड़क का निर्माण हुआ और ना ही स्वास्थ्य सुविधा बहाल हो सकी है, जबकि इस टोले की आबादी करीब 600 है। कहा कि तीन अक्टूबर की रात हुई बारिश से अरसली उतरी छठ घाट से गड़ले टोला होते हुए बाईसाना पहाड़ तक मुख्य कच्ची सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं।

कार्यालय, जिला स्वास्थ्य समिति-अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम, लोहरदगा

26 वाँ विश्व दृष्टि दिवस
09 अक्टूबर 2025 से पूरे माह
अपनी आँखों से प्यार करें ("Love Your Eyes ")

उद्देश्य
अंधेपन से बचने और दृष्टि नुकसान के मुद्दे पर ध्यान केन्द्रित करना

- बाल्यावस्था में अंधापन से ग्रसित बच्चों का नेत्र जाँच एवं उपचार अवश्य कराएँ।
- बच्चें जिसका उम्र 06 वर्ष से ऊपर है उन्हें वर्ष में एक बार नेत्र जाँच अवश्य कराएँ।
- 40 वर्ष से अधिक उम्रवाले व्यक्ति वर्ष में एक बार नियमित नेत्र जाँच अवश्य कराएँ।
- मेतियाबिन्द या मधुमेह होने के स्थिति में वर्ष में एक बार नियमित नेत्र जाँच अवश्य कराएँ।

सभी सरकारी अस्पतालों में नेत्र जाँच एवं उपचार की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिए जिला अस्पताल अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र/ ए0एन0एम0/ सी0एच0ओ0/ सहिया से सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड

निवेदक–
जिला स्वास्थ्य समिति– अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम लोहरदगा।

अपरमुख्य चिकित्सा पदाधिकारी–सह–सदस्य सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति–अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम, लोहरदगा

PR 363610 Lohardaga (25-26)_D

झारखण्ड सरकार
कार्यालय:जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,लोहरदगा

राजस्व जलकरों की अल्पकालीन बन्दोबस्ती के संबंध में

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, लोहरदगा जिला अन्तर्गत **किस्को अंचल** अवस्थित राजस्व जलकरो की अल्पकालीन बंदोबस्ती प्रथम तिथि दिनांक 17.10.2025 को **12:00** बजे पूर्वा0 को जलकरों की बन्दोबस्ती की जाएगी। कार्यालय अवधि तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में खुला डाक द्वारा विभागीय परिपत्र **सं0 114, दिनांक 18.01.1992** में निहित प्रकिया के अनुसार की जाएगी। खुला डाक में भाग लेने वाले व्यक्तियों को जलकर की प्रतिभूति राशि वार्षिक सुरक्षित जमा का 10 प्रतिशत जमानत के रूप मे जमा करना होगा। जमा की गई राशि उच्चमत डाक वक्ता को छोडकर शेष डाक वक्ताओं को डाक समाप्ति के उपरांत वापस कर दिया जाएगा। बंदोबस्ती तीन वर्षो अर्थात **2025–26 से 2027–28** तक के लिए होगी। यदि प्रखण्ड स्तरीय निबंधित मत्स्यजीवी सहयोग समिति जलकरों की बंदोबंस्ती लेने के लिए इच्छुक हो तो उन्हें जलकर बंदोबस्ती लेने हेतु वांछित कागजातों के साथ प्रस्ताव समर्पित करने पर उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। सफल डाक वक्ता को डाक समाप्ति के तुरंत बाद जलकर बंदोबस्ती की अधिकतम बोली की राशि जो एक वर्ष अर्थात 2025–26 के लिए होगी पूरी राशि एक मुश्त जमा करना अनिवार्य होगा राशि जमा नहीं करने पर उनका डाक रद्ध करते हुए जमानत की राशि को जब्त कर ली जायगी। शेष दो वर्षो का राजस्व समयावधि में जमा कर देना अनिवार्य होगा। सक्षम पदाधिकारी से बदोबस्ती की स्वीकृति प्राप्ति के पश्चात उंच्चतम डाक वक्ता को विभाग के साथ विधिवत एकरारनामा एवं निबंधन कराना होगा, जिसका पूरा व्यय डाक वक्ता को वहन करना होगा।

खुला डाक के लिए निर्धारित प्रथम तिथि से ही सभी जलकरों की बंदोबस्ती प्रकिया संपन्न की जाएगी। जिन जलकरों की बंदोबस्ती प्रकिया पूर्ण होगी अथवा पूर्व से बंदोबस्त होगी वह जलकर सूची से स्वतः बाहर समझा जाएगा तथा अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को स्थगित करने तथा रद्द करने का अधिकार सुरक्षित हेगा।

जलकरों की बंदोबस्ती ना होने पर सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को कार्यालय अवधि तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में की जायेगी।

राजस्व जलकरों की सूची निम्नवत है :–

अंचल :–किस्को

क0	जलकर कानाम	ग्राम	खाता सं0	प्लॉट सं0	रकबा (एकड़ में)	सुरक्षित जमा राशि
1	पोगरो तालाब	पोगरो	215	1675	3.14	3800/-
2	पीपर बाँध	परहेपाट	215	545	0.75	700/-
3	बेटहट मूतहा बाँध	बेटहट	196	142	0.98	1000/-
4	खरचा तालाब	खरचा	34	281	0.41	960/-

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, लोहरदगा

PR 363591 Lohardaga(25-26).D

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिलाध्यक्ष राजीव रंजन और महामंत्री सुनील अग्रवाल बने

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन से संबद्ध झारखंड प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन ने लोहरदगा जिला इकाई का पुनर्गठन करते हुए नयी टीम की घोषणा की है। संगठन ने एक बार फिर से राजीव रंजन अग्रवाल को लोहरदगा जिला इकाई का अध्यक्ष तथा सुनील अग्रवाल को महामंत्री मनोनीत किया है। इस संबंध में प्रदेश महामंत्री विजय खेमा का द्वारा मनोनयन पत्र जारी किया गया। मनोयन पत्र में कहा गया है कि अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन अग्रवाल समाज का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख संगठन है, जिसकी इकाइयां देश के लगभग सभी जिलों में सक्रिय हैं। समाज सेवा और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए यह दायित्व सौंपा गया है। इस अवसर पर नवमनोनीत अध्यक्ष राजीव रंजन अग्रवाल ने कहा कि यह मेरे लिए सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। समाज की एकता, शिक्षा, रोजगार और सेवा के क्षेत्र में लोहरदगा इकाई को राज्य स्तर पर अग्रणी बनाना मेरा लक्ष्य रहेगा। वहीं महामंत्री सुनील अग्रवाल ने कहा कि हमारी टीम सामाजिक समरसता, युवा वर्ग की भागीदारी और महिला मंडल की सक्रियता को बढ़ाने की दिशा में कार्य करेगी। संगठन को नयी ऊर्जा और दिशा देने के लिए हर संभव प्रयास किया जायेगा। प्रदेश नेतृत्व ने विश्वास जताया है कि नयी टीम समाज के उत्थान, एकता और संगठन के विस्तार में अहम भूमिका निभायेगी।

नौवीं राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता में लोहरदगा की 8 बालिकाएं चयनित

कुडू / लोहरदगा (आजाद सिपाही)। दिल्ली के गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में 9 से 12 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली नौवीं राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता में लोहरदगा जिले की आठ बालिका खिलाड़ियां भाग लेंगी। राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता रही इन खिलाड़ियों का चयन बीते अगस्त धनबाद में आयोजित राज्यस्तरीय गतका प्रतियोगिता में हुआ था। जिसमे 14 वर्ष आयु वर्ग में कैरो प्रखंड की पलक रानी, आकांक्षा, प्रियांशु और सिवनी कुमारी ने स्वर्ण पदक एवं 17 वर्ष आयु वर्ग में कुडू प्रखंड की रेणुका कुमारी, निकिता कुजूर, मीनाक्षी कुमारी और नैन्सी कुमारी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए थे। बुधवार 8 अक्टूबर को सभी खिलाड़ियां दिल्ली रवाना हुईं। रवाना करने के अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी उपमन, जिला शिक्षा पदाधिकारी सुनंदा दास, एडीपीओ तथा बाल कल्याण पदाधिकारी ने उन्हें आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। खेल पदाधिकारी ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारी बेटियाँ लोहरदगा और झारखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रौशन करेंगी। वहीं लोहरदगा गतका संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने उम्मीद जतायी कि सभी खिलाड़ी स्वर्ण पदक जीतकर लौटेंगी। जिला सचिव अमित कुमार सिंह ने टीम के उत्साह और मेहनत को देखकर शानदार प्रदर्शन की उम्मीद जतायी है।

तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। कुडू प्रखंड के लावागाई पंचायत में आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट बुधवार को बड़े उत्साह और आनंद के साथ संपन्न हुआ। इस फुटबाल टूर्नामेंट समापन में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि लाल विकास नाथ शाहदेव का आदिवासी रीति-रिवाज के तहत स्वागत किया गया और उन्हें मंच तक लाया गया। जहां उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल से युवाओं का शारीरिक और मानसिक विकास होता है, अनुशासन और टीम भावना बढ़ती है। ऐसे आयोजन खिलाड़ियों में उत्कृष्टता और मेहनत की भावना पैदा करते हैं। इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने अपने तन, मन और धन का योगदान देकर इमानदारीपूर्वक खेल प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार 18 हजार द्वितीय पुरस्कार 14 हजार और तृतीय पुरस्कार 10 हजार रखा गया था। फुटबॉल टूर्नामेंट में राजीव टाना भगत, वीरेंद्र यादव, विनोद भगत, फागु उरांव, रंजीत उरांव, महावीर उरांव सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट में सभी खिलाड़ियों और दर्शकों को खेल भावना, प्रतिस्पर्धा और उत्साह का अनुभव कराया।

बीडीओ ने आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

भंडरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत भैंसमुंदो गांव में अखड़ा के समीप संचालित आंगनबाड़ी केंद्र व केंद्र के समीप जलजमाव स्थल का निरीक्षण बुधवार को बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने किया। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर आंगनबाड़ी सेविका बिरसमुनि उरांव को केंद्र में पहुंचने वाले बच्चों की देखभाल, स्वास्थ्य और पोषण के अलावा शिक्षा के प्रति बच्चों को प्रेरित करने, उपस्थित बढ़ाने का निर्देश दिया है। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी स्थल के समीप वर्षो से जल जमाव के कारण उत्पन्न समस्या के निराकरण को लेकर जलजमाव के कारण बने गड्ढा का निरीक्षण किया। साथ ही कनीय अभियंता को जलजमाव से बने गड्ढे की भराई के लिए प्राक्कलन तैयार करने का निर्देश दिया है। बता दे कि दो दिन पूर्व उदरंगी पंचायत के मुखिया परमेश्वर महली ने उपायुक्त द्वारा आयोजित पंचायत कर गोईट कार्यक्रम के दौरान पंचायत की समस्याओं को लेकर उपायुक्त अवगत कराया था। इसके बाद बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने भैंसमुंदो गांव के आंगनबाड़ी केंद्र व केंद्र के समीप वर्षो से उत्पन्न जल जमाव स्थल का निरीक्षण कर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया है। मौके पर बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने कहा कि जल्द ही जलजमाव के कारण बना गड्ढा को भरवाया जायेगा। जल्द ही समस्या का समाधान करा दिया जायेगा। मौके पर मुखिया परमेश्वर महली, पंचायत सचिव अलोक लकड़ा सहित ग्रामीण मौजूद थे।

बीएस कॉलेज में यौन रोग पर जागरूकता अभियान

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। बीएस कॉलेज परिसर में बुधवार को झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वावधान में एचआइवी एवं यौन संचारी रोगों (एसटीडी/एसटीआइ) के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व आइसीटीसी काउंसलर डॉ अर्चना प्रसाद और एसटीआई काउंसलर बिंदेश्वर भगत ने किया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों को एचआईवी संक्रमण के कारण, बचाव के उपाय और समाज में फैली भ्रांतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्राचार्य डॉ. शशि गुप्ता ने कहा, ऐसे जागरूकता अभियान छात्रों में सही जानकारी और संवेदनशीलता पैदा करते हैं। समाज में भेदभाव मिटाने में शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है।

जनता के अधिकारों की रक्षा हमारी जिम्मेदारी : डॉ रामेश्वर उरांव

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। शहर के बरवाटोली टोली स्थित विधायक कार्यालय में बुधवार दोपहर को कांग्रेस ने लोकतंत्र की रक्षा और वोट की सुरक्षा के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सह स्थानीय विधायक डॉक्टर रामेश्वर उरांव ने अभियान की शुरुआत की और कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए। विधायक कार्यालय में कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, प्रखंड और मंडल अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में सभी पंचायत अध्यक्षों और प्रखंड अध्यक्षों को अभियान के लिए आवश्यक लक्ष्य और दस्तावेज सौंपे गये। इसके साथ ही पार्टी के मोर्चा संगठन को भी निर्देश दिये गये कि वह पूरे जिले में जोर-शोर से हस्ताक्षर अभियान चलाएं और जनता तक वोट की सुरक्षा और लोकतंत्र की महत्ता पहुंचाएं। डॉक्टर रामेश्वर उरांव ने कहा कि लोहरदगा जिले की 50 पंचायतों में हर पंचायत अध्यक्ष और प्रखंड अध्यक्ष को अभियान के लिए दस्तावेज और लक्ष्य सौंपे गये हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पंचायत में कम से कम 400 हस्ताक्षर जुटाये जायेंगे और पूरे दस्तावेजों को दिल्ली भेजा जायेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे नेता राहुल गांधी ने पूरे तथ्यों और सबूतों के साथ वोट चोरी उजागर की है। अब यह जिम्मेदारी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की है कि वे इस जानकारी को जन-जन तक पहुंचाएं और लोकतंत्र की रक्षा करें। उन्होंने कहा कि पिछले समय में चुनावी अनियमितताओं और वोट की चोरी ने जनता के अधिकार को प्रभावित किया है, इसलिए कार्यकर्ताओं को जागरूकता अभियान चलाकर वोट की रक्षा करनी होगी। मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने जनता को उनके मत और लोकतंत्र के महत्व के प्रति जागरूक करने की प्रतिबद्धता जतायी। अभियान का उद्देश्य केवल हस्ताक्षर जुटाना नहीं है, बल्कि जनता में यह संदेश पहुंचाना है कि लोकतंत्र को सुरक्षित रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। डॉक्टर रामेश्वर उरांव ने अंत में कहा कि अब वक्त है कि हम सब मिलकर लोकतंत्र और जनता के अधिकारों की रक्षा करें और वोट की चोरी रोकें।

चंदवा में काली जतरा मेला का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

चंदवा। चंदवा पारंपरिक काली जतरा मेला समिति के आयोजन में चंदवा में यह ऐतिहासिक मेला धूमधाम के साथ आयोजित हुआ। मुख्यातिथि लोकप्रिय विधायक प्रकाश राम ने मेले का उद्घाटन करते हुए कहा, काली जतरा मेला हमारी सांस्कृतिक धरोहर है और यह हमें अपनी परंपराओं से जोड़ता है। मुझे खुशी है कि इतने सुदूरवर्ती ग्रामीणों ने इस मेले में भाग लिया। यह मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह समाज में भाईचारा और सामुदायिक एकता का प्रतीक है। सभी ग्रामीण अपनी संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करें और इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाएं। इससे पूर्व अतिथियों का बैच, शाल और बुके देकर स्वागत किया गया। विशेष अतिथि के रूप में अमित गुप्ता, सुरेश यादव, आदर्श रवि राज, राजू उरांव, श्रवण गुप्ता और डुमारो मुखिया सुनीता खलखो उपस्थित रहे। आयोजक समिति में सुशील उरांव, रवि तुरी, अलोक यादव, पुरुसोतम कुमार साहू, अजय उरांव, पूनम देवी और मानती देवी शामिल थे। वर्षों पुरानी परंपरा वाले इस मेले में सुदूरवर्ती ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मौके पर विनय कुमार रिक्की, राजन भगत, इरशाद मुन्ना, शिवकेश्वर यादव, अवधेश यादव और जयराम साहू समेत कई लोग उपस्थित थे। ग्रामीणों ने मेले का आनंद लिया और अपने बच्चों के साथ परंपरागत उत्सव में शामिल हुए।

काली जतरा सामुदायिक एकता का प्रतीक

मेला में नाग देवता की पूजा की गयी। ग्रामीणों ने श्रद्धा पूर्वक पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया। बच्चों और युवाओं के लिए खेल और तमाशों का आयोजन किया गया, जिससे पूरे मेले में उत्साह बना रहा। विभिन्न मिठाई और खान-पान की दुकानें भी लगीं, जो मेले का आकर्षण बढ़ा रही थीं। पारंपरिक काली जतरा मेला न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह सुदूरवर्ती ग्रामीण समाज में आपसी मेल-जोल और सामुदायिक एकता का प्रतीक भी है। इस मेले ने स्थानीय लोगों के बीच भाईचारे और संस्कृति के प्रति सम्मान को और मजबूत किया।

अपहरणकर्ताओं से बच कर बरकाकाना जंक्शन पहुंचा छात्र

आजाद सिपाही संवाददाता

चंदवा। चंदवा एनएच-75 पर चंदवा थाना क्षेत्र के इंदिरा गांधी चौक से सोमवार की सुबह कक्षा आठ के एक छात्र का अपहरण कर लिये जाने का एक मामला प्रकाश में आया है। हालांकि उसका रेस्क्यू कर लिया गया है और वह सकुशल अपने घर पहुंच गया है। जानकारी के अनुसार गेरेंजा (बालुमाथ) ग्राम का उक्त नाबालिग छात्र सोमवार की सुबह लातेहार जाने के लिए गेरेंजा (बालुमाथ) से बस पकड़ कर चंदवा पहुंचा। वह सीएम एसओई विद्यालय, लातेहार में कक्षा आठ का छात्र है। यहां उसे बस बदल कर लातेहार जाना था। उसने अपने परिजन और पुलिस को बताया कि वह इंदिरा चौक के पास लातेहार जाने वाली बस का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान एक ओमनी वैन उसके पास आ कर रूकी और उससे पूछा कि कहां जाना है। उसने लातेहार जाने की बात बतायी। इसके बाद वैन में सवार लोगों ने उसे लातेहार जाने की बात कह कर अपनी गाड़ी में सवार कर लिया। वैन में सवार होने के कुछ देर बाद उसे कुछ भी याद नहीं रहा। शाम ढलने के बाद लगभग अंधेरा हो गया था, उसी समय वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गयी उस दुर्घटना के झटके से उसे होश आया तो देखा कि गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गयी है। उसने देखा कि ड्राइवर स्टेयरिंग में दब गया है। इसके बाद वह उस वैन से निकल कर भागा। कुछ दूरी पर एक ट्रेन की आवाज सुनाई पड़ी। इसके बाद वह उसी दिशा में भागा और वहां खड़ी ट्रेन में सवार हो कर बरकाकाना पहुंच गया। यहां उसे आरपीएफ ने पकड़कर बाल कल्याण केंद्र भेज दिया। नाबालिग के पिता ने बताया कि उन्हें आरपीएफ, बरकाकाना से फोन पर सूचना मिली कि उनका बेटा रामगढ़ बाल कल्याण केन्द्र में है। सूचना मिलने पर वे वहां पहुंचे और अपने बेटे को चंदवा लाया।

वाहन जांच में 20 हजार रुपये जुर्माने की वसूली

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। सड़क सुरक्षा को लेकर सेन्हा थाना के समीप सोमवार को विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) जया शंखी मुर्मू ने किया। जांच के दौरान वाहनों के रजिस्ट्रेशन, बीमा, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट सहित अन्य आवश्यक कागजातों की गहन जांच की गयी। इस क्रम में बिना हेलमेट वाहन चलाने और कागजात प्रस्तुत नहीं करने वाले 17 दुपहिया चालकों के वाहन जब्त किये गये तथा करीब 20 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। डीटीओ जया शंखी मुर्मू ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। लापरवाही से न केवल स्वयं की बल्कि दूसरों की जान भी खतरे में पड़ती है। जांच अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा और नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। वहीं सेन्हा थाना प्रभारी वारिश हुसैन ने लोगों से अपील किया कि हेलमेट पहनकर चलें और वाहन के सभी कागजात अद्यतन रखें। इस जांच अभियान में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधन के अमृतेश्वर गिरी, रोड इंजीनियर एनालिस्ट कृष्ण कुमार गुप्ता, एएसआइ प्रदीप कुमार यादव सहित पुलिस बल के जवान सक्रिय रूप से शामिल रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

लातेहार (आजाद सिपाही)।लातेहार जिले में यातायात नियमों की अनदेखी के कारण आये दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं में जानमाल की क्षति हो रही है। रफ्तार का कहर रूकने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को भी तेज रफ्तार के कारण एक युवक की जान चली गयी। घटना चंदवा थाना क्षेत्र के नगर मंदिर मोड़ के पास हुई। यहां एक ट्रेलर और बाइक की जबरदस्त भिड़ंत हो गयी। इस दुर्घटना में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गयी। उसकी पहचान संतोष उरांव, पिता राजेश उरांव, चकला चंदवा के रूप में हुई है।

जन वितरण प्रणाली में गड़बड़ी पर जिप सदस्य की सख्ती, कहा

कम राशन वितरण बर्दाश्त नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखंड क्षेत्र में संचालित जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) केंद्रों द्वारा कार्ड धारकों को कम राशन दिए जाने की शिकायतों को जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने जन वितरण प्रणाली केंद्रों के संचालकों तथा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाने की चेतावनी दी है। प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए संतोषी शेखर ने कहा कि प्रखंड गोदाम से जन वितरण प्रणाली केंद्र संचालकों को कम मात्रा में अनाज मिलने का हवाला देकर लाभुकों को कम राशन देना बेहद गंभीर और चिंताजनक मामला है। उन्होंने कहा कि यह लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जन वितरण प्रणाली केंद्र संचालक गोदाम से निर्धारित मात्रा से कम अनाज प्राप्त न करें और किसी भी कार्डधारक को 100 ग्राम भी कम अनाज न दें। संतोषी शेखर ने कहा कि यदि किसी भी लाभुक को कम राशन दिया गया और इसकी शिकायत मिली तो संबंधित केंद्र संचालक के साथ-साथ विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को भी चिन्हित कर सरकारी स्तर पर कठोर कार्रवाई की जायेगी।

आत्मनिर्भर भारत को लेकर भाजपाइयों ने निकाली रैली

सरयू/ लातेहार (आजाद सिपाही)। नवनिर्मित सरयू प्रखण्ड के मुख्य बाजार में सेवा पखवारा आत्मनिर्भर भारत के तहत बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा बैठक किया गया। बैठक के उपरांत कार्यकर्ताओं नें मुख्य बाजार में जागरूकता रैली निकाली। साथ ही सभी दुकानों में जा-जाकर जीएसटी 2.0 के से अवगत कराया। इस मौके पर भाजपा नेत्री सह जिला सांसद प्रतिनिधि शिल्पा भगत ने कहा कि सरकार द्वारा जीएसटी में संशोधन करना गरीबों के हित के लिए अच्छी पहल है। सरकार द्वारा किए गये इस पहल से सीधे तौर पर गरीबों को लाभ मिलेगा। भाजपा सरकार हमेशा से गरीब परिवार के लिए सोचते रहा है। कई ऐसी योजनाएँ है जो गरीबों के हित के लिए सरकार द्वारा संचालित की जा रही है। इस मौके पर मंडल प्रभारी बिशुनदेव प्रसाद, उपप्रमुख सुनिता उराँव, मंडल अध्यक्ष राजकुमार सिंह, रंजित प्रसाद, बिशुनदेव सिंह, बिरेन्द्र लोहरा, सुरेश सिंह, हीरू सिंह, दामोदर सिंह समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

NETARHAT AWASIYA VIDYALAYA
NETARHAT
P.O- NETARHAT, VIA-GUMLA, DISTRICT- LATEHAR
(An Autonomous Institution under Societies Reg. Act 1860, Ministry of School Education & Literacy Dept. Govt. of Jharkhand)
E-mail:principal.netarhat@gmail.com
Website:www.netarhatvidyalaya.com

NOTICE INVITING RE-TENDER

Re-Tender No.294 Dated - 08.10.2025

Sealed Re-Tender's/Quotations are invited from reputed Suppliers/ Publishers / Authorized Distributors / Authorized Dealers for the Supply of different kinds of News Papers, Magazines, and Circulars for the Library at Netarhat Aawasiya Vidyalaya, Netarhat.

1.	Name of the Tender	Supply of different kinds of News Papers, Magazines and Circulars for the Library at Netarhat Aawasiya Vidyalaya, Netarhat.
2.	Scope of Work	Supply of News Papers, Magazines, Circulars on weekly, fortnight, monthly and quarterly basis . (Hindi & English)
3.	Name and Address of the Office Inviting Tender	Principal, Netarhat Aawasiya Vidyalaya, Netarhat, P.O - Netarhat, Via-Gumla, District-Latehar.(JHARKHAND) PIN-835 218.
4.	Date of Publication of Tender on Website	10.10.2025 at 10 A.M
5	Last Date and Time for receipt of Bids	25.10.2025 at 10.30 A.M
6	Date of Opening of the Tender	25.10.2025 at 11.10 A.M

Further details can be seen on our school's website www.netarhatvidyalaya.com

Sd/-
Principal
Netarhat Aawasiya Vidyalaya
Netarhat

PR 363631 Human Resource Developement(25-26)#D

दीपावली पर मिट्टी के दीयों से जगमगायेगा लोहरदगा

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। दीपावली का पर्व नजदीक आते ही लोहरदगा जिले के कुम्हार परिवारों के घरों में फिर से रौनक लौट आयी है। मिट्टी के दीयों की बढ़ती मांग ने इस पारंपरिक कला में नयी जान फूंक दी है। शहर से लेकर गांव तक चाकों की घर्र-घर्र आवाज अब खुशहाली का प्रतीक बन गयी है। सहेदा पतराटोली की सुमित्रा देवी ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष करीब 30 हजार दीये तैयार किये, जिन्हें रांची बाजार के व्यापारी उनके घर से ही खरीदकर ले गये। वहीं गोपाल प्रजापति ने लगभग 80 हजार दीये बनाये, जिनकी पूरी खेप रांची के व्यापारियों ने खरीदी। दो अन्य परिवारों ने भी 80 से 90 हजार दीयों की बिक्री की है। कुछ दीये लोहरदगा के स्थानीय दुकानदारों को भी दिए गए हैं। शहर के पावरगंज स्थित कुमार मोहल्ला में सुदेव प्रजापति, संजय प्रजापति और रामदेव प्रजापति इस परंपरागत कला में लगातार सक्रिय हैं। सरना टोली में मुसको प्रजापति, शिवचरण प्रजापति, जगत प्रजापति, रवि प्रजापति और भदड़ प्रजापति, जबकि थाना टोली में करू, राजू, सचिन और प्रवीण प्रजापति दीया निर्माण कर रहे हैं। इसके अलावा ललित नारायण स्टेडियम के सामने गड़ा टोली में ट्रस्ट के महासचिव नागेंद्र प्रजापति भी बड़े पैमाने पर उत्पादन कर रहे हैं। नागेंद्र प्रजापति ने बताया कि इस बार देशी दीयों की मांग काफी बढ़ी है। रांची और लोहरदगा दोनों जगह से ऑर्डर मिल रहे हैं। एक परिवार औसतन 40 से 50 हजार रुपये तक कमा रहा है, जिससे त्योहारी सीजन में आमदनी बढ़ी है। सुमित्रा देवी ने कहा कि अब लोग फिर से मिट्टी के दीये खरीद रहे हैं। हमारी मेहनत रंग ला रही है, यही हमारे लिए असली दीवाली है।

कुम्हार के लिए परंपरागत व्यवसाय को जीवित रख पाना बेहद मुश्किल है। कुम्हार को 1200 रुपये से लेकर 1500 रुपये प्रति ट्रैक्टर मिट्टी खरीद कर लानी पड़ती है, जबकि पुआल साढ़े चार हजार रुपये से लेकर पांच हजार रुपये प्रति ट्रैक्टर मिलता है। लकड़ी भी इन्हें 700 से लेकर 900 रुपये प्रति क्विंटल की कीमत पर खरीदनी पड़ती है। कोयला भी 10 रुपये प्रति किलो के हिसाब से मिलता है और सौ दीया बनाने में 80 से 90 रुपये का खर्च आ जाता है जबकि कुम्हार इसे 100 से लेकर 120 रुपए प्रति सैकड़ा की दर से बेचते हैं। इस बार तो काफी ज्यादा नुकसान हुआ है। दीया की कीमत भी काफी महंगी होने की संभावना है। 'प्रेम किशोर प्रजापति, अध्यक्ष, कुम्हार समाज'

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, लातेहार

ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
ई–निविदा प्रसंग सं० :– RCD/LATEHAR / 910 / 2025-26
दिनांक :– 07-10-2025

1.	कार्य का नाम	लातेहार, जुबली चौक (NH-75) - हेरहंज भाया नवादा (SH-10) पथ के चैनेज 0.00 कि0मी0 से 2.50 कि0मी0 में IRQP कार्य (कुल लम्बाई–2.500 कि0मी0) ।
2.	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	रू॰ 1,69,70,298.00 (एक करोड़ उनहत्तर लाख सत्तर हजार दो सौ अनठानबे रुपये) मात्र
3.	कार्य समाप्ति की अवधि	02 (दो) माह
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	12.10.2025 को 10:30 बजे पूर्वाहन् से
5.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	25.10.2025 के 12:00 बजे दिन तक
6.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	29.10.2025 के 12:00 बजे दिन तक
7.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता , पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, लातेहार।
8.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क नं०	06565–245081
9.	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्प लाईन नं०	0651–2403007

➢निविदा की अन्य शर्तें वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर।
➢पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड में निबंधित निविदाकारों को यूकैन से संबंधित प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
➢कार्य की प्राक्कलित राशि घटने–बढ़ने की स्थिति में, उसी के अनुरूप अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य लिया जायेगा।

E-mail ID : eercdlatehar-jhr@nic.in
Tel. No. – 06565-248418
कार्यपालक अभियंता,
PR 363550 (Road)25-26*D पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, लातेहार

पलामू में खुला दीदी कैफे, महिलाएं करेंगी संचालन

एमएमसीएच परिसर में उपायुक्त ने पलाश दीदी कैफे का किया उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। समीरा एस ने बुधवार को एमएमसीएच परिसर में जेएसएलपीएस अंतर्गत पलाश दीदी कैफे का उद्घाटन किया। इसके पश्चात उन्होंने जेएसएलपीएस डीपीएम अनिता केरकेट्टा से कैंटीन व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कैंटीन में तैयार किये गये भोजन का स्वाद भी लिया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि इस कैंटीन के शुरू हो जाने से आमजनों व मरीजों को उचित मूल्यों पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि यह कैफे ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने और महिलाओं के आत्म निर्भरता के लक्ष्य को साकार करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। जिले में पूर्णरूप से क्रियाशील यह पहला दीदी कैफे है। एसएचजी दीदियों के द्वारा रागी, मड़वा के माध्यम से पारंपरिक भोजन तैयार किया जा रहा है जो सेहत के लिये भी लाभदायक है। जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न माध्यमों से दीदियों को प्रोत्साहन करने की दिशा में विभिन्न कार्य किया जा रहा है।

सुबह 7 से शाम 7 बजे तक संचालित होगा कैफे

जेएसएलपीएस की डीपीएम अनिता केरकेट्टा ने बताया कि यह दीदी कैफे सुबह 7 से शाम 7 बजे तक संचालित किया जायेगा। इसमें दोपहर के खाने में दाल-चावल और सब्जी 50 रुपये, रोटी सब्जी-भुजिया सलाद भी 50 रुपये, मछली करी और चावल 80 रुपये, अंडा करी और चावल 60 रुपये के अलावे विभिन्न प्रकार के सुबह का नास्ता और शाम का स्नैक्स भी उपलब्ध रहेगा। इस अवसर पर एमएमसीएच अधीक्षक, पीएम प्रकाश दयाल, पीएम राजेश गुप्ता, डीएफएम इमरान अहमद, नवल किशोर राजू, अख्तर अंसारी, बीपीएम पिंकी कुमारी, प्रदान से रुचिका सिंह, पलाश दीदी कैफे से सकुंतला, मीणा, माधुरी, सीमा माया के साथ विभिन्न दीदियां उपस्थित रहीं।

उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का हुआ आयोजन

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू डीसी समीरा एस की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये लोगों ने अपनी समस्याओं को डीसी के समक्ष रखा। पब्लिक की बातों को सुनते हुए उपायुक्त ने मौके पर ही संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवेदनों की प्रति अग्रसारित करते हुए त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित करने की बात कही। जनता दरबार में पांकी से आये शशिकांत यादव ने मजदूर किसान इंटर महाविद्यालय के प्राचार्या द्वारा योगदान नहीं कराने एवं वित्तिय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 का अनुदान राशि नहीं देने के संबंध में आवेदन दिया। इसी तरह पिंकी देवी ने दिए अपने आवेदन में कहा कि पिछले 14 महीनों से मेरे जमीन पर संतोष गुप्ता द्वारा अवैध कब्जा करने का कोशिश किया जा रहा है। एसडीओ ऑफिस द्वारा दंडाधिकारी नियुक्त कर सीमांकन की कार्रवाई किया गया, जिसमें लिखा गया है कि संतोष गुप्ता का अवैध कब्जा है। सीमांकन के बाद भी हमारे विरोधी को कोई नोटिस जारी नहीं किया गया। जनता दरबार में रिटायर्ड पंचायत सचिव ने अपने एमएसीपी का लाभ दिए जाने को लेकर अनुरोध किया। इसी तरह विभिन्न अंचलो से कुल 10 से अधिक महिलाओं द्वारा मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का पैसा नहीं मिलने के संबंध में आवेदन दिया गया। इन सभी आवेदनों को जांच हेतु सामाजिक सुरक्षा के यहां भेज दिया गया। उपरोक्त के अतिरिक्त जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, सार्वजनिक रास्ता रोकने, अयोग्य लाभुकों को पीएम आवास दिये जाने, दाखिल खारिज, राजस्व, स्वास्थ्य विभाग, आपूर्ति, पेयजल, शिक्षा, कल्याण विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त किये गये।

देवघर की सरकारी योजनाओं में अनियमितता और भ्रष्टाचार की जांच की मांग

आजसू पार्टी ने याचिका समिति को सौंपा ज्ञापन

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। बुधवार को आजसू पार्टी देवघर जिला अध्यक्ष आदर्श लक्ष्य ने झारखंड विधानसभा की याचिका समिति के सदस्य माननीय विधायक निर्मल महतो को एक ज्ञापन सौंपते हुए जिले की विभिन्न सरकारी योजनाओं में हो रही अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की जांच की मांग की।

श्री लक्ष्य ने ज्ञापन में कहा कि देवघर जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं तथा भूमि अधिग्रहण से जुड़ी परियोजनाओं में गंभीर गड़बड़ियां सामने आई हैं।

उन्होंने बताया कि कई योजनाओं में फर्जीवाड़ा, अपात्र लाभार्थियों को लाभ, घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग और अधिकारियों की लापरवाही जैसी शिकायतें आम हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार का स्तर इतना बढ़ गया है कि हाल ही में एसीबी द्वारा सिविल सर्जन की गिरफ्तारी इसका प्रमाण है। मजदूरों को समय पर मजदूरी न मिलना, पात्र किसानों को भुगतान से वंचित रखना और योजनाओं में साइबर ठगी जैसी घटनायें जनता का विश्वास कमजोर कर रही हैं।

आजसू पार्टी ने मांग की कि याचिका समिति पूरे मामले की स्वतंत्र जांच कर दोषियों पर कड़ी विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करे तथा रिपोर्ट विधानसभा में प्रस्तुत की जाये। श्री लक्ष्य ने विश्वास जताया कि विधायक निर्मल महतो इस प्रकरण को गंभीरता से लेकर देवघर की जनता को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

अवैध गिट्टी परिवहन पर पीपरा पुलिस की कार्रवाई, हाइवा जब्त

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। पीपरा पुलिस ने मंगलवार की शाम वाहन जांच अभियान के तहत दमवा मोड़ के पास एक हाइवा ट्रेलर (संख्या बीआर 26 जीसी 8991) को अवैध गिट्टी परिवहन करते हुए पकड़ा। वाहन में गिट्टी लदा था, लेकिन चालक के पास कोई वैध चालान नहीं मिला। थाना प्रभारी बिमल कुमार ने बताया कि वाहन को जब्त कर थाना परिसर में रखा गया है और बुधवार को चालान की प्रक्रिया हेतु खनन पदाधिकारी को भेजा गया। उन्होंने कहा कि अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा। नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

हुसैनाबाद : कांग्रेस नेताओं ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का किया स्वागत

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त जिलाध्यक्ष बिमला कुमारी से हुसैनाबाद के कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने शिष्टाचार मुलाकात कर हार्दिक बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर कांग्रेस के वरीय नेता सह प्रदेश सचिव धनंजय तिवारी ने कहा कि पलामू जिला कांग्रेस के इतिहास में पार्टी ने जिले में प्रथम महिला को पार्टी अध्यक्ष के रूप में मनोनीत कर महिलाओं और कार्यकर्ताओं को सम्मान देने का कार्य किया है। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि इनके नेतृत्व में पलामू जिला कांग्रेस कमिटी अधिक सक्रिय और सशक्त होगा। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश प्रवक्ता ऋषिकेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष मशरूर अहमद, प्रखंड अध्यक्ष लल्लू सिंह, नवल किशोर पाठक, शंभू कुमार सिंह, यासिर अराफात, रामसुंदर राम, रघुराई यादव, विजय सिंह, अंबिका सिंह, शैलेश सिंह,रिजवान अहमद, प्रवीण तिवारी, गुप्तेश्वर तिवारी सहित कई अन्य कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता का नाम शामिल है।

जिलाध्यक्ष का स्वागत करते कांग्रेस नेता धनंजय तिवारी व अन्य।

चैनपुर में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनायी गयी

चैनपुर (पलामू)। चैनपुर प्रखंड क्षेत्र के बंदुआ पंचायत भवन में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनायी गयी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष देवराज शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के जीवन, उनके आदर्शों और समाज को दी गयी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। वहीं प्रखंड मंत्री घनश्याम गुप्ता ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जयंती हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है। जो आदिकवि महर्षि वाल्मीकि के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना कर समाज को सत्य,धर्म और नैतिकता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में प्रखंड मंत्री घनश्याम गुप्ता,प्रखंड संरक्षक सरजू प्रसाद, प्रखंड संयोजक मुकेश प्रजापति, प्रखंड सुरक्षा प्रमुख विवेक अग्रवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति और हिंदू समाज के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम स्थल पर 'जय श्रीराम' और 'महर्षि वाल्मीकि अमर रहें' के नारे लगाये गये। उपस्थित लोगों ने महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों का पालन करने और समाज में समानता, ज्ञान तथा सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

नव पदस्थापित बीइओ को अजाप्टा शिक्षकों ने किया सम्मानित

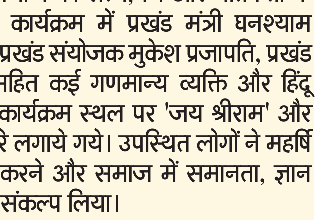

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ हुसैनाबाद पलामू के अध्यक्ष जुबैर अंसारी व सचिव निर्मल कुमार के नेतृत्व में शिक्षकों ने नव पदस्थापित प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी हुसैनाबाद परमेश्वर साव को बुके देकर सम्मानित किया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष जुबैर अंसारी ने कहा कि हुसैनाबाद प्रखंड क्षेत्रफल और जनसंख्या के मामले में अव्वल है। सचिव निर्मल कुमार ने कहा कि शिक्षक और पदाधिकारी एक ही सिक्के के दो पहलू होते हैं, दोनों में तादात्म्य संबंध होनी चाहिये तभी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कल्पना की जा सकती है। प्रखंड शिक्षा प्रसाद पदाधिकारी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण घटक शिक्षक ही, राष्ट्र निर्माता हैं। मौके पर व्ययन पदाधिकारी सुनील कुमार, शिक्षक राजेश कुमार गुप्ता, शंकर राम, अवधेश पासवान, कामेश्वर पासवान, दिवाकर पटेल, योगेंद्र पासवान, प्रमोद, सुनील, धुरेंद्र पटेल, मनोज चौधरी, अनिल सहित दर्जनों शिक्षक उपस्थित थे।

छठ पूजा कमेटी का पुनर्गठन, गोपाल बने अध्यक्ष

विश्रामपुर (पलामू) (आजाद सिपाही)। बिश्रामपुर सामाजिक सेवा समिति के तत्वावधान में मंगलवार को शिव घाट पर स्थानीय लोगों की एक बैठक हुयी। बैठक की अध्यक्षता सामाजिक सेवा समिति के अध्यक्ष संजय पांडेय ने किया। संचालन निवर्तमान पार्षद सुनील कुमार चौधरी ने किया। बैठक में छठ महापर्व को लेकर चर्चा हुयी। युवा समाजसेवी गोपाल कुमार सोनी को कमिटी का अध्यक्ष बनाया गया। वहीं राजू केशरी व अवधेश सोनी को उपाध्यक्ष, विजय पेंटर व संतोष चौधरी को कोषाध्यक्ष,रामचंद्र साव को सचिव, धर्मेंद्र गुप्ता, अमित सोनी को उपसचिव, बल्लू गुप्ता व रामबिहारी पासवान को महामंत्री तथा कृष्ण केशरी, मोहित केशरी व पंकज कुमार को मंत्री बनाया गया। संरक्षक मंडली में प्रेमशंकर दुबे, अजय बक्सराय, संजय पांडेय, सुनील कुमार चौधरी,पंकज कुमार लाल, राजन पांडेय, सुधीर दुबे, विजय कुमार रवि, ललन सोनी, रामप्रवेश मौर्य, मुन्ना गुप्ता, संजय साह, लक्ष्मण साह, प्रमोद वर्मा, राजेश मार्शल, शिव सोनी व संजय केशरी को शामिल किया गया। इसके अलावा 21 सदस्यीय कार्यकारणी का भी गठन किया गया। जिसमें विक्की सोनी, विकाश, मनोज आदि को रखा गया है।

समाज को जोड़ता है धर्म : विधायक आलोक

लक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर कलश यात्रा का हुआ आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

चैनपुर (पलामू)। चैनपुर प्रखंड क्षेत्र के लोकेया गांव में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर बुधवार को कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर भक्ति भाव से भाग लिया। कलश यात्रा यज्ञ प्रांगण से वैदिक मंत्रोच्चारण और शंखनाद के साथ प्रारंभ हुई। भाजपा विधायक आलोक चौरसिया, भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह व परशुराम युवा वाहिनी के मुख्य संरक्षक गुरु पांडे की उपस्थिति में कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा में लोकेया गांव स्थित यज्ञ स्थल से हजारों की संख्या में महिला, पुरुष श्रद्धालु माथे पर कलश लेकर 7 किलोमीटर पैदल चलकर शिव घाटी कोयल तट पहुंचे, जहां वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ कलश में जल भरकर वापस यज्ञ स्थल पर पहुंचे। इसके बाद वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ कलश की स्थापना की गयी। कलश शोभायात्रा में दर्जनों घोड़ा भी शामिल था। यह महायज्ञ 8 अक्टूबर से शुरू होकर 13 अक्टूबर को समापन होगा। यज्ञ करा रहे श्री श्री त्रिदंडी स्वामी जी महाराज ने कहा कि यज्ञ के आयोजन से गांव में शांति, समृद्धि, आपसी सद्भाव आता है। महायज्ञ छह दिनों तक चलेगा, जिसका कार्यक्रम 8 जुलाई को जल यात्रा से शुरू हुआ है। कलश यात्रा के दौरान विधायक आलोक चौरसिया ने कहा, 'यह हमारे लिए गर्व की बात है कि सवायजपुर में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन हो रहा है। इससे हमारे क्षेत्र के लोगों को पुण्य लाभ प्राप्त होगा और जीवन में सुख-समृद्धि का संचार होगा।' उन्होंने कहा कि यह महायज्ञ विश्व कल्याण और भारत की समृद्धि के लिए समर्पित है।

गांधीवादी विचारों की अलख जगाती शताब्दी पदयात्रा का ऐतिहासिक चंपा कोठी से आगाज

तुषार गांधी की पदयात्रा ने जगाई ऐतिहासिक यादें

आजाद सिपाही संवाददाता

मधुपुर। मधुपुर में महात्मा गांधी के आगमन के 100 साल पूरे होने पर 'सौ साल बेमिसाल' कार्यक्रम के अंतिम दिन बुधवार को ऐतिहासिक पदयात्रा का आयोजन किया गया। स्थानीय पनहाकोला स्थित ऐतिहासिक चंपा कोठी से यह यात्रा महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी के नेतृत्व में शुरू हुई, जिसमें सैकड़ों गांधीवादी विचारधारा से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया। चंपा कोठी में सौ साल पूर्व महात्मा गांधी आकर ठहरे थे। यहीं से पदयात्रा करते हुए नगर पालिका जाकर नये भवन का उद्घाटन किया था।

नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और नगर भवन में अवलोकन वहीं शहर के पनाह कोला मोहल्ला स्थित चंपा कोठी से निकली पदयात्रा शहर के सुभाष चौक पहुंची, जहां तुषार गांधी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

तिलक कला मध्य विद्यालय में ऐतिहासिक स्वागत

वहीं पदयात्रा नगर भवन से निकलकर ऐतिहासिक पीएम श्री राज्य कृत तिलक कला मध्य विद्यालय पहुंची। यहां विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साह और उमंग के साथ तुषार गांधी का स्वागत किया। तुषार गांधी ने '100 साल, 100 दीप' प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और विद्यालय में लगी महात्मा गांधी एवं बाल गंगाधर तिलक की तस्वीरों पर माल्यार्पण कर नमन किया।

बच्चों के नाट्य मंचन ने मोहा मन

विद्यालय के बच्चों ने 'भारत माता' की वेशभूषा में आकर्षक नाट्य मंचन प्रस्तुत कर सभी उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय, जिसे पीएम श्री राज्यकृत मध्य विद्यालय तिलक कला का दर्जा प्राप्त है, में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कटआउट भी लगाये गये थे। तुषार गांधी के आगमन पर लोगों ने ऐसा महसूस किया मानो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सौ साल बाद फिर से इस विद्यालय में पधारे हों।

झारखंड विधानसभा की याचिका समिति की बैठक संपन्न

विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। बुधवार को झारखंड विधानसभा की याचिका समिति की बैठक परिसदन के सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में समिति के सदस्य मांडू के विधायक निर्मल महतो, बगोदर के विधायक नागेंद्र महतो तथा सारठ के विधायक उदय शंकर सिंह शामिल हुए।

बैठक के दौरान समिति के सदस्यों ने विभिन्न विभागों से प्राप्त याचिकाओं पर की गयी कार्रवाई की विस्तृत जानकारी ली और अधिकारियों को लंबित मामलों का यथाशीघ्र एवं पारदर्शी निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। समिति ने ग्रामीण कार्य विभाग, नगर परिषद, वाणिज्य कर, भवन निर्माण, विद्युत आपूर्ति, पेयजल एवं स्वच्छता, शिक्षा, कल्याण, भूमि संरक्षण, पंचायती राज, खनन, राजस्व, पर्यटन, खेलकूद एवं युवा कार्य, आपूर्ति, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता सहित अनेक विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान कार्यपालक अभियंताओं और विभागीय अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।

समिति ने यह भी कहा कि जनहित से जुड़े मामलों पर गंभीरता से कार्रवाई की जाये ताकि जनता को योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। बैठक में उपविकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, सिविल सर्जन-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कल्याण पदाधिकारी, सहकारिता पदाधिकारी, खनन पदाधिकारी, विद्युत आपूर्ति अंचल के अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल के अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। समिति ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि याचिका से संबंधित सभी मामलों में ठोस प्रगति रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत की जाये।

छात्रवृत्ति का जल्द से जल्द हो भुगतान : रवि वर्मा

देवघर (आजाद सिपाही)। कांग्रेस छात्र संगठन देवघर एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष रवि वर्मा के नेतृत्व में देवघर जिले के उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा के नाम उनके कार्यालय में एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपा। देवघर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रवि वर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ने कई वर्षों से ओबीसी छात्रवृत्ति के केंद्रीय हिस्से का भुगतान लंबित रखा है, जिसके कारण झारखण्ड के हजारों विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि समय पर नहीं मिल पा रही है। राज्य सरकार अपने हिस्से का भुगतान लगातार करती आ रही है, लेकिन केंद्र सरकार की अनदेखी के कारण ओबीसी छात्रों की पढ़ाई और भविष्य पर संकट मंडरा रहा है। इसलिए छात्रहित में आग्रह है कि उचित संज्ञान लेते हुए जल्द से जल्द इसका निराकरण कर छात्रों को छात्रवृत्ति भुगतान किया जाये। मौके पर देवघर जिला उपाध्यक्ष सैफ दानिश, जिला महासचिव मनीष कुमार, सचिव अभिषेक बरनवाल, अनिरुद्ध, संजीव, समीर, अंकित, मयंक आदि दर्जनों सदस्य मौजूद थे।

मंत्री हफीजुल हसन स्वस्थ होकर लौटे अपने पैतृक गांव

आजाद सिपाही संवाददाता

मधुपुर। झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री और मधुपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हफीजुल हसन लगभग 100 दिन की गंभीर बीमारी और इलाज के बाद दिल्ली के मेदांता हॉस्पिटल से स्वस्थ होकर अपने पैतृक गांव पिपरा लौट आये हैं। उन्होंने अपनी इस स्वस्थ वापसी को अल्लाह की रहमत और अपने चाहने वालों की दुआओं का नतीजा बताया। गांव पहुंचते ही हफीजुल हसन ने सबसे पहले पिपरा की पवित्र मस्जिद में दो रकात नमाज-ए-शुक्राना अदा की, जिसमें उन्होंने अल्लाह का शुक्र अदा किया, जिन्होंने उन्हें नयी जिंदगी बख्शी। इसके बाद, वे गांव के कब्रिस्तान पहुंचे, जहां उनके पूर्वजों और उनके मरहूम वालिद, पूर्व मंत्री हाजी हुसैन अंसारी साहब की कब्रें हैं। अपने बयान में हाफि जुल हसन ने कहा कि पिपरा गांव और मधुपुर विधानसभा मेरी जान और रूह का ठिकाना है। यहां की हवा में मेरे लोगों की दुआयें और इस मिट्टी में मेरे बुर्जुगों की यादें बसी हैं। मैं अल्लाह का शुक्रगुजार हूं कि मुझे फिर से अपनी कार्यभूमि में खिदमत का मौका मिला।

योग मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करता है: संजय

विधायक ने दीपप्रज्वलित कर किया चार दिवसीय पतंजलि योग शिविर का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। बुधवार को पंचमंदिर सरोवर जपला परिसर में आयोजित चार दिवसीय योग शिविर का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव, जिला योग प्रमुख राजीव शरण तथा जिला महिला योग प्रमुख ममता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। योग शिविर की अध्यक्षता भोला विश्वकर्मा तथा मंच संचालन डॉ अंगद किशोर ने किया।

बतौर मुख्य अतिथि योग शिविर में शामिल विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने योग शब्द पर विशेष रुप से प्रकाश डाला और कहा कि योग का अर्थ 'जोड़ना या एकजुट होना' होता है अर्थात व्यक्तिगत चेतना को सार्वभौमिक चेतना के साथ एकीकृत करना है जो मन और शरीर तथा मनुष्य और प्रकृति के बीच पूर्ण सामंजस्य स्थापित करता है, यह केवल व्यायाम नहीं है बल्कि जीवन जीने का व्यवस्थित तरीका है। जिला से आये योगाचार्य राजीव शरण ने कहा कि योग भारतीय ऋषिमुनियों और तत्ववेत्ताओं द्वारा प्रतिपादित एक विशिष्ट आध्यात्मिक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से अस्थिर चित्त की वृतियों पर अंकुश लगाया जाता है। इस कार्यक्रम के आयोजन में अग्रणी व महती भूमिका निभानेवालों में डॉ अंगद किशोर, डॉ0 शिव प्रसाद मेहता, समाजसेवी भोला विश्वकर्मा, उदयनाथ विश्वकर्मा, सेवा निवृत कार्यपालक अभियंता (विद्युत) राम जनम सिंह यादव, विनोद प्रसाद, योग शिक्षक अखिलेश सिंह सीआरपी, सुरेश ठाकुर, दीप नारायण सिंह, सेवानिवृत्त डीएसपी राम किंकर सिन्हा, भाजपा के वरिष्ठ नेता राम प्रवेश सिंह, वार्ड पार्षद अखिलेश यादव, प्रेमतोष सिंह, राजद नेता विनय सिंह यादव, अजाप्टा के प्रखंड सचिव निर्मल आदि के अलावा काफी संख्या में महिलाओं की भागीदारी थी। प्रखंड महिला प्रमुख किरण गुप्ता के नेतृत्व में दर्जनों महिलाओं ने कार्यक्रम में शिरकत किया।

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
(CIN No.:U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office: 2nd Floor, JUSNL (SLDC) Building Kusai Colony, Doranda, Ranchi - 834002
(E-mail:cetjusnl@gmail.com)

e-TENDER NOTICE

NIT No. – 447/PR/ JUSNL/ 2025-26

E-tender in two parts i.e. Technical (Part-I) and Financial (Part – II) is invited from reputed, capable, experienced and financially sound firm for the following works : -

Name of work	Hiring of consultant for the load flow study for technical feasibility of any proposed Generation plant (Renewable or Non-Renewable sources), Load, BESS (Battery Energy Storage System), Grid-Substation & Transmission line in the transmission system of Jharkhand for the period of three years.
Estimated cost (Rs.)	Rs. 6,30,00,000.00 (including GST)
Earnest Money Deposit	Rs. 12,60,000.00 On line mode
Completion Period	03 Years
e-Tender fee	Rs. 10,000.00 + 18% GST On line mode.
Start Date & Time of Download the Tender Documents	14.10.2025 at 11:00 AM
Start Date and time of upload of BID	14.10.2025 at 11:00 AM
End date and time of upload of BID	03.11.2025 upto 04:00 PM
BID Opening date for technical part	04.11.2025 at 04:00 PM
BID Opening date for price part	Will be communicated
Procurement Officer and address for communication	General Manager, C&M (NWBP), 2nd Floor, JUSNL (SLDC) Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned **(6202162568)** during office hours.
2. The bids will be received through electronic tendering mode only.
3. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag. **Sd/-**

General Manager C&M (NWBP)

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

PR 363604 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd (25-26)_D

सकारात्मक सोच और कर्म कर मानसिक तनाव को कम कर सकते है : अशोक

गुमला (आजाद सिपाही)। अंतरराष्ट्रीय लायन्स क्लब के आह्वान पर गुमला लायन्स क्लब की ओर से बुधवार को अल्बर्ट एक्का स्टेडियम से टॉवर चौक तक मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गयी। जिसमें शामिल लोग हाथों में मानसिक तनाव से बचाव के स्लोगन लिखी तख्तियां और बैनर लेकर भ्रमण कर रहे थे। लायन्स क्लब के अध्यक्ष मुरली मनोहर प्रसाद, सचिव योगेन्द्र प्रसाद साहू और रीजन चेयरपर्सन अशोक कुमार जायसवाल, दामोदर कसेरा जोन चेयरपर्सन शकर लाल जाजोदिया ने नुकड़ सभा का आयोजन कर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में लोगों को जागरूक किया। वहीं, लायंस अध्यक्ष मुरली मनोहर प्रसाद ने कहा कि तनाव और चिंता एक समान्य प्रतिक्रिया है। लेकिन जब वह असहनीय हो जाता है तो स्वास्थ्य को प्रभावित करने लगता है। हम सकारात्मक विचार, सोच और कर्म कर मानसिक तनाव को कम कर सकते है। लायंस के रीजन चेयरपर्सन अशोक कुमार जायसवाल ने कहा कि मानसिक तनाव होने के कई कारण है, जो मानसिक और शारीरिक दोनों के लिए हानिकारक है। मानसिक तनाव से घबराहट, बेचैनी और कई प्रकार के नकारात्मक प्रभाव शरीर पर पड़ता है। वहीं, सचिव योगेंद्र प्रसाद साहू ने कहा कि मानसिक तनाव कम करने के लिए जीवन शैली में नियमित व्यायाम, पर्याप्त नीद, संतुलित अहार के साथ ही योग ध्यान एवं गहरी सांस लेने का प्रयास प्रतिदिन करना चाहिए। तभी मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। जोन चेयरपर्सन शकर लाल जाजोदिया ने कहा कि योग करें, निरोग रहें। इस मौके पर लायंस दामोदर कसेरा, संजय अग्रवाल, विशाल कुमार बिड्ढ, शिवकुमार लाल, सत्येंद्र प्रसाद, लाइंस क्लब गुमला ग्रेटर के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल, शशि किरण जयसवाल, सरस्वती प्रसाद डे बोर्डिंग आवासीय केंद्र एवं ग्रामीण स्कूल के बच्चे मोहम्मद रिजवान अली, फुटबॉल कोच के नेतृत्व में भाग लिए करीब 50 बच्चे शामिल रहे।

सीजेआइ बीआर गवई पर हमला निंदनीय : विजय सिंह

गुमला (आजाद सिपाही)। आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रभारी सह झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई पर हमला घोर निंदनीय है। यह भाजपा की धार्मिक, सांप्रदायिक एवं विभाजन की राजनीति का दुष्परिणाम है। कहा कि उक्त हमले से पहले चीफ जस्टिस द्वारा न्यायालय में मंदिर की मूर्ति को बदलने वाली जनहित याचिका को अस्वीकार करने एवं उस पर मौखिक टिप्पणी करने को लेकर उन्हें भाजपा के आईटी सेल और उसके सहयोगियों द्वारा अभद्र टिप्पणियां कर सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत तौर पर ट्रोल किया गया। कहा कि भाजपा-आरएसएस की धार्मिक, सांप्रदायिक एवं विभाजन की राजनीति ने पूरे समाज में तनाव पैदा कर दिया है। इससे समाज में हिंसा और अराजकता फैल गयी है। आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट एवं झारखंड नवनिर्माण दल ने सरकार से मांग की कि वह देश में निरंतर बढ़ रही अराजकता और बिगड़ते सद्भाव को रोके एवं कानून का राज स्थापित करें।

'वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन' पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का समापन

विशनपुर (आजाद सिपाही)। गुमला कृषि विज्ञान केंद्र, विकास भारती विशुनपुर सभागार में आयोजित 'वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण' सत्र का समापन बुधवार को हुआ। यह प्रशिक्षण झारखंड सरकार के गुमला जिला उद्यान विभाग के वित्तीय सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 25 किसानों और ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुमला जिला उद्यान पदाधिकारी (डीएचओ) एवं विशिष्ट अतिथि प्रखंड प्रमुख बिशुनपुर के रूप में उपस्थित हुए। जिला उद्यान पदाधिकारी ने कहा कि झारखंड की प्राकृतिक परिस्थिति मधुमक्खी पालन के लिए अत्यंत उपयुक्त है। यहां का जैविक वातावरण, विविध पुष्पीय संसाधन एवं तापमान की अनुकूलता शहद उत्पादन के लिए आदर्श मानी जाती है। बताया कि वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन अपनाने से न केवल किसानों की आमदनी बढ़ेगी बल्कि परागण के माध्यम से फसल उत्पादन में भी 25-30 फीसदी तक वृद्धि संभव है। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि प्रशिक्षण में प्राप्त तकनीकी जानकारी को अपने खेतों में व्यवहार में लाएं और अन्य किसानों को भी प्रेरित करें। इस अवसर पर वरीय वैज्ञानिक एवं गुमला कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान डॉ बृजेश पांडे ने बताया कि वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन के माध्यम से किसान अतिरिक्त आय के साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मधुमक्खी के विभिन्न प्रजातियों की पहचान, छत्ते की संरचना, कॉलोनी प्रबंधन, शहद निकासी, रोग एवं परजीवी नियंत्रण, तथा विपणन संबंधी विषयों पर व्यावहारिक जानकारी दी गई। धन्यवाद ज्ञापन सुनील कुमार उद्यान वैज्ञानिक ने दिया। वहीं, वैज्ञानिक अटल बिहारी तिवारी ने बताया कि मधुमक्खी पालन इस जिले के लिए काफी उपयुक्त है।

महिला ने घर में साड़ी से फांसी लगाकर की आत्महत्या

चैनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के कुरूमगढ़ थाना क्षेत्र स्थित कुटमा असुर टोली गांव में मंगलवार की रात 40 वर्षीय एक महिला ने अपनी ही साड़ी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी पहचान पीसी असुर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, घटना मंगलवार की शाम 5.30 बजे घटित हुई। बताया जा रहा कि महिला का पति मांगू असुर काम करने के लिए बाहर गया है। उधर, आत्महत्या किये जाने की सूचना पाकर कुरूमगढ़ पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गयी। मृतका का शव घर में चटाई पर अचेतावस्था में मिला, जिसके गले पर रस्सी के स्पष्ट निशान थे। गर्दन पर निशान के अलावा कोई अन्य चोट या घाव नहीं था। ग्रामीण सुशील असुर और बुधो असुर ने बताया कि पीसी असुर ने साड़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस ने भी प्रारंभिक जांच में फांसी लगाने से मौत होने की पुष्टि की है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के स्वष्ट कारणों का पता चल सकेगा।

जिला शिक्षा अधीक्षक ने किया विद्यालय का निरीक्षण

गुमला (आजाद सिपाही)। डीसी प्रेरणा दीक्षित के निर्देश पर गुमला जिला शिक्षा अधीक्षक की ओर से शैक्षणिक संस्थानों की शैक्षणिक गुणवत्ता का परीक्षण एवं निरीक्षण किया गया। इस क्रम में उन्होंने जिला मुख्यालय स्थित मॉडल विद्यालय, उच्च विद्यालय करंजटोली एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का भ्रमण कर कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक स्थिति का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान जिला शिक्षा अधीक्षक ने आगामी बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की तैयारी की समीक्षा की। सभी विद्यालयों को निर्देश दिया कि निर्धारित समयावधि में सभी विषयों का सिलेबस पूर्ण करायें। उन्होंने मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में संचालित अर्धवार्षिक परीक्षाओं का भी निरीक्षण किया।

बसीला से वार कर बेटे ने की पिता की हत्या

विवाद में दिया घटना को अंजाम, गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। थाना क्षेत्र के गोविंदपुर पंचायत के कमलपुर गांव में कलयुगी बेटे ने मामूली विवाद में बसीला से वार कर अपने ही पिता की हत्या कर दी। मृतक की पहचान सहलू उरांव (45) के रूप में हुई है। उधर, मृतक की पत्नी और आरोपित की मां जगमैन उरांव की शिकायत पर जारी थाना के प्रभारी आदित्य कुमार और एसआई रमेश महतो दलबल के साथ मौके पर पहुंच गये। उन्होंने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेज दिया है। लगे हाथ आरोपी बेटे सचिन भगत को भी गिरफ्तार कर लिया, जिसे कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

शराब पीने से रोकने को लेकर था विवाद

स्थानीय लोगों की मानें तो आरोपित मृतक सहलू उरांव शनाब पीने का आदि था। वह हमेशा नशे में रहता था। पैसा नहीं मिलने पर घर के अनाज तक बेच देता था। इसी बात को लेकर बेटे सचिन के साथ विवाद चल रहा था। पता चला है कि मंगलवार को भी धान बेचने को लेकर पिता-पुत्र में विवाद हो गया। जिसके बाद आक्रोश में आकर सचिन ने घर में रखी बसीला से सहलू के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शंख नदी से शव बरामद पहचान सुनिश्चित करने में जुटी चैनपुर पुलिस

चैनपुर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के डिप्पा टोली गांव के समीप शंख नदी से चैनपुर पुलिस ने बुधवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। इससे इलाके में सनसनी फैल गई है। सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। उसकी पहचान सुनिश्चित करने में जुट गयी है। पुलिस की मानें तो शव देख प्रतीत हो रहा कि यह नौगाई डैम की ओर से बहकर आया है। उसकी उम्र 40 से 45 साल के बीच बतायी जा रही है। पुलिस ने शव की पहचान के लिए उसके हुलिया का विस्तृत विवरण जारी किया है जिसमें शव की उम्र 40 से 45 बतायी गयी है। गले में एक तौलिया भी बंधा था। शरीर के निचले हिस्से में भी तौलिया लपेटा हुआ है।

पुलिस ने शव की पहचान के लिए आसपास के थानों से संपर्क साधा है। साथ ही गुमशुदगी की रिपोर्ट की जांच कर रही है। लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को शव से संबंधित कोई भी जानकारी मिले तो अविलंब डुमरी थाना को सूचित करें।

पीएम जनमन आवास योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी

डीडीसी ने आवास एवं मनरेगा योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

विशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड सभागार में गुमला डीडीसी की अध्यक्षता में बुधवार को आवास, मनरेगा एवं अन्य विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। जिसमें बीडीओ सुलेमान मुंडरी, पंचायत सचिव एवं मनरेगा कर्मी आदि उपस्थित थे। इस दौरान आबुआ आवास योजना (वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25) की प्रगति की समीक्षा की गई। डीडीसी ने सभी पंचायत सचिवों एवं बीडीओ को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान कुछ पंचायतों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं होने पर चेतावनी देते हुए 15 अक्टूबर तक जिला स्तर से मिले लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया। इसके अलावा पीएम जनमन आवास योजना की धीमी प्रगति पर भी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने बताया कि गुमला जिले में बिशुनपुर प्रखंड को इस योजना के तहत सबसे अधिक लक्ष्य दिया गया है, इसलिए सभी पंचायत स्तर पर तेजी से कार्य पूर्ण करना आवश्यक है। तीसरी किस्त प्राप्त सभी लाभुकों को आवास निर्माण शीघ्र पूर्ण करें। इसके अलावा मनरेगा योजना के अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना की समीक्षा करते हुए डीडीसी ने संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया कि समय पर पौधा रोपण सुनिश्चित करें, मानव दिवस सृजन बढ़ाएं, एबीपीएस 100 फीसदी लागू करें, महिला भागीदारी में वृद्धि करें एवं सभी इंडिकेटर में सुधार लाएं। कहा कि योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी।

डीसी के निर्देश पर श्रम विभाग ने चलाया श्रम निबंधन एवं जागरूकता अभियान

तीन माह में 4164 श्रमिकों का हुआ निबंधन

गुमला प्रशासन की पहल : श्रमिकों से शीघ्र निबंधन कर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। श्रमिकों के सामाजिक सुरक्षा कवच को सुदृढ़ करने एवं उन्हें राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत आच्छादित करने के उद्देश्य से गुमला जिला प्रशासन की ओर से विशेष श्रम निबंधन अभियान संचालित किया गया। डीसी प्रेरणा दीक्षित के निर्देश पर गुमला श्रम विभाग की ओर से विगत तीन माह (जुलाई से सितंबर 2025) के दौरान जिले के सभी प्रखंडों के सुदूरवर्ती एवं आदिवासी बहुल क्षेत्रों में लगातार श्रम निबंधन एवं जन-जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। जिला श्रम अधीक्षक के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान के अंतर्गत कुल 2929 नागरिकों को श्रम निबंधन से संबंधित जानकारी दी गई और 4164 श्रमिकों का पंजीकरण किया गया। इनमें 1989 निर्माण श्रमिक, 1781 असंगठित श्रमिक एवं 394 प्रवासी श्रमिक शामिल हैं। इन शिविरों का उद्देश्य श्रमिकों को न केवल निबंधन के महत्व से अवगत कराना था, बल्कि उन्हें योजनाओं की जानकारी देकर सामाजिक सुरक्षा से जोड़ना भी था। बतातें चलें कि गुमला एक आदिवासी बहुल जिला है, जहां बड़ी संख्या में श्रमिक बाहर जाकर कार्य करते हैं या स्थानीय निर्माण कार्यों से जुड़े रहते हैं। कई श्रमिक सुरक्षा उपकरणों के अभाव में जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में कार्यरत हैं। इसी पृष्ठभूमि में डीसी के दिशा-निर्देश पर श्रम विभाग द्वारा यह विशेष अभियान प्रारंभ किया गया, ताकि प्रत्येक श्रमिक राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हो सके। श्रम निबंधन कराने से असंगठित श्रमिकों को झारखंड असंगठित कर्मकार मृत्यु एवं दुर्घटना सहायता योजना, मातृत्व सहायता योजना, अंत्येष्टि सहायता योजना, कौशल उन्नयन योजना, उपचार आजीविका सहायता योजना, मुख्यमंत्री औजार सहायता योजना, साइकिल सहायता योजना, सिलाई मशीन सहायता योजना एवं विवाह सहायता योजना जैसी जीवन-उपयोगी योजनाओं का लाभ प्राप्त होता है। वहीं प्रवासी श्रमिकों को प्राकृतिक आपदा अथवा दुर्घटना की स्थिति में 50 हजार से 2 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता उनके परिजनों को दी जाती है। गुमला श्रम विभाग की ओर से सभी श्रमिकों से अपील की गई कि वे शीघ्र अपना श्रम निबंधन कराएं, ताकि उन्हें राज्य सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके। नजदीकी प्रखंड कार्यालय, प्रज्ञा केंद्र या जिला श्रम कार्यालय में जाकर अथवा ऑनलाइन माध्यम से **डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.श्रमधान.कॉम** वेबसाइट पर अपना निबंधन कर सकते हैं। श्रम निबंधन के लिए श्रमिकों को अपना एवं नामांकित (नॉमिनी) व्यक्ति का आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण और मोबाइल नंबर प्रस्तुत करना आवश्यक है। डीसी ने कहा कि श्रमिक समाज के सर्वांगीण विकास में मूल भूमिका निभाते हैं, अतः उनका सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा से आच्छादन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ट्रक से बचने की कोशिश में अनियंत्रित होकर स्कार्पियो सीलम नदी में गिरी, एक की मौत

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला-छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित सिलम नदी में बुधवार की सुबह सात बजे तेज रफ्तार एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर गिर गया। जिसके डूबने से लोहरदगा थाना क्षेत्र के तिगरा गांव निवासी जुनैद अंसारी (30) की मौत हो गई। हालांकि उसके साथ मौजूद स्कॉर्पियो चालक अब्दुल रशीद और शमशाद आलम किसी तरह बचकर नदी से बाहर निकल आये। इस बाबत जानकारी देते हुए अब्दुल राशिद ने बताया कि मंगलवार की रात तीनों जशपुर जिले के टीन टांगर गांव गये थे। वहां से बुधवार की सुबह स्कॉर्पियो से अपने घर लौट रहे थे। तभी सीलम नदी के पास सामने से आ रहे ट्रक से बचने के चक्कर में उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर पुल से नीचे नदी में गिर गयी। घटना के बाद अब्दुल चालक सीट के खुले खिड़की से किसी तरह बाहर निकल आया। उसी ने हाथ से खींचकर अपने साथी शमशाद को भी बाहर निकाला। स्कॉर्पियो में फंसे जुनैद को भी निकालने के लिए उसके अंदर जाने का प्रयास किया, लेकिन उसका पता नहीं चला। शायद जुनैद स्कॉर्पियो के पीछे की ओर चला गया था, जिससे पानी में दम घूंटने से उसकी मौत हो गयी। उधर, घटना की सूचना पाकर रायडीह पुलिस मौके पर पहुंच गयी। तभी देखा कि जुनैद अंसारी का शव ऊपर पानी में तैर रहा है। उसे बाहर निकाल कर तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, घटना की सूचना पाकर परिजन भी सदर अस्पताल पहुंच गये। बताया कि जुनैद विवाहित था और उसके तीन बच्चे हैं।

दिनदहाड़े भरी पंचायत में चाकूबाजी पिता-पुत्र घायल, आरोपी गिरफ्तार

गुमला (आजाद सिपाही)। शहर से सटे तर्री गांव में बुधवार को भरी पंचायत में चाकू बाजी की घटना सामने आयी है। इसे लेकर विशाल सिन्हा नामक एक आरोपी को पकड़ कर गांव वालों ने पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक तर्री में कुछ दिन पहले आनंद नगर मोहल्ले के लोगों ने 5-6 युवकों को एक अर्धनिर्मित घर में ब्राउन शुगर पीते पकड़ा था। उन लोगों को दोबारा गलती ना करने की हिदायत देकर छोड़ दिया था। इसके बाद कुछ दिन मामला शांत रहा। इसी बीच मंगलवार को आरोपी सोनू सिन्हा और विशाल सिन्हा की मां ने तर्री निवासी रामानंद सिंह (52) के साथ गाली गलौज किया। इसी बात को लेकर बुधवार की सुबह नौ बजे तर्री स्थित शिव मंदिर के समीप पंचायत बुलायी गयी थी, जहां आरोपी की मां को भी बुलाया गया था। उसे समझाने बुझाने के बाद पंचायत ने उसके बेटे को बुलाने की बात कही थी। महिला के दोनों बेटों के पंचायत स्थल पहुंचते ही दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गयी। इसके बाद महिला के छोटे बेटे सोनू सिन्हा ने चाकू निकाल कर रामानंद सिंह और उसके पुत्र जयदेव सिंह (24) पर वार कर दिया। जिससे दोनों के पेट में चोट लगी। हालांकि वहां मौजूद पंचायत के अन्य सदस्यों ने विशाल सिंह को पड़क लिया। बात में उसे पुलिस को सौंप दिया। जबकि सोनू सिन्हा मौके से फरार हो गया है। दूसरी ओर, घटना के बाद घायल दोनों पिता पुत्र को सदर अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैया कराने की मांग आक्रोशित रैयतों ने बीमरला माइंस में जड़ा ताला

घाघरा (आजाद सिपाही)। बीमरला माइंस के रैयतों ने बाहरी लोगों को काम देने का विरोध करते हुए बुधवार को माइंस में ताला जड़ दिया। रैयतों ने विगत छह अक्टूबर को हिंडालको के ऑफिस में जाकर आवेदन दिया था। इसके बाद भी कोई कार्रवाई न होने से नाराज होकर यह कदम उठाया है। आवेदन में रैयतों ने कहा कि बीमरला के रैयत को माइंस खुलने के समय यूनियन, कंपनी और ठेकेदार के बीच वार्ता हुई थी कि जो लोग स्थानीय हैं उनको दूसरा काम भी दिया जाएगा। लेकिन 10 वर्षों से लोहरदगा के राजेश महतो द्वारा ट्रांसपोर्टिंग का कार्य किया जा रहा है। इसके पहले भी 28 अगस्त को रैयतो ने माइंस में ट्रांसपोर्टिंग का कार्य बंद कर दिया था। तब पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने अपने आवास पर रैयत एवं हिंडालको कंपनी के ट्रांसपोर्टिंग हेड अभिषेक सिंह, बीमरला माइंस के जीएम राजेश अम्बष्ट के बीच वार्ता की थी। जिसमें हिंडाल्को के आला अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि एक महीना के अंदर रैयतों के नाम पर ट्रांसपोर्टिंग का एग्रीमेंट कर दिया जाएगा लेकिन एक महीना बीत जाने के बाद भी हिंडाल्को द्वारा कोई वार्ता या एग्रीमेंट नहीं किया गया। जिससे रैयतों में आक्रोश है। जिसके बाद रैयतों ने बुधवार से ट्रांसपोर्टिंग रेजिंग कार्य बंद कर दिया है। कहा कि जब तक ट्रांसपोर्टिंग का एग्रीमेंट नहीं होगा तब तक के लिए अनिश्चितकालीन माइंस बंद रहेगा।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, लातेहार

-: आवश्यक सूचना :-

गारू थाना काण्ड संख्या 02/2021 दिनांक 16.01.2021 धारा 307/302/286/120बी भा0द0वि0, 3/4/5 वि0पदा0 अधि0 एवं 17 सी0एल0ए0 एक्ट में उक्त अभियुक्त के विरूध माननीय अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी व्यवहार न्यायालय लातेहार के आदेशानुसार निर्गत इश्तिहार का विधिवत दिनांक 23.09.2025 को तामिला किया गया है, तथा आपको सूचित किया जाता है कि इश्तिहार निर्गत की तिथि से 30 दिनों के अन्दर तक माननीय न्यायालय में आत्म समर्पण करे अन्यथा आपके विरूद्व अग्रीम कार्रवाई की जाएगी।

क्रम	अभियुक्त का नाम एवं पता
1.	राजू भुईयाँ पिता छोटेलाल भुईयाँ पता लवाही, थाना डंडई, जिला गढ़वा।

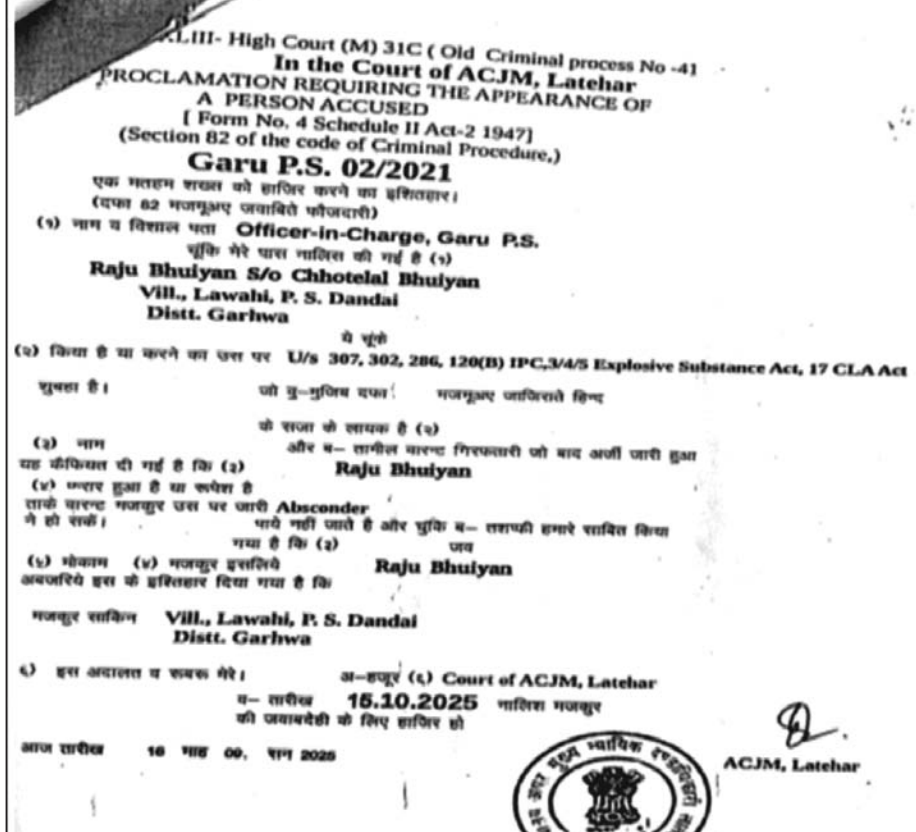

PR 363577 Police (25-26)_D

ह0/–
पुलिस अधीक्षक, लातेहार

33वें सीसीक्यूसी सम्मेलन इएसएल स्टील लिमिटेड को मिली सफलता

बोकारो (आजाद सिपाही)। इएसएल स्टील लिमिटेड (वेदांता समूह) ने एक बार फिर गुणवत्ता, नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को साबित करते हुए 33वें चैप्टर कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स में शानदार सफलता हासिल की। यह सम्मेलन क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया के बोकारो चैप्टर द्वारा आयोजित किया गया था। कंपनी के लिए यह गर्व का क्षण रहा जब इएसएल की सभी सात टीमों ने 'पार-एक्सीलेंस अवॉर्ड' सम्मेलन के सर्वोच्च सम्मान को जीतकर इतिहास रच दिया। प्रतियोगिता में कुल 45 टीम ने भाग लिया था। जिनमें देश की प्रतिष्ठित संस्थाएँ जैसे सेल आईटीसी टाटा समूह, एक्सआइएसएस और विवेक एजुकेशनल ग्रुप शामिल थीं। मजबूत प्रतिस्पर्धा के बीच, इएसएल की उपलब्धि ने टीमवर्क, नवाचार और सतत सुधार की भावना का उज्जवल उदाहरण प्रस्तुत किया। एक कड़े आंतरिक चयन प्रक्रिया के बाद संयंत्र के विभिन्न विभागों से 15 उत्कृष्ट काइजन प्रोजेक्ट्स को नामांकित किया गया था। विशेषज्ञों की जूरी ने इनमें से सर्वश्रेष्ठ कुल 7 टीम को इएसएल का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। विजेता टीमों को बधाई देते हुए इएसएल प्रबंधन ने कहा कि यह उपलब्धि इएसएल की उस भावना को दशार्ती है जो सहयोग, रचनात्मकता और उत्कृष्टता पर आधारित है। मालूम हो कि झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोरी गांव में स्थित, इएसएल स्टील लिमिटेड एक प्रमुख स्टील उत्पाद निमार्ता है। 1.5 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता वाली ईएसएल स्टील लिमिटेड – पिग आयरन, बिलेट्स, टीएमटी बार, वायर रॉड और डक्टाइल आयरन पाइप का उत्पादन करता है।

दी पेंटिकॉस्टल असेंबली स्कूल में मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह आयोजित

बोकारो (आजाद सिपाही)। 4 से 10 अक्तूबर मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के रुप में मनाया जाता है। इसी श्रृंखला में 8 अक्तूबर को दी पेन्टिकॉस्टल असेंबली स्कूल में विद्यार्थियों के लिए एक विशेष असेंबली का आयोजन किया गया। जिसमें स्वस्थ रहने, स्वस्थ जीवन-शैली अपनाने , सकारात्मक सोच, मानसिक शांति और सुकून विकसित करने के उपाय बताये गये। मौके पर निरुपमा (टीजीटी विज्ञान) ने तनाव के कारण की पहचान करने, स्वस्थ भोजन के महत्व और दैनिक आहार में पौष्टिक भोजन के लाभों को बताया। बीभा मिश्रा ने आंतरिक शांति के लिए ध्यान और सचेत बने रहने की बात कही। अनिल मोहन ठाकुर (पीजीटी रसायन विज्ञान) ने विद्यार्थियों को सर्वदा प्रसन्नचित्त और हंसमुख रहने की बात कही। इस अवसर पर 'एक नारा लेखन' प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। जिसमें छात्रों को 'मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता' पर अपने विचारों को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रधानाचार्य डॉ करुणा प्रसाद ने छात्रों को संबोधित करते हुए भावनात्मक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

सीबीएसइ नेशनल जूडो चैंपियनशिप में एमजीएम स्कूल के तीन छात्रों ने जीता स्वर्ण

बोकारो (आजाद सिपाही)। सीबीएसइ की ओर से राजस्थान के कमिनपुरा में आयोजित नेशनल जूडो चैंपियनशिप में एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो के अंशु कुमार, राजवीर सिंह और जयंत कुमार ने शानदार प्रदर्शन के आधार पर स्वर्ण पदक जीते। स्कूल के प्रधानाध्यापक फादर डॉ जोशी वर्गीस ने कहा कि अंडर 14 में अंशु कुमार, अंडर 17 में राजवीर सिंह और अंडर 19 वर्ग में जयंत कुमार ने स्वर्णिम सफलता हासिल कर बोकारो व राज्य का मान बढ़ाया। इसी प्रकार अंडर 11 में गौरव कुमार ने रजत, अंडर 17 में सिद्धार्थ कुमार व अंडर 19 में आकृति कुमारी ने रजत पदक प्राप्त किये। अंडर 11 में सक्षम कुमार सिंह, अंडर 14 में प्रियदर्शिनी सिंह, अंडर 17 में कुमारी अदिति और अंडर 19 में शशांक शेखर और ऋतुराज ने कांस्य पदक हासिल किये। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। बच्चों को बेहतर सुविधा व संसाधन उपलब्ध कराया जा रहा है। शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थी राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर मेडल जीत रहे हैं। सीबीएसइ नेशनल जूडो चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले अंशु कुमार, राजवीर सिंह व जयंत कुमार को एसजीएफआइ खेल में झारखंड की ओर से खेलने का अवसर मिलेगा। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मौके पर उप प्राचार्य राखी बनर्जी, शैक्षणिक निदेशक जार्ज जोसफ, हेडमिस्ट्रेस सपना जोशी, खेल शिक्षक राजीव कुमार सिंह के अलावा अन्य खेल शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

सांसद प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता ने बिजली विभाग के जीएम से की मुलाकात

धनबाद (आजाद सिपाही)। बुधवार 8 अक्टूबर को धनबाद सांसद दुल्लू महतो के नवमनोनीत प्रतिनिधि कैलाश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल बिजली विभाग के महाप्रबंधक एवं अधीक्षण अभियंता से भेंट वार्ता की। महाप्रबंधक एवं अधीक्षण अभियंता ने सांसद प्रतिनिधि के तौर पर प्रथम आगमन के अवसर पर कैलाश गुप्ता को बधाई दी। सांसद प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता ने धनबाद विधानसभा में व्याप्त विद्युत जनित समस्याओं से अवगत कराया और निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति निर्वाह करने की मांग की जिस पर अधिकारी दव्य ने समस्या को गंभीरता से सुना और शीघ्र निवारण का आश्वासन दिया। इस अवसर पर भाजपा नेता संजय झा, अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा के जिला अध्यक्ष विशाल कुमार गुप्ता, संतोष सिंह, मंतोष साव, विजय राणा आदि उपस्थित थे।

बोकारो में कुड़मी समाज के विरोध में आदिवासियों ने निकाली आक्रोश महारैली

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। झारखंड में आदिवासी वर्सेस कुडमी का माहौल बनने लगा है और यह केवल इस कारण से बन रहा है क्योंकि कुडमी समाज ने आंदोलन खड़ा कर कुडमी जाति को आदिवासी देने का दर्जा देने की मांग तेज कर दिया है। इसके विरोध में आदिवासी संगठन उबल पड़े हैं और उन लोगों ने इस पर ऐतराज जताते हुए साफ कहा है कि अगर दबाव की राजनीति से कुडमी समाज को आदिवासी का दर्जा देने की कोशिश हुई तो आदिवासी समाज से अपनी हकमारी के रूप में दिखेगा और उसको वह बर्दाश्त नहीं करेगा। आदिवासी समाज के लोगों ने बुधवार को आक्रोश रैली निकालकर अपनी भावना दिखा दी ताकत भी दिखा दिया और ज्ञापन देकर राज्य और केंद्र सरकार को हिदायत भी दे दिया है। आदिवासी समाज ने महा आक्रोश रैली निकाली। कुर्मी समाज की मांग का विरोध किया और आदिवासी की हकमारी करने के किसी भी प्रयास का किसी भी हद तक जाकर विरोध करने का ऐलान किया और साफ कह दिया कि यह एक टेलर है झांकी अभी बाकी है। कुर्मी समाज ने पिछले दिनों रेल रोको आंदोलन चलाकर अपनी ताकत दिखायी थी और आदिवासी का दर्जा देने की मांग बुलंद किया था। कुर्मी समाज के इस आंदोलन की तीखी प्रतिक्रिया आदिवासी समाज में हुई है और आदिवासी समाज ने तरह-तरह से विरोध शुरू करते हुए अब महा आक्रोश रैली के जरिए कुडमी समाज की मांग पर ऐतराज जताते हुए विरोध करना शुरू कर दिया है यह साफ कर दिया है कि उन्हें किसी भी कीमत पर यह बर्दाश्त नहीं होगा की आदिवासी की हकमारी हो। अगर आदिवासियों की हकमारी हुई तो फिर संवैधानिक तरीके से विरोध के स्वर को और तेज किया जायेगा और सरकार को दबाव में आकर निर्णय लेने से रोका जायेगा। इस आक्रोश महारैली में जिले भर के आदिवासी समुदाय शरीक रहे और कुड़मी महतो का जमकर विरोध किया और नारेबाजी की गयी।

इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक सेल अध्यक्ष के साथ दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे बोकारो

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक सेल अध्यक्ष अमरेंद्र प्रकाश के साथ बुधवार को अपने दो दिवसीय दौरे पर बोकारो पहुंचे। माना जा रहा है कि उनका यह दौरा बोकारो स्टील प्लांट के आधुनिकीकरण और विस्तारीकरण की योजनाओं पर केंद्रित है। बताया जाता है कि इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक पहली बार बोकारो दौरे आये हैं। सेल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अपने दौरे के क्रम में इस्पात सचिव एवं सेल अध्यक्ष ने प्लांट के विभिन्न शापों, विभागों एवं इस्पात भवन मॉडल रूम का परिभ्रमण किया। इस दौरान वे सेंट्रिंग प्लांट, नया प्रोजेक्ट साइड, सीसीएस, सीआरएम 3, आरएमएचपी ट्रिपलर का दौरा किया। अधिकारीद्वय ने मौके पर कार्यरत अधिकारियों व इस्पात कर्मियों से मिलकर उत्पादन प्रक्रिया का जायजा लिया। साथ ही, उत्पादन की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए उनकी हौसला अफजाई भी की। इसके बाद बोकारो निवास सभागार में स्थानीय प्लांट प्रबंधन के साथ निर्धारित बैठक में उन्होंने अधिकारियों से बेहतर सामंजस्य स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण उत्पादन करने को प्रेरित किया। बताया जाता है कि इस मीटिंग में इस्पात क्षेत्र के भविष्य पर चर्चा की गयी। इस्पात सचिव का यह दौरा कई मायनों में महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। यह ना केवल स्टील प्लांट के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि झारखंड में इस्पात उद्योग के विकास को भी नयी गति प्रदान करेगा। इधर, इस्पात सचिव एवं सेल अध्यक्ष के बोकारो आगमन को लेकर नगर के तमाम सड़कों एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई एवं रंग- रोगन का कार्य युद्ध स्तर पर किया गया है। जिससे नगर की खूबसूरती और बढ़ गयी है। इस्पात सचिव एवं सेल अध्यक्ष बुधवार रात्रि विश्राम बोकारो में ही करेंगे। मालूम हो कि बोकारो स्टील प्लांट देश के सबसे बड़े इस्पात संयंत्रों में से एक है। ऐसे में इस्पात सचिव का दौरा इस्पात उत्पादन को बढ़ाने और क्षेत्र में नये रोजगार के अवसर पैदा करने में सहायक होगा। जिसे बोकारो की अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी।

दांतु में पेड़ काटते वक्त हाइड्रा पलटा

पेटरवार (आजाद सिपाही)। रांची-बोकारो मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर बुधवार को कसमार थाना क्षेत्र के दांतु में एक हाइड्रा वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन कई घंटों तक बाधित रहा। जानकारी के अनुसार, दांतु में सड़क किनारे एक पेड़ को हाइड्रा वाहन की सहायता से काटा जा रहा था। इस दौरान अचानक पेड़ टूट गया, जिससे हाइड्रा में तेज झटका लगा और वाहन असंतुलित होकर सड़क पर पलट गया। घटना की सूचना मिलते ही कसमार थाना प्रभारी भजन लाल महतो अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी भजनलाल महतो के प्रयास से रांची-बोकारो मुख्य मार्ग में यातायात सामान्य हो सका।

बोकारो स्टील प्लांट के तीन सीजीएम बने इडी, फाइनेंस में पद अब भी खाली

आइएसपी के इडी वर्क्स होंगे वीके सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

वीके सिंह, डॉ करुणामय और पीके बैसाखिया ।

बोकारो। सेल ने 15 सीजीएम को ईडी बनाया और 11 ईडी का ट्रांसफर कर दिया गया। लेकिन, बोकारो स्टील प्लांट का इंतजार अब भी बरकरार है। जानकारी के अनुसार इडी फाइनेंस सुरेश रंगानी रिटायर हो चुके हैं। इनके स्थान पर समाचार लिखे जाने तक किसी की तैनाती का ऑर्डर जारी नहीं हो सका था। बोकारो स्टील प्लांट के अधिकारियों में इसको लेकर चर्चाओं का बाजार भी गर्म है। बीएसएल से प्रमोट होने वालों में तीन अधिकारियों का नाम सामने आया। बोकारो जनरल हॉस्पिटल के चीफ मेडिकल ऑफिसर बीबी करुणमय की तरक्की हो गयी है। हृदय रोग विशेषज्ञ बीबी करुणामय बोकारो मेडिकल से इडी बनने वाले तीसरे अधिकारी हैं। सबसे पहले डाक्टर एके सिंह ईडी बने थे। इनके बाद डाक्टर एके केकड़े थे और अब विभूति भूषण करुणामय इडी बने हैं। वे रांची के रहने वाले हैं। इनका रिटायरमेंट 2029 बताया जा रहा है। बीएसएल के सीजीएम सर्विसेस पीके बैसाखिया को प्रमोट करके सेल कारपोरेट आफिस बुलाया गया है। इनका 5 साल बाद प्रमोशन हुआ है। वहीं, सीजीएम एचएसएम विपीन कुमार सिंह अब इस्को बर्नपुर स्टील प्लांट के इडी वर्क्स होंगे। बोकारो स्टील आफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एके सिंह, सेफी चेयरमैन और बीएसपी आफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बंछोर, सेफी वाइस चेयरमैन व बीएसएल ओए के महासचिव अजय कुमार पांडेय, इस्को आफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील कुमार सुमन ने प्रमोट होने वाले अधिकारियों को शुभकामनाएं दी है।

बोकारो प्राइवेट आइटीआइ में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बीएसएल के सतर्कता विभाग द्वारा 8 अक्टूबर को बोकारो प्राइवेट आइटीआइ में सामूहिक सतर्कता व्यक्तिगत इमानदारी से अधिक प्रभावशाली है विषय पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के उपलक्ष्य में चल रहे तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 17 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचारों के माध्यम से सामूहिक सतर्कता तथा व्यक्तिगत ईमानदारी के महत्व पर प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किये। इस अवसर पर दिव्यांशु पंत, सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता), पंकज कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (सतर्कता) तथा श्रीमती तनु प्रिया, वरिष्ठ प्रबंधक (एमएम- मार्केटिंग) उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता का मूल्यांकन तनु प्रिया एवं एसबीवी पांडेय, प्राचार्य (बीपीआईटीआई) द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अमन राज, द्वितीय पुरस्कार सुश्री सुहाना परवीन, तृतीय पुरस्कार रोहित कुमार तथा सांत्वना पुरस्कार रितेश शुक्ला को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने विद्यार्थियों को अपने जीवन में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के मूल्यों को अपनाने तथा सतर्कता को एक सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने की प्रेरणा दी।

न्यू स्टेशन रेलवे कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति ने थाना प्रभारी को किया सम्मानित

धनबाद (आजाद सिपाही)। बुधवार को श्री श्री दुर्गा पूजा समिति न्यू स्टेशन रेलवे कॉलोनी के अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, महासचिव मुनेश्वर सिंह मुन्ना व सभा अध्यक्ष दिलीप सिंह ने बैंक मोड़ थाना परिसर में पहुंच कर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार को उसे संयुक्त रूप से माता रानी की चुनरी ओढाकर एवं गुलदस्ता देकर सम्मानित कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित थे। इस मौके उदय प्रताप सिंह ने कहा कि लाखों श्रद्धालु न्यू स्टेशन के चिल्ड्रेन पार्क में मां के दर्शन को पहुंचते हैं ऐसे में विधि व्यवस्था बनाये रखना एक बड़ी चुनौती होती है लेकिन धनबाद उपायुक्त और एसएसपी के निर्देशन में स्थानिय पुलिस प्रशासन ने बेहतरीन समन्वय में शांति पूर्वक पूजा संपन्न करवायी। जिसमें थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने पुजा कमेटी को हर संभव सहयोग किया उनके इस कर्तव्यनिष्ठा और योगदान को हमेशा याद किया जायेगा। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने कहा पूजा समितियों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों और आम नागरिकों के सहयोग से मां दुर्गा पूजा का आयोजन बहुत शांतिपूर्ण सफल हुआ। मैं न्यू स्टेशन दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष, महासचिव, सभी पदाधिकारीओं एवं सदस्यों को पूजा पंडाल में सुव्यवस्था के लिए बधाई देता हूं। थाना प्रभारी को सम्मानित करने में राघवेंद्र सिंह, संजीव पांडे, अंकित,अंशुमन, नितेश, गोलू, भोला, बिट्ठू,रोमी, सरदार, मुकेश कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बोकारो स्टील प्लांट हादसे में तीसरे मजदूर की भी हुई मौत

महुदा (आजाद सिपाही)। बोकारो स्टील प्लांट में 28 सितंबर को हुए दर्दनाक हादसे में झुलसे तीसरे ठेका मजदूर ओम प्रकाश मोहली ने भी मंगलवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। महुदा थाना क्षेत्र के आमाडीह गांव निवासी 40 वर्षीय ओम प्रकाश, बंशी मोहली के पुत्र थे। वे हादसे के बाद से बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में भर्ती थे, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी। डॉक्टरों ने मंगलवार को उन्हें मृत घोषित कर दिया। ओम प्रकाश की मौत की खबर मिलते ही उनके गांव में मातम छा गया। बुधवार को जब उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, तो पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। नम आंखों से ग्रामीणों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था। हादसे के बाद बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मृतक की पत्नी आशा मोहली को नियमानुसार अनुकंपा पर नियुक्ति पत्र सौंपा। साथ ही ठेकेदार की ओर से 3 लाख 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी परिजनों को दी गई। गौरतलब है कि 28 सितंबर की दोपहर करीब 3 बजे बीएसएल के स्टील मेल्टिंग शॉप (एसएमएस-2) में कार्य के दौरान एक बड़ा हादसा हुआ था।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल, कोडरमा
06534-2227076 Email Id-eercdkoderma-jhr@nic.in

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–20 वर्ष 2025–26

1	विज्ञापन दाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,कोडरमा।
2	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	दिनांक 15.10.2025 को 03.00 बजे अपराह्न तक।
3	निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय	दिनांक 16.10.2025 को 01.00 बजे अपराह्न तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 16.10.2025 को 03.30 बजे अपराह्न में।
5	परिमाण विपत्र की विक्री की स्थान	1. मुख्य अभियंता (या०), पथ निर्माण विभाग, अभियंत्रण छात्रावास सं०2 ,धुर्वा, झारखण्ड, राँची। 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता ,पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,कोडरमा।
6	निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान	1. मुख्य अभियंता (या०), पथ निर्माण विभाग, अभियंत्रण छात्रावास सं०2 ,धुर्वा, झारखण्ड, राँची 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता ,पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, कोडरमा।

7. कार्य की विवरणी :–

क्र० सं०	अंचल का नाम	प्रमण्डल का नाम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	हजारीबाग	कोडरमा	कोडरमा–जमुआ पथ में घोडथम्बा चौक के पास नाली निर्माण कार्य वित्तीय वर्ष 2025–26।	25,00,000.00	50,000.00	5,000.00	3 माह।
2			खोरी–महुआ–धनवार–सरिया पथ के कि0मी0 26 में नाली निर्माण कार्य वित्तीय वर्ष 2025–26।	18,00,000.00	36,000.00	5,000.00	3 माह।
3			झारखण्डी–धाम संपर्क पथ के विभिन्न पथांशों में नाली निर्माण कार्य वित्तीय वर्ष 2025–26।	15,00,000.00	30,000.00	2,500.00	3 माह।

नोट :
निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।
1. प्राक्कलन की राशि घटने या बढ़ने पर अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है।
2. कार्य का परिमाण विपत्र के क्रय हेतु पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड का निबन्धन प्रमाण पत्र एवं GST से संबंधित प्रमाण–पत्र की सुस्पष्ट प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा अन्यथा परिमाण विपत्र निर्गत नहीं किया जायेगा।
3. PWD कोड में संशोधन के फलस्वरुप 10 प्रतिशत न्यूनतम दर की अधिसीमा समाप्त कर दी गई है।

कार्यपालक अभियंता
प०नि०वि०पथ प्रमण्डल कोडरमा।
PR 363621 (Road) 25-26 (D)

महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक का कार्यालय, झारखण्ड, राँची।

सूचना पट निविदा आमंत्रण सूचना सं0–24 / 2025–26

10 अदद् **Motorola Hand Held Set** की आपूर्ति हेतु GST निबंधित स्थानीय फर्मो से दिनांक–16.10.2025 को समय 18:00 बजे तक मुहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

नियम एवं शर्ते :–
1. ईच्छुक फर्म अपने लेटर पैड पर निविदा दो भागों – तकनीकी एवं वित्तीय भाग में देंगे। तकनीकी भाग में
(a) GST,
(b) PAN No
(c) Data Sheet of Product
(d) OEM Authorisation Certificate
2. परिशिष्ट–01 के रूप में संलग्न विहित प्रपत्र के अनुसार वित्तीय भाग समर्पित करेंगे। वित्तीय भाग में अंकित दर अंको / अक्षरों में होगी और उसमें कोई कटींग अथवा ओभर राईटींग मान्य नहीं होगा। ऐसी निविदा को अस्वीकृत कर दिया जायेगा।
3. **Motorola Hand Held Set** का **Specifications** परिशिष्ट–02 के रूप में संलग्न है। उक्त Specifications के अनुरूप Motorola Hand Held Set की आपूर्ति करना अनिवार्य होगा। Specifications के अनुरूप Motorola Hand Held Set की आपूर्ति नहीं करने पर आपूर्ति स्वीकार नहीं किया जायेगा।
4. तकनीकी रूप से सफल फर्मों को अपने खर्च पर Board of Officer के समक्ष Field Trial के लिए नमूना समर्पित करना अनवार्य होगा, जिसके लिए संबंधित फर्म को अलग से पत्राचार किया जायेगा।
5. क्रयादेश के उपरांत Motorola Hand Held Set की आपूर्ति एक माह के अंदर केन्द्रीय भंडार, होटवार, राँची में करना अनिवार्य होगा।
6. L1 फर्म को क्रयादेश निर्गत करने के उपरांत 15 दिनों के अंदर राशि रू0 50,000/–(पचास हजार रूपये) मात्र का ePBG IG OF POLICE (PROVISION), JHARKHAND, RANCHI के पदनाम से 26 माह के लिए समर्पित करना अनिवार्य होगा।
7. निविदा के दोनों भाग (तकनीकी एवं वित्तीय) को अलग–अलग लिफाफा में सील कर दोनों के उपर अलग–अलग यथा "तकनीकी भाग" एवं "वित्तीय भाग" लिख कर एक अन्य लिफाफा में डालकर और उसे भी सील कर अधोहस्ताक्षरी के पदनाम से भेजना होगा। लिफाफा के उपर फर्म का नाम लिखा रहना अनिवार्य होगा।
8. निविदा का तकनीकी भाग एवं वित्तीय भाग दिनांक–17.10.2025 को समय 12:00 बजे Procurement Committee के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में खोली जायेगी। निविदा खुलने के समय निविदादाता या उनके प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं।
9. निविदा समर्पित करने के पश्चात् निविदा से संबंधित किसी प्रकार का कागजात स्वीकार नहीं किया जायेगा।
10. क्रयादेश में अंकित दर के अनुरूप उत्पाद की संख्या को 20% तक घटाया–बढ़ाया जा सकता है।
11. निविदादाता को Motorola Hand Held Set के लिए 02 वर्ष की वारंटी देना अनिवार्य होगा।
12. निविदा में भाग लेने वाले फर्मों को झारखण्ड राज्य में Service Support/Dedicated Manpower का विवरणी उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।
13. महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड, राँची को यह अधिकार सुरक्षित होगा कि बिना कारण बताये निविदा को रद्द कर सकेंगे।
14. सम्पूर्ण निविदा दस्तावेज (परिशिष्ट–01 एवं 02 सहित) झारखण्ड पुलिस के वेबसाईट www.jhpolice.gov.in पर उपलब्ध है। कार्यालय दिवस के दौरान पुलिस मुख्यालय, झारखण्ड, राँची से भी संपूर्ण निविदा दस्तावेज प्राप्त कर सकते है।

पुलिस महानिरीक्षक (प्रोविजन)
झारखण्ड, राँची।
PR 363524 Police(25-26)D

आंध्र प्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में आग, छह की मौत

शव पूरी तरह झुलसे, पहचान पाना भी मुश्किल हुआ, कई घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

रायवरम। आंध्र प्रदेश के डॉ बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिले के रायवरम में बुधवार को एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गयी। हादसे में छह लोगों की मौत हो गयी। बुरी तरह झुलस गये शवों की पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा है। कई लोग घायल हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। एसपी राहुल मीणा ने बताया कि हादसे में मारे गये लोगों के शव बुरी तरह झुलस गये हैं। मृतक पटाखा फैक्ट्री के मजदूर हो सकते हैं। शवों की पहचान की जा रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। पटाखा फैक्ट्री के पास मैन्युफैक्चरिंग का लाइसेंस था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में पटाखा बनाने के दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका की खबरें हैं। घटना के कई वीडियो सामने आये हैं। एक वीडियो में पूरी फैक्ट्री आग की लपटों से घिरी दिखी। एक अन्य वीडियो में एक व्यक्ति का शव पूरी तरह झुलसा दिख रहा है। वहीं, दूर से रिकॉर्ड किये गये एक वीडियो में फैक्ट्री से धुएं का गुबार काफी ऊंचाई तक उठता हुआ दिखा। इस दौरान कई धमाके भी हुए। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिये हैं। नायडू ने एक्स पर लिखा, इस दुर्घटना में कई लोगों की जान जाने की खबर से गहरा दुख हुआ है। मैंने अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों, वर्तमान स्थिति, राहत कार्यों और चिकित्सा सहायता के बारे में बात की है।

अमित शाह ने गूगल-माइक्रोसॉफ्ट छोड़ जोहो इ-मेल अपनाया, दिया स्वदेशी का संदेश

- मेरा नया इमेल पता amitshah.bjp@zohomail.in है, भविष्य में मेल के जरिए पत्राचार का इस एड्रेस का इस्तेमाल करें

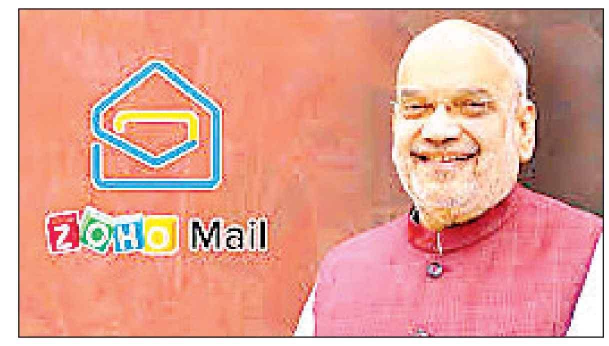

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वदेशी मेल जोहो पर अपना अकाउंट बना लिया है। इसे स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया जा रहा है। शाह ने सोशल मीडिया पर इसका एलान किया है। बता दें कि जोहो दस्तावेज, स्प्रेडशीट और प्रेजेंटेशन के लिए भारत का घरेलू प्लेटफॉर्म है। गृहमंत्री शाह का ये कदम पीएम मोदी के 'स्वदेशी' या आत्मनिर्भरता के आह्वान के अनुरूप है। पीएम का ये अभियान आर्थिक विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारत में निर्मित उत्पादों को अपनाने को प्रोत्साहित करता है। सोशल मीडिया पर अपने फैसले को साझा करते हुए अमित शाह ने कहा सभी को नमस्कार, मैंने जोहो मेल पर स्विच कर लिया है। कृपया मेरे इमेल एड्रेस में परिवर्तन पर ध्यान दें। अमित शाह ने आगे लिखा मेरा नया इमेल पता amitshah.bjp@zohomail.in है। भविष्य में मेल के जरिए पत्राचार के लिए कृपया इस एड्रेस का इस्तेमाल करें। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।

आइटी मंत्री पहले ही कर चुके हैं एलान

इससे पहले केंद्रीय आइटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जोहो में अपने स्थानांतरण की घोषणा की थी। जोहो के सीइओ श्रीधर वेंबू ने वैष्णव के इस निर्णय की सराहना की थी और इसे अपनी डेवलपमेंट टीम के लिए एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन बताया था।

विदेशी सॉफ्टवेयर पर निर्भरता होगी कम

बता दें कि शिक्षा मंत्रालय ने अपने सभी अधिकारियों को आधिकारिक दस्तावेज संबंधी कामों के लिए जोहो ऑफिस सूट का उपयोग करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय के मुताबिक जोहो के उत्पादकता उपकरणों के सूट को अपनाना विदेशी सॉफ्टवेयर पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। जोहो तकनीक से जुड़ी एक ग्लोबल कंपनी है। इसकी स्थापना श्रीधर बेंबू और टोनी थॉमस ने 1996 में की थी। अगर इसके हेडक्वॉर्टर की बात की जाये तो इसके संस्थापकों ने तमिलानाडु की राजधानी चेन्नई को इसकी स्थापना के लिए चुना था। भारत की इस स्वदेशी कंपनी का काम अमेरिका, चीन और जापान में भी है।

गृह मंत्री अमित शाह से मिले मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव

- कफ सिरप और ओबीसी आरक्षण समेत कई मुद्दों पर हुई बात

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राजधानी में मुलाकात की। गृह मंत्री के आवास पर हुई दोनों नेताओं की यह बैठक करीब एक घंटे चली। इससे पहले सीएम 24 सितंबर को दिल्ली पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की थी। गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद सीएम ने सोशल मीडिया वेबसाइट एक्स पर लिखा, गृह मंत्री अमित शाह से भेट कर प्रदेश के विकास से संबंधित विषयों पर चर्चा की और मार्गदर्शन प्राप्त किया। मध्यप्रदेश के सीएम मंगलवार देर रात दिल्ली पहुंचे। वे सीधे अपने अशोक रोड स्थित सरकारी निवास पहुंचे। बुधवार सुबह वे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलने पहुंचे। दोनों नेताओं की मुलाकात करीब एक घंटे चली। इसके बाद वे भोपाल के लिए रवाना हो गये। सूत्रों का कहना है कि, डॉ यादव ने मध्यप्रदेश में कफ सिरप मामले में की जा रही कार्रवाई के बारे में गृह मंत्री को जानकारी दी। शाह ने सीएम को इस मामले में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं। दोनों नेताओं के बीच ओबीसी वर्ग के आरक्षण मामले पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति, आगामी विकास परियोजनाएं और केंद्र की योजनाओं को राज्य में प्रभावी ढंग से लागू करने जैसे विषय पर चर्चा हुई।

अखिलेश से मिल आजम बोले, सब तिनका-तिनका हुआ

- सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आजम खान के जेल से छूटने के बाद पहली बार मुलाकात की

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ/ बरेली/ रामपुर। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आजम खान के जेल से छूटने के बाद पहली बार मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में दो घंटे तक बातचीत चली। इस दौरान आजम की पत्नी और बेटे भी मौजूद नहीं थे। बाहर निकलने पर अखिलेश ने कहा, आजम साहब बहुत पुराने नेता हैं। उनका गहरा साया हमेशा हमारे साथ रहा है। आजम खान हमारी पार्टी का दरख्त (पेड़) हैं। आजम परिवार पर भाजपा केस करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना चाहती है। यह बड़ी लड़ाई है और उसमें हम सब मिलकर लड़ेंगे। इससे पहले सपा प्रमुख को आजम ने खुद रिसीव किया। इसके बाद अखिलेश और आजम एक ही कार में बैठकर घर पहुंचे। अखिलेश बुधवार सुबह साढ़े 11 बजे लखनऊ से निजी विमान से रामपुर के लिए रवाना हुए। वह पहले बरेली एयरपोर्ट पर पहुंचे। यहां से हेलिकॉप्टर से दोपहर 12:45 बजे रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी में लैंड हुए। इधर आजम की नाराजगी के चलते अखिलेश ने रामपुर से सांसद मोहिबुल्लाह नदवी को बरेली में ही छोड़ दिया। दरअसल, आजम ने मंगलवार को कहा था- मैं सिर्फ अखिलेश से मिलूंगा, किसी और से नहीं। मैं रामपुर सांसद से वाकिफ नहीं हूं। मेरी उनसे कभी मुलाकात नहीं हुई। 23 सितंबर को आजम खान जेल से रिहा हुए थे। उस समय अखिलेश उन्हें रिसीव करने नहीं पहुंचे थे। तब आजम ने कहा था, हम कोई बड़े नेता नहीं हैं। अगर बड़े नेता होते, तो बड़ा नेता लेने आता। बड़ा, बड़े को लेने आता है।

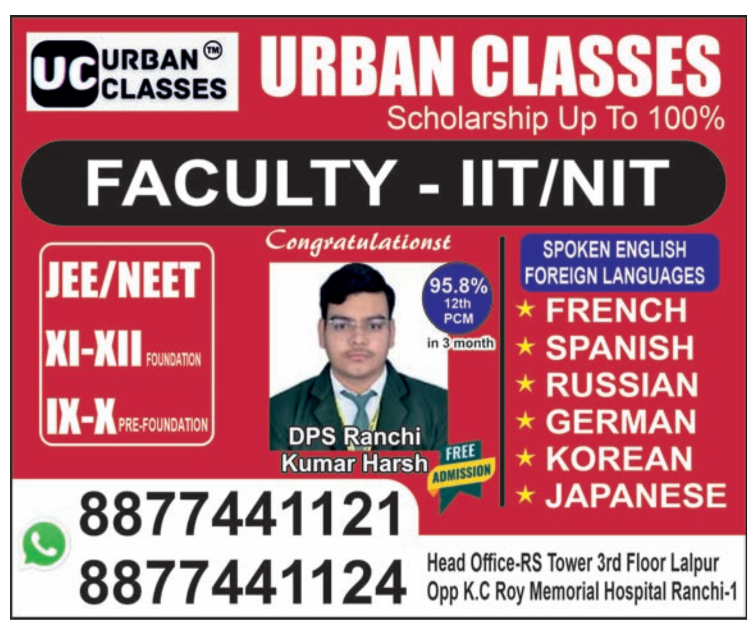

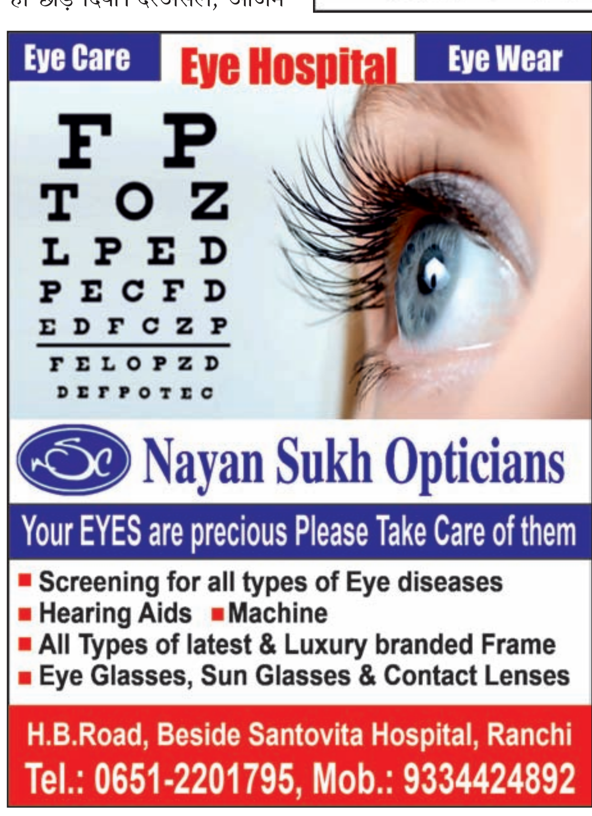

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 150	Hindi	₹ 150
English	₹ 150	English	₹ 150
Mathematics	₹ 150	Mathematics	₹ 150
Science	₹ 150	Science	₹ 150
Social Science	₹ 150	Social Science	₹ 150
Sanskrit	₹ 150	Sanskrit	₹ 150
Hindi – B	₹ 150	Hindi – B	₹ 150
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 130	English Grammar– II	₹ 130
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 60	Hindi Practical	₹ 60
English Practical	₹ 60	English Practical	₹ 60
Maths. Practical	₹ 70	Maths. Practical	₹ 70
Science Practical	₹ 70	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 75	S. Science Practical	₹ 75
Sanskrit Practical	₹ 60	Sanskrit Practical	₹ 60
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 90
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 90
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 230
Science	₹ 220	Science	₹ 200
Social Science	₹ 230	Social Science	₹ 230
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 100	S. Science Practical	₹ 90

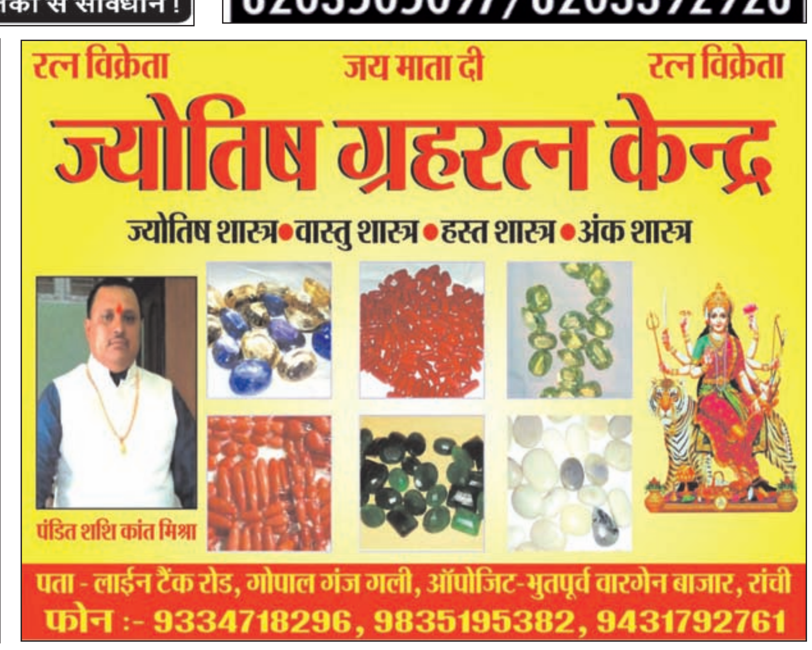

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**